आज का विचार

मुश्किलें जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन उनसे भागना समाधान नहीं है। जो व्यक्ति चुनौतियों को अवसर और संघर्षों को अनुभव मानता है, उसे आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़। सोमवार, 25 मई, 2026 | वर्ष 24, अंक 125, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 | RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 | www.citydarpan.com

प्रधानमंत्री मोदी ने ज्योतिरादित्य सिंधिया का लेख किया साझा

सिक्किम की सांस्कृतिक विरासत और विकास मॉडल को सराहा

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिक्किम के राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा लिखे गए एक लेख को साझा करते हुए राज्य की सांस्कृतिक विरासत, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास मॉडल की प्रशंसा की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि लेख में कंचनजंगा को सिक्किम की भूमि, स्मृति और चेतना का संरक्षक बताया गया है, जो राज्य के विकसित सिक्किम-2047 के विजन को दिशा देता है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा कि सिक्किम अपने राज्यत्व के 51वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है।

इस अवसर पर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कंचनजंगा की पांच धरोहरों के माध्यम से राज्य की पहचान, परंपरा और विकास यात्रा को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि ये पांच धरोहरें विकसित सिक्किम-2047 की दिशा में राज्य की प्रगति को प्रकाशित कर रही हैं।

एक अंग्रेजी अखबार में प्रकाशित अपने लेख में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सिक्किम को सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, सांस्कृतिक विरासत और सतत विकास का आदर्श उदाहरण बताया। उन्होंने लिखा कि राज्य का विकास केवल आधारभूत संरचना तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जनता के विश्वास, प्रकृति के संरक्षण और सांस्कृतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ा है।

भारत दूसरे देशों को भी बिजली देने में सक्षम: मनोहर लाल

कहा, बिजली क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा भारत, गांवों में मिल रही 24 घंटे बिजली

एजेंसी (हि.स.)

चंडीगढ़

केंद्रीय ऊर्जा एवं शहरी विकास मंत्रीमनोहर लाल ने कहा कि देश में बिजली की कोई कमी नहीं है। अब भारत बिजली के क्षेत्र में न केवल आत्मनिर्भर हो रहा है बल्कि दुसरे देशों को भी बिजली देने में सक्षम है। जबकि पहले विपक्ष की सरकार के समय देश में बिजली का संकट बना रहता था और हरियाणा भी उससे अछूता नही था।

विशेष तौर पर गर्मी के दिनों में तो बिजली के कटों से लोग इतने परेशान होते थे कि वे सडकों पर जाम लगाने के लिए मजबूर हो जाते थे। जबकि वर्तमान में आज प्रदेश के लगभग सभी गांवों में म्हारा गांव-जगमग गांव के तहत 24 घंटे बिजली मिल रही है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल रविवार को करनाल में अपने धन्यवादी दौरे के दौरान बोल रहे थे। उन्होंने असंध विधानसभा क्षेत्र के गांवों बालू, मंजूरा, औगंद, कतलाहेडी, जुंडला और पिचौलिया में पहुंचकर लोकसभा के चुनावों में विजयी बनाने के लिए लोगों का धन्यवाद किया और उनकी समस्याओं का समाधान किया। उन्होंने उक्त गांवों में लाइब्रेरी व शमशान घाट का रास्ता पक्का, चारदीवारी, शैड व पीने के पानी की व्यवस्था करवाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने यह भी घोषणा की कि जिन गांव की गरीब परिवार की लड़कियां पढ़ने के लिए स्कूलों में पैदल जाती है। ऐसी बच्चियों को स्कूल के मुख्याध्यापक व प्रीसिंपल से मिलकर नौवीं से लेकर बारहवीं कक्षा में पढ़ने वाली 500 लड़कियों की सूची तैयार करें ताकि उन्हें निशुल्क साइकिल उपलब्ध करवाई जा सके। उन्होंने सामाजिक ताने-बाने को लेकर लोगों का आान किया कि वे जाति भेदभाव से ऊपर उठकर एकता, समरस्ता, आपसी प्रेम प्यार और भाईचारे को मजबूत करें और रूढ़िवादी सोच में बदलाव लाए।

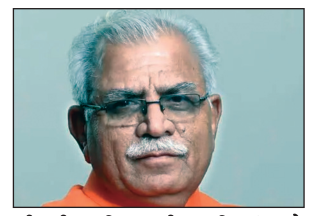

'21 मई को देश में सर्वाधिक बिजली आपूर्ति की गई'

उन्होंने देश में बिजली की वर्तमान स्थिति के बारे में कहा कि 21 मई को देश में सर्वाधिक बिजली आपूर्ति की गई। मांग के अनुसार 270.80 गीगा वाट बिजली की निर्बाध आपूर्ति की गई। आज के दिन देश में 283 गीगावाट की उपलब्धता है, आने वाले समय में 300 गीगावाट क्षमता के लिए तैयार रहने के निर्देश हैं। उन्होंने कहा कि आज से दस साल पहले 250 गीगावाट की डिमांड पूरी करने की क्षमता भी देश की नहीं थी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में प्रदेश में 34 प्रतिशत लाइन लॉस थे। बिजली कंपनियों के इस घाटे को कम करके 11 प्रतिशत किया गया। उन्होंने आान किया कि आज समय बदल रहा है ऊर्जा के स्त्रोत भी बदल रहे हैं। आज खाना बनाने के बर्तन से लेकर चलने के लिए वाहन भी ईवी के उपलब्ध हैं। सरकार की पीएम सूर्य घर योजना के तहत सभी घरों में तीन किलो वाट के सोलर पैनल लगाए जा रहे हैं। खेतों में भी सिंचाई के लिए सोलर पंप लगाएं और जरूरत से ज्यादा बिजली का उत्पादन कर उसे सरकार को बेच कर अपनी आमदन को भी बढ़ाए। उन्होंने कहा कि आज पढ़ाई का जमाना है। युवा पीढ़ी के लिए शिक्षा जरूरी है। इसके लिए स्कूली शिक्षा के साथ-साथ गांव में ही कोचिंग सेंटर जैसी सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए जिला की सभी 395 ग्राम पंचायतों में लाइब्रेरी खुलवाएंगे ताकि युवाओं को नौकरी की तैयारी करने के लिए गांव स्तर पर ही सुविधा उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को उनके गांव में ही कोचिंग सेंटर जैसी सुविधाएं मिलें इसके लिए जिला की सभी ग्राम पंचायतों में लाइब्रेरी खोलने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि गांव स्तर के कार्य ग्राम-पंचायत, प्रदेश के कार्य विधायक व केंद्र सरकार के कार्य सांसद के माध्यम से करवाए जाते है।

पंजाब के खिलाड़ियों ने दुनिया भर में तिरंगे का मान बढ़ाया: मुख्यमंत्री

सीएम भगवंत मान ने पुरस्कार और इनामी राशि से खिलाड़ियों का सम्मान किया

87 खिलाड़ी महाराजा रणजीत सिंह पुरस्कार से सम्मानित, विभिन्न खेलों में पदक विजेता 1070 खिलाड़ियों का सम्मान : मुख्यमंत्री

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पंजाब के इतिहास में बड़े खेल आयोजन के दौरान महाराजा रणजीत सिंह पुरस्कार विजेता 87 खिलाड़ियों और 1,070 पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को 32.05 करोड़ रुपये की इनामी राशि से सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गांवों से लेकर अंतरराष्ट्रीय खेल मैदानों तक प्रांत में खेलों के लिए व्यापक घोषणाएँ कीं।

पंजाब को उभरती खेल शक्ति बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार ने न केवल ओलंपिक और एशियाई खेलों के पदक विजेताओं को 1-1 करोड़ रुपये से सम्मानित किया बल्कि 9 खिलाड़ियों को नौकरियां भी प्रदान की हैं। पहली बार टूर्नामेंट की तैयारी के लिए 220 खिलाड़ियों को 8.61 करोड़ रुपये की सीधे बैंक खातों के माध्यम से वित्तीय सहायता दी गई। रविवार सेक्टर-35 में म्यूनिसिपल भवन में आयोजित समारोह के दौरान खेलों के क्षेत्र में निर्णायक बदलाव का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने वर्ष 2026-27 के लिए 1,763 करोड़ रुपये के ऐतिहासिक खेल बजट और जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभा को निखारने के लिए 1,300 करोड़ रुपये की लागत से 3,148 ग्रामीण खेल मैदान विकसित करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि पंजाब पहली बार एशियाई चैंपियनशिप ट्रॉफी की मेजबानी करेगा और एक नवंबर को पंजाब दिवस पर भारत-पाकिस्तान के बीच रोमांचक मुकाबला होगा। पिछली सरकारों पर तंज कसते

हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब, देश के लिए असंख्य चैंपियन पैदा करने के बावजूद पहले कभी भी राज्य को किसी बड़े खेल आयोजन की मेजबानी करने का मौका नहीं दिया गया था। उन्होंने कहा कि खेल संघों पर वास्तविक खिलाड़ियों के बजाय राजनीतिक रूप से जुड़े व्यक्तियों का दबदबा रहा। शानदार सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह दिन पंजाब के लिए ऐतिहासिक पल है क्योंकि 87 खिलाड़ियों को प्रतिष्ठित महाराजा रणजीत सिंह पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जबकि विभिन्न खेलों के 1,070 पदक विजेता खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा, पंजाब के इतिहास में पहली बार सरकार ने खिलाड़ियों में 32.05 करोड़ रुपये की इनामी राशि वितरित की है। पंजाब सरकार ने न केवल ओलंपिक और एशियाई खेलों के पदक विजेताओं को 1-1 करोड़ रुपये से सम्मानित किया है, बल्कि 9 पदक विजेता खिलाड़ियों को नौकरियां भी प्रदान की हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, पंजाब के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपलब्धियों के माध्यम से देश और राज्य का बहुत मान बढ़ाया है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उनके साथ मजबूती से खड़े हों और यह सुनिश्चित करें कि उन्हें वह सम्मान, मान्यता और सहयोग मिले जिसके वे हकदार हैं।

पंजाब सरकार के खेलों के प्रति दृष्टिकोण का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पहली बार पंजाब के 220 खिलाड़ियों को खेल प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए 8.61 करोड़ रुपये दिए गए। उन्होंने आगे कहा, पंजाब सरकार ने राज्य भर में खेलों के बुनियादी ढांचे और एथलीटों के विकास के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1,763 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड खेल बजट आवंटित किया है। गांवों में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को निखारने के लिए 1,300 करोड़ रुपये की लागत से 3,148 ग्रामीण खेल मैदान विकसित किए जा रहे हैं। ये मैदान गांवों के उभरते खिलाड़ियों के लिए प्रकाश स्तंभ बनेंगे।

भीषण गर्मी में निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली सुनिश्चित करें: मुख्यमंत्री योगी

कहा, बिजली आपूर्ति राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

सिटी दर्पण संवाददाता

लखनऊ

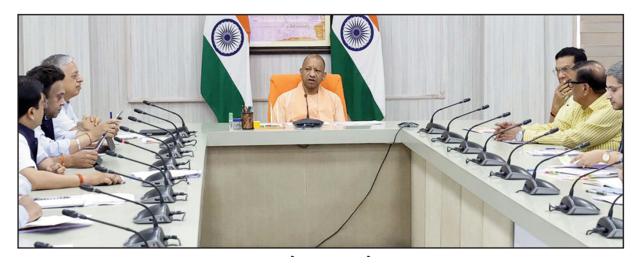

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में ऊर्जा विभाग, पावर कॉरपोरेशन एवं सभी डिस्कॉम के शीर्ष अधिकारियों के साथ प्रदेश की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की व्यापक समीक्षा की। इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्रदेशवासियों को गर्मी के इस चुनौतीपूर्ण मौसम में पर्याप्त और निर्बाध बिजली उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि भीषण गर्मी और लगातार बढ़ती बिजली की मांग के बीच पूरे प्रदेश में बिना किसी बाधा के गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

आम जनता, किसानों, व्यापारियों और उद्योगों को किसी भी प्रकार के बिजली संकट का सामना न करना पड़े, इसके लिए सभी स्तरों पर चौबीसों घंटे सतत मॉनिटरिंग की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने ऊर्जा विभाग को पूरी संवेदनशीलता, तत्परता और जिम्मेदारी के साथ फील्ड में कार्य करने के लिए कहा। राज्य की विद्युत उत्पादन क्षमता को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर बल देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बढ़ती मांग को देखते हुए सभी उत्पादन इकाइयों की अधिकतम क्षमता का उपयोग किया जाए। उन्होंने सभी बिजली संयंत्रों में तकनीकी दक्षता तथा रखरखाव व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड की कुल विद्युत उत्पादन क्षमता बढ़कर 13,388 मेगावाट के स्तर पर पहुंच गई है। इस कुल क्षमता में अनपरा, ओबरा, हरदुआगंज, परीछा, जवाहरपुर और पनकी जैसे प्रमुख तापीय विद्युत गृहों से प्राप्त होने वाली 9,120 मेगावाट क्षमता शामिल है, जबकि विभिन्न जल विद्युत परियोजनाओं से राज्य को 526.4 मेगावाट क्षमता उपलब्ध हो रही है। इसके अतिरिक्त मेजा, घाटमपुर और खुर्जा परियोजनाओं से संयुक्त उपक्रमों के माध्यम से 3,742 मेगावाट क्षमता राज्य को प्राप्त हो रही है। एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साझा करते हुए अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2022 की तुलना में वर्ष 2026 तक उत्पादन निगम की स्थापित क्षमता में 86 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की गई है। साथ ही गैर-पारंपरिक और नवीकरणीय ऊर्जा विकल्पों के माध्यम से भी लगभग 10 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने ट्रांसमिशन नेटवर्क को और अधिक मजबूत, आधुनिक एवं भरोसेमंद बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि पूरी बिजली आपूर्ति व्यवस्था की रीढ़ ट्रांसमिशन प्रणाली की दक्षता ही होती है। गर्मी के इस मौसम में किसी भी प्रकार की तकनीकी बाधा को न्यूनतम स्तर पर रखा जाए और ट्रांसमिशन नेटवर्क की लगातार मॉनिटरिंग की जाए।

डीआरआई ने वाराणसी में हवाई अड्डे पर 6.93 करोड़ का गांजा किया जब्त, दो यात्री गिरफ्तार

वाराणसी। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) के विकसित एक विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर डीआरआई के अधिकारियों ने रविवार को वाराणसी में लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर बैंकॉक से वाराणसी आई फ्लाइट संख्या क-215 से पहुंचे दो यात्रियों को रोककर तलाशी ली। दोनों यात्रियों के सामान की जांच के दौरान कई पैकेट में एक हरे रंग का गांठदार, तेज गंध वाला पदार्थ मिला, जो फील्ड परीक्षण करने पर गांजा पाया गया। डीआरआई की टीम के अनुसार दोनों यात्रियों के सामान से कुल 19.8 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाला गांजा (हाइड्रोपोनिक वीड) बरामद कर जब्त किया गया।बरामद मादक पदार्थ हाइड्रोपोनिक गांजा, मिट्टी के बिना, पोषक तत्वों से युक्त पानी में नियंत्रित वातावरण में उगाया जाता है। इसकी पोटेंसी सामान्य गांजा से अधिक होती है और अवैध बाजार में इसकी अत्यधिक मांग रहती है। जब्त मादक पदार्थ की अवैध बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 6.93 करोड़ है। दोनों यात्रियों को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस अधिनियम, 1985 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है।

नदी में सीप निकालने गए एक ही परिवार के नौ लोगों की डूबने से मौत

जलस्तर बढ़ने से पानी के तेज बहाव और भंवर में फंसे 14 लोग, चार को सुरक्षित बचाया गया

एजेंसी (हि.स.)

भटकल

कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के भटकल तालुक के तट्टेहक्कलु नदी क्षेत्र में रविवार को बड़ा दर्दनाक हादसा हो गया। नदी में सीपियां (कप्पेचिप्पु) निकालने के दौरान अचानक पानी का जलस्तर बढ़ने से एक ही परिवार के नौ लोगों की डूबने से मौत हो गई, जबकि चार लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। दो अन्य की तलाश अभी भी जारी है।

मुख्यमंत्री ने घटना पर शोक जताया और मृतकों के परिजनों को राज्य सरकार की ओर से प्रत्येक को पांच लाख रुपये देने की बात कही है।जानकारी के अनुसार पडुशिराली शारदहोळे गांव के 14 लोग आज सुबह तट्टेहक्कलु नदी में सीप निकालने गए थे। नदी में सीप निकालने के दौरान अचानक नदी का जलस्तर बढ़ गया और पानी के तेज बहाव व भंवर में फंस कर कई लोग बह गए। स्थानीय मछुआरों और ग्रामीणों की मदद से जब तक लोगों को निकाला गया, तब तक नौ लोगों की मौत हो गई। मछुआरों और ग्रामीणों की मदद से चार लोगों को बचा लिया गया। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा स्थिति का जायजा लिया। अग्निशमन दल, स्थानीय मछुआरे और राहत टीमें नदी में लगातार खोज अभियान चला रही हैं।

पुलिस के अनुसार मृतकों में एक पुरुष और आठ महिलाएं शामिल हैं। इनकी पहचान लक्ष्मी मादेव नायक (38), लक्ष्मी शिवराम नायक (39), मालती जट्टप्पा नायक (38), मास्तम्मा मंजुनाथ नायक (43), लक्ष्मी नायक, लक्ष्मी अण्णप्पा नायक (44), ज्योति नायक (37), उमेश मंजुनाथ नायक (42) और मंजम्मा के रूप में हुई है। अभी दो अन्य लोग लापता हैं जिनकी तलाश के लिए बचाव अभियान जारी है। नदी से निकाले गए नौ शवों को भटकल तालुक सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है।

हादसे पर प्रधानमंत्री ने जताया दुख

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कर्नाटक के कारवार जिले में हुए नदी हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए हादसे में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। उन्होंने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स हैंडल पर जारी संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि कर्नाटक के कारवार जिले में हुई त्रासदी से वह गहरे आहत हैं। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

क्वेटा में शटल ट्रेन पर आत्मघाती हमला, 27 सैन्य अधिकारी मारे गए, 131 से ज्यादा घायल

एजेंसी (हि.स.)

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलोचिस्तान की राजधानी क्वेटा में चमन फाटक के पास रविवार सुबह एक शटल ट्रेन पर हुए आत्मघाती हमले में कम से कम 27 सैन्य अधिकारी मारे गए और 131 से अधिक घायल हो गए। विस्फोट की वजह से ट्रेन की तीन बोगियां पटरी से उतर गईं और दो डिब्बे पलट गए। इस दौरान एक बोगी में आग लग गई। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार बकरीद के अवसर पर इस शटल ट्रेन के तीन कोच में पाकिस्तान के सैन्य कर्मी क्वेटा कैंट से क्वेटा रेलवे स्टेशन जा रहे थे। वहां से इसे जाफर एक्सप्रेस से जुड़ना था। रेलवे के अधिकारियों के अनुसार ट्रेन में 336 यात्री सवार थे। इस घटना में कम से कम 27 सैन्य अधिकारी मारे गए और 131 से अधिक घायल हो गए। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। पुलिस प्रारंभिक जांच में इसे आत्मघाती हमला मान रही है। विस्फोट के बाद वायरल हुए वीडियो में रेलवे ट्रैक के आसपास कई बोगियों से धुआं उठता दिख रहा है। सूचना मिलते ही बचावकर्मी, पुलिस और दमकल कर्मी पहुंचे। पाकिस्तान के रेलमंत्री हनीफ अब्बासी ने घटना की पुष्टि की है। बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। बीएलए के प्रवक्ता जयंद बलोच ने कहा कि इस घटना को बीएलए के मजीद ब्रिगेड ने अंजाम दिया। जयंद के बयान में कहा गया है कि शटल ट्रेन में पाकिस्तानी सेना के जवान और अफसर यात्रा कर रहे थे। उन्हें निशाना बनाया गया। संघीय अधिकारियों के अनुसार, क्वेटा और उसके आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

गैस पाइपलाइन को उड़ाया

उधर, बलोच रिपब्लिकन गार्ड्स के प्रवक्ता दोस्तिन बलोच ने आज मीडिया को जारी बयान में कहा कि कल रात लड़ाकों ने सिंध के काशमोर क्षेत्र के पास शाहवाली में सुई से कराची जाने वाली गैस पाइपलाइन में विस्फोटक लगाकर उसे उड़ा दिया। प्रवक्ता ने कहा कि जब तक बलोचिस्तान को आजाद नहीं किया जाता, तक ऐसे हमले जारी रहेंगे।

पशु चिकित्सा मोबाइल वैन 30 मिनट के भीतर किसानों के घर पर प्रदान करेंगी इलाज: सैनी

टोल-फ्री पशु चिकित्सा उपचार सुविधा रोजाना सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक उपलब्ध होगी

यज्ञांश शर्मा

चंडीगढ़ (सिटी दर्पण)

हरियाणा के मुख्यमंत्रीनायब सिंह सैनी ने कहा कि पशु चिकित्सा विशेषज्ञों और सहायकों से लैस मोबाइल वैन जल्द ही टोल-फ्री नंबर 1962 के माध्यम से हर दिन सुबह 6 बजे से रात 10 बजे के बीच पशुपालकों को उनके घर पर ही पशु चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेंगी। उन्होंने कहा कि कॉल मिलने पर मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई 30 मिनट के भीतर लाभार्थी के घर पहुंचेगी, जिससे पशुओं के लिए समय पर इलाज और आपातकालीन देखभाल सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इस सुविधा को धीरे-धीरे 24 घंटे की सेवा में बदलने के निर्देश दिए ताकि राज्य भर में पशुओं को हर समय समय पर चिकित्सा देखभाल मिल सके।

मुख्यमंत्री रविवार को चंडीगढ़ में कृषि, बागवानी, मत्स्य पालन और पशुपालन विभागों के पांच वर्षीय कार्यान्वयन रोडमैप और कार्य योजना पर एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में प्रधानमंत्रीनरेंद्र मोदी के 'विकसित

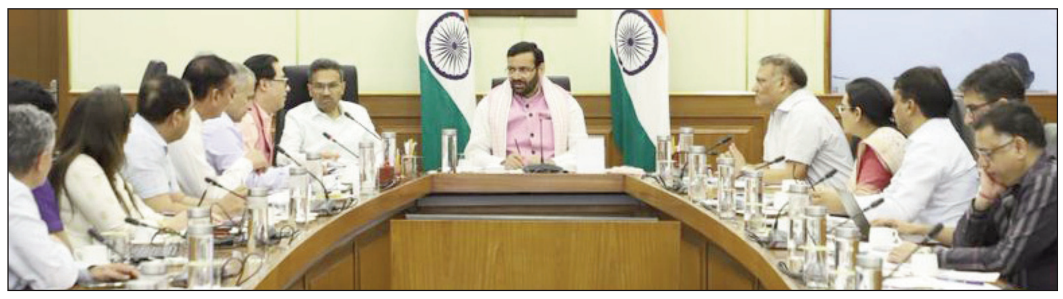

भारत' के दृष्टिकोण के अनुरूप राज्य के 'विजन 2047' ढांचे के तहत नियोजित भविष्य की रणनीतियों, लक्ष्यों और संस्थागत सुधारों पर विस्तृत प्रस्तुतियाँ दी गईं। बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने कृषि पारिस्थितिकी तंत्र के आधुनिकीकरण के उद्देश्य से विभागवार लक्ष्यों, चल रही पहलों और योजनाओं की समीक्षा की। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने फसल विविधीकरण, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, प्राकृतिक खेती, जलवायु लचीलापन और कुशल अवशेष प्रबंधन पर केंद्रित अपना रोडमैप प्रस्तुत किया। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिवविजयेंद्र कुमार ने बताया कि विभाग ने वर्ष 2026-27 में लगभग 1.40 लाख एक-ड़ जलभराव और लवणीय भूमि को सुधारने का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, जबकि वर्ष 2031 तक ऐसी प्रभावित भूमि को 100 प्रतिशत सुधारने का लक्ष्य है। मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन को मजबूत करने के लिए विभाग हर साल 15 लाख किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड (सॉइल हेल्थ कार्ड) जारी करने की योजना बना रहा है। इस रोडमैप में राज्य भर में टिकाऊ कृषि प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए 1.5 लाख एकड़ भूमि को प्राकृतिक और जैविक खेती समूहों (क्लस्टर्स) के तहत लाना भी शामिल है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा का लक्ष्य भूजल को बचाने और जलवायु-अनुकूल खेती को बढ़ावा देने के लिए 'डायरेक्ट सीडेड राइस' (ऊफ- धान की सीधी बिजाई) जैसी पानी बचाने वाली खेती तकनीकों के तहत 3 लाख एकड़ भूमि को लाना है। इसके अलावा, सरकार राज्य में पराली जलाने की घटनाओं को शून्य (जीरो) करने के उद्देश्य से किसानों के बीच सालाना 15,000 फसल अवशेष प्रबंधन (उफ्ट) मशीनें वितरित करने की योजना बना रही है।

मुख्यमंत्री ने विभाग को निर्देश दिए कि वे किसानों को जैविक खेती अपनाने, कीटनाशकों और रसायनों के उपयोग को कम करने, ऊफतकनीकों की ओर बढ़ने, फसल विविधीकरण अपनाने और पराली जलाना बंद करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक 'जागरूक यात्रा' शुरू करें। उन्होंने डॉक्युमेंट्री, व्हाट्सएप अभियानों और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्मों के माध्यम से व्यापक जागरूकता अभियानों का भी आान किया।

हिमाचल में मौसम के दो रंग: पहाड़ों पर बर्फबारी और ओले, मैदानी इलाकों में चुभने लगी धूप

अलर्ट: 28 मई से सक्रिय होगा नया पश्चिमी विक्षोभ, 29 को 50 किमी की रफ्तार से चलेंगी तेज हवाएं

मैदानी जिलों में कल से लू चलने की चेतावनी, कुकुमसेरी में न्यूनतम पारा 4.1 डिग्री तक लुढ़का

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मैदानी इलाकों में बढ़ती गर्मी के बीच हिमाचल प्रदेश के मौसम ने एक बार फिर अलग-अलग रंग दिखाने शुरू कर दिए हैं। रविवार को राज्य के ऊंचाई वाले और मध्य पर्वतीय इलाकों में मौसम खराब बना हुआ है। कई जगह बादल छाए हैं, जबकि उच्च पर्वत श्रंखलाओं पर बीती रात हल्की बर्फबारी भी हुई। दूसरी ओर ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर और सिरमौर जैसे निचले व मैदानी इलाकों में सुबह से तेज धूप खिली है और गर्मी का असर महसूस किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के कई हिस्सों में हल्की बारिश दर्ज की गई। सबसे ज्यादा 23 मिलीमीटर बारिश सुनिभज्जी में रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा जोत में 11 मिलीमीटर, जोगिंद्रनगर में 8 मिलीमीटर, फागू में 3 मिलीमीटर, कोकसर में 1.4 मिलीमीटर और पंडोह में 1 मिलीमीटर बारिश हुई। उच्च पर्वतीय इलाकों में हल्की बर्फबारी भी दर्ज की गई, हालांकि इसका असर सीमित क्षेत्रों तक रहा। मौसम विभाग ने बताया कि शिमला, भुंतर, जोत और मुरारी देवी क्षेत्र में बिजली चमकने की घटनाएं दर्ज की गईं। वहीं शिमला में ओलावृष्टि भी हुई। सुंदरनगर में 43 किलोमीटर प्रति घंटा और सिओबाग में 52 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। मौसम विभाग के मुताबिक 25 मई को

राज्य के कई इलाकों में गरज-चमक, तेज हवाओं और हल्की बारिश की संभावना बनी रहेगी। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। 26, 27 और 28 मई को प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। इसी दौरान निचले और मैदानी इलाकों में लू चलने की चेतावनी जारी की गई है। 28 मई से मौसम फिर करवट बदल सकता है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर-पश्चिम भारत में नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने जा रहा है, जिसके असर से 28 मई से प्रदेश में फिर से बारिश और आंधी की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। 28, 29 और 30 मई को कई इलाकों में गरज-चमक, तेज हवाओं और कहीं-कहीं ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। 29 मई को कुछ स्थानों पर 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इस बीच, रविवार सुबह राज्य का औसतन न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया।

लाहौल स्पीति के कुकुमसेरी में न्यूनतम तापमान सबसे कम 4.1 डिग्री, केलांग 5.3, ताबो 5.3, कल्पा 7.4, भुंतर 12.8, सराहन 13.5, सोलन 15.0, पालमपुर 16.5, सुंदरनगर 16.6, मंडी 17.4, शिमला 18.0, कांगड़ा 19.4, नेरी 19.8, धर्मशाला 20.6, ऊना 20.2, नाहन 20.1, बिलासपुर 21.0, जुब्बड़हट्टी 21.2, देहरा गोपीपुर 23.0 और पांवटा साहिब में 25 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

फिट इंडिया मूवमेंट के तहत 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम का आयोजन

रेस्लर बबिता फोगाट रही मुख्यातिथि

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

खेल नगरी धर्मशाला में रविवार को फिट इंडिया मूवमेंट के तहत 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कॉमनवेल्थ गोल्ड मेडलिस्ट रेस्लर बबीता फोगाट मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र धर्मशाला द्वारा आयोजित इस विशेष अभियान की थीम 'स्टार्ट ऑफ कॉमनवेल्थ गेम्स-2030' रखी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं और आमजन को फिटनेस के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ वर्ष 2030 में भारत में प्रस्तावित कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए जनसमर्थन तैयार करना रहा।

कार्यक्रम में कॉमनवेल्थ गोल्ड मेडलिस्ट पहलवान बबीता फोगाट और उपायुक्त कांगड़ा ने झंडी दिखाकर कार्यक्रम की शुरूआत की। उनके साथ फिट इंडिया एंबेसडर दीपक मिश्रा भी विशेष रूप से मौजूद रहे। दोनों ने खिलाड़ियों और युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करते हुए फिटनेस, अनुशासन और मेहनत का संदेश दिया। खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के धावकों और प्रशिक्षकों से संवाद करने तथा अपने खेल से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा करने का अवसर भी मिला। इस मौके पर भारतीय खेल प्राधिकरण के क्षेत्रीय निदेशक शैलेंद्र कुमार (चंडीगढ़) और जिलाधीश कांगड़ा हेमराज बैरवा भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में एक सौ से अधिक खिलाड़ी, प्रशिक्षु और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। साइकिल रैली के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित व्यायाम करने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इसके अलावा योग और स्किपिंग रोप जैसी गतिविधियों का भी आयोजन किया गया।

खेल संस्कृति को बढ़ावा देने का प्रयास : हेमराज बैरवा

उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में खेलों और फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि फिट रहना केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि देश में मजबूत खेल संस्कृति विकसित करने के लिए भी आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से खेलों को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया, ताकि भारत वैश्विक स्तर पर एक मजबूत खेल राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर सके।

ऊना की 43 महिलाओं को 96 हजार का फ्री राशन वितरित

एजेंसी (हि.स.)
ऊना

हिमोत्कर्ष परिषद द्वारा अमोदिनी महिला सशक्तिकरण सेवा प्रकल्प के तहत बचत भवन ऊना में रविवार को वर्ष 2026-27 के लिए चयनित 43 पात्र (विधवा) महिलाओं को 96750 रुपए का निःशुल्क राशन वितरित किया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि के रुप में राष्ट्रीय संत बाबा बाल जी महाराज ने शिरकत की और अपने कर कमलों से महिलाओं को राशन वितरित किया। उन्होंने राशन वितरण कार्यक्रम में सहयोग के रुप में अपनी तरफ से परिषद को एक लाख रुपए भी प्रदान किए।

उन्होंने कहा कि जरुरतमंद परिवारों की मदद कर हिमोत्कर्ष परिषद सराहनीय कार्य कर रही है। परिषद इसके अलावा भी समाजसेवा के अनेकों कार्य करती है। उन्होंने कहा कि पात्र लोगों की मदद करना सच्ची इंसानियत है। उन्होंने कहा कि समाज को स्वयं आगे बढकर अपने दायित्वों

का निर्वहन करना चाहिए। सरकारों पर सब कुछ छोड़ देना उचित नही है।

उन्होंने कहा कि हिमोत्कर्ष परिषद द्वारा महिला सशक्तिकरण की दिशा में किये जा रहे प्रयास सराहनीय है। इससे पहले हिमोत्कर्ष परिषद के प्रदेशाध्यक्ष जतिंद्र कंवर ने परिषद द्वारा किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समाजसेवा के पुनीत कार्य में सहयोग करने वाले सभी दानी सज्जन बधाई व साधुवाद के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2013 से शुरू इस प्रकल्प के तहत पिछले 13 वर्षों में दानवीर लोगों के सहयोग से 741 पात्र विधवा महिलाओं को 62 लाख रुपए का राशन वितरित किया जा चुका है। नए सत्र 2026-27 के लिए 43 महिलाओं को चुना गया हैं।

शिमला में एचआरटीसी बस चालक के साथ मारपीट

फरार दंपति समेत चार गिरफ्तार, घटना के विरोध में एचआरटीसी कर्मचारियों का चक्का जाम

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

दिल्ली से शिमला आ रही एचआरटीसी की वोल्वो बस के चालक के साथ रविवार सुबह हुई मारपीट की घटना ने पूरे शिमला शहर में तनाव का माहौल पैदा कर दिया। शहर के प्रवेश द्वार कच्चीघाटी में ओवरटेकिंग को लेकर शुरू हुआ विवाद सड़क पर हिंसा तक पहुंच गया।

आरोप है कि स्कॉर्पियो में सवार चार लोगों ने वोल्वो बस को बीच सड़क में रुकवाया, चालक को बस से खींचकर नीचे उतारा और उसके साथ मारपीट की। चालक के कपड़े तक फाड़ दिए गए। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। इसके बाद एचआरटीसी कर्मचारियों में भारी नाराजगी फैल गई।

पुलिस के अनुसार, एचआर नंबर की स्कॉर्पियो में सवार चारों आरोपी पंचकूला (हरियाणा) के रहने वाले हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पंकज कुमार पुत्र शिव कुमार, विकास कुमार पुत्र विलक्षण राम, प्रतिभा पत्नी विक्की कुमार और विक्की कुमार पुत्र शिव कुमार के रूप में हुई है। घटना के तुरंत बाद बालूगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पंकज कुमार व विकास कुमार को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया था। जबकि विक्की कुमार और उसकी पत्नी प्रतिभा स्कॉर्पियो लेकर ठियोग की तरफ फरार हो गए थे। बाद में ठियोग पुलिस ने दोनों को डिटेन कर बालूगंज पुलिस के हवाले कर दिया, जहां उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया गया। इस घटना के विरोध में एचआरटीसी के चालक और परिचालक भड़क गए। कर्मचारियों ने शहर में चक्का जाम कर दिया, जिससे कई रूटों पर बस सेवाएं प्रभावित रहीं और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। एचआरटीसी चालक यूनियन ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि सार्वजनिक परिवहन से जुड़े कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। जब तक फरार आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई, तब तक चालक और परिचालक आंदोलन पर डटे रहे। ठियोग में दोनों आरोपियों के पकड़े जाने और गिरफ्तारी की पुष्टि के बाद कर्मचारियों ने चक्का जाम समाप्त किया।

एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने बताया कि मामले में शामिल चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि घटना को लेकर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक सेवा से जुड़े कर्मचारियों के साथ हिंसक व्यवहार और कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त-समाचार

राजौरी के गमबीर मुगलान जंगल में सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों को घेरा

राजौरी। पीर पंजाल बेल्ट में रविवार को एक बड़ा आतंकवाद विरोधी अभियान तेज हो गया, क्योंकि राजौरी जिले के घने गमबीर मुगलान वन क्षेत्र में छिपे भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी हुई है। भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के इस संयुक्त खुफिया नेतृत्व वाले घेरा और खोज अभियान (सीएएसओ) के लगातार दूसरे दिन यह सफलता मिली है। भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर के अनुसार सुरक्षाबलों ने शनिवार को तलाशी शुरू किया था, जिसके बाद रविवार सुबह लगभग 11:30 बजे आतंकवादियों के साथ संपर्क स्थापित किया गया। अधिकारियों ने संकेत दिया है कि दो से तीन संदिग्ध आतंकवादियों के घने वन क्षेत्र में फंसे होने की आशंका है। भागने की किसी भी कोशिश को रोकने के लिए ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाकों के आसपास सुरक्षा घेरा कड़ा करते हुए भारी सुरक्षाबल को घटनास्थल पर भेजा गया है। राजौरी जिले के पीर पंजाल बेल्ट में स्थित गमबीर मुगलान वन क्षेत्र अपने ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाकों और घने जंगल के लिए जाना जाता है, जिससे सुरक्षा कर्मियों के लिए तलाशी अभियान चुनौतीपूर्ण हो जाता है। सुरक्षाबलों ने आस-पास के इलाकों में सख्त चौकियां स्थापित की हैं। वाहनों और पैदल यात्रियों की ट्रैकिंग बढ़ा दी गई है। स्थानीय निवासी आकिब खान ने कहा कि संदिग्ध आतंकवादियों के बारे में इनपुट के बाद सुरक्षा बलों ने कल से गमबीर मुगलान वन क्षेत्र में मजबूत उपस्थिति बनाए रखी है। पूरे क्षेत्र को कड़ी घेराबंदी में रखा गया है और तलाशी अभियान लगातार जारी है। स्थानीय निवासी सुरक्षा एजेंसियों के साथ सहयोग करने के साथ ही उम्मीद कर रहे हैं कि स्थिति जल्द ही सामान्य हो जाएगी।' एक अन्य निवासी मोहम्मद जावेद ने इलाके की कठिनाइयों को दोहराते हुए कहा कि गमबीर मुगलान वन क्षेत्र में ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाका और घने जंगल हैं, जिससे आवाजाही और खोज अभियान चुनौतीपूर्ण हो गए हैं।

लापता 12 वर्षीय लड़की बडगाम के खेत में मृत पाई गई

बडगाम। शनिवार से लापता एक नाबालिग लड़की रविवार सुबह मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के गलवानपोरा गांव में पास के एक खेत में मृत पाई गई। एक अधिकारी ने कहा कि लड़की शनिवार को लापता हो गई थी जिसके बाद परिवार के सदस्यों और स्थानीय निवासियों को तलाशी अभियान शुरू करना पड़ा। उन्होंने कहा कि शव रविवार को पास के एक खेत से बरामद किया गया जिससे पूरे इलाके में शोक फैल गया। इस बीच पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना का संज्ञान लिया है कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी गई है और आगे की जांच जारी है।

लद्दाख में 800 एकड़ बंजर भूमि की हुई पहचान एलजी के निर्देश पर पायलट प्रोजेक्ट शुरू

लद्दाख। लेह के स्पितुक गांव के पास सदियों से बंजर पड़ी लगभग 800 एकड़ जमीन की पहचान करने के बाद उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के निर्देश पर पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। इस पहल का उद्देश्य हाल ही में बहाल की गई इगूफेई सिंचाई नहर से अतिरिक्त पानी को अस्थायी चैनलों और ट्रैक्टरों और अन्य मशीनरी का उपयोग करके मामूली मिट्टी के काम के हस्तक्षेप के माध्यम से खराब परिदृश्य में मोड़कर उपयोग करना है। अधिकारियों ने कहा कि लद्दाख में वार्षिक वर्षा 100 मिमी से कम होती है और यह काफी हद तक हिमनदों के पिघले पानी पर निर्भर है। शुरूआती वसंत के दौरान तीव्र अपवाह अक्सर मिट्टी के कटाव, अपर्याप्त भूजल पुनर्भरण और मिट्टी की नमी में गिरावट का कारण बनता है, जो शुष्क और अनुत्पादक भूमि के विस्तार में योगदान देता है।

हिमाचल प्रदेश में नए मुख्य सचिव को लेकर चर्चाएं तेज, दौड़ में कई वरिष्ठ आईएएस

शिमला। हिमाचल प्रदेश में अगले मुख्य सचिव को लेकर प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। मौजूदा मुख्य सचिव संजय गुप्ता 31 मई को रिटायर होने जा रहे हैं। ऐसे में राज्य सरकार जल्द ही नए मुख्य सचिव के नाम पर फैसला ले सकती है। 1988 बैच के आईएएस अधिकारी संजय गुप्ता को अक्टूबर 2025 में तत्कालीन मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना की सेवानिवृत्ति के बाद कार्यवाहक मुख्य सचिव बनाया गया था। दिलचस्प बात यह रही कि वरिष्ठ होने के बावजूद उन्हें इससे पहले भाजपा और कांग्रेस, दोनों सरकारों के समय शीर्ष पद नहीं मिल पाया था। भाजपा सरकार के दौरान आरडी धीमान को मुख्य सचिव बनाया गया था, जबकि बाद में कांग्रेस सरकार ने प्रबोध सक्सेना को यह जिम्मेदारी सौंपी थी। अब वरिष्ठता के लिहाज से नए मुख्य सचिव की दौड़ में सबसे आगे 1993 बैच के आईएएस अधिकारी केके पंत का नाम माना जा रहा है। वह इस समय अतिरिक्त मुख्य सचिव के तौर पर वन और गृह विभाग संभाल रहे हैं। उत्तराखंड के पंत फिलहाल हिमाचल कैडर में कार्यरत सबसे वरिष्ठ अधिकारी हैं। उनके पास दिसंबर 2030 तक लंबा कार्यकाल बचा हुआ है, जिसे उनकी बड़ी मजबूती माना जा रहा है। इसके अलावा 1994 बैच की आईएएस अधिकारी अनुराधा ठाकुर का नाम भी चर्चा में है। वह इस समय केंद्र सरकार में वित्त मंत्रालय के तहत आर्थिक मामलों के विभाग में सचिव के पद पर तैनात हैं। हालांकि जानकारी के मुताबिक उनके केंद्र में ही बने रहने की संभावना अधिक मानी जा रही है। 1994 बैच के ही अधिकारी ओंकार शर्मा भी दावेदारों में शामिल हैं। वह इस समय अतिरिक्त मुख्य सचिव (जनजातीय विकास) के पद पर कार्यरत हैं। हिमाचल प्रदेश के चंबा के पांगी क्षेत्र से आने वाले ओंकार शर्मा को प्रशासनिक अनुभव और राजनीतिक स्वीकार्यता के लिहाज से मजबूत उम्मीदवार माना जा रहा है। हालांकि बहुचर्चित चीफ इंजीनियर विमल नेगी मौत प्रकरण की जांच रिपोर्ट तैयार करने के मामले में राज्य सरकार ने उनसे कई महत्वपूर्ण विभाग वापस के लिए थे।

निजी स्कूल से तीसरी कक्षा की छात्रा को ले जाने पहुंचे तीन संदिग्ध, एफआईआर

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

स्कूल की छुट्टी का समय था। बच्चे अपने अभिभावकों के साथ घर लौट रहे थे, तभी अचानक दो पुरुष और एक महिला स्कूल परिसर में पहुंचे और तीसरी कक्षा में पढ़ने वाली एक छात्रा को अपने साथ ले जाने की बात कहने लगे। स्कूल प्रशासन को उनकी गतिविधियां संदिग्ध लगीं तो तुरंत सतर्कता बरती गई और बच्ची को उनके साथ भेजने से इनकार कर दिया गया। बाद में मामले की सूचना पुलिस को दी गई। यह मामला शिमला जिला के ठियोग उपमंडल के फागू स्थित एक निजी स्कूल का है।

पुलिस के अनुसार इस संबंध में ठियोग थाना में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। शिकायत स्कूल की वाइस प्रिंसिपल सुनीता शर्मा ने दर्ज करवाई है। उन्होंने पुलिस को बताया कि 22 मई को दोपहर करीब 2 बजकर 50 मिनट पर स्कूल में छुट्टी का समय था। इसी दौरान दो पुरुष और एक महिला स्कूल परिसर में पहुंचे और छात्रा को अपने साथ ले जाने की बात कही। स्कूल प्रशासन ने जब उनसे पूछताछ की और सत्यापन करने की कोशिश की तो संतोषजनक जानकारी नहीं मिल पाई। इसके बाद स्कूल प्रबंधन ने बच्ची को सुरक्षित अपने पास रखा और किसी भी तरह का जोखिम लेने से बचते हुए तुरंत पुलिस को सूचित किया। घटना के बाद स्कूल परिसर और आसपास के इलाके में

चर्चा का माहौल बना रहा। अभिभावकों में भी बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता देखी गई। स्कूल प्रशासन का कहना है कि बच्चों की सुरक्षा उनकी पहली प्राथमिकता है और बिना पुष्टि के किसी भी बाहरी व्यक्ति को बच्चों के संपर्क में नहीं आने दिया जाएगा। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि बीएनएस की धाराओं 137(2), 62 और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। संदिग्ध लोगों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

लद्दाख के लोगों ने सात वर्षों में वह हासिल किया है जो जम्मू-कश्मीर 70 वर्षों में नहीं कर सकाः पारा

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के विधायक वहीद पारा ने केंद्र द्वारा लद्दाख को संवैधानिक सुरक्षा उपायों की पेशकश के एक दिन बाद रविवार को कहा कि लद्दाख के लोगों ने सात वर्षों में वह हासिल किया है जो जम्मू-कश्मीर 70 वर्षों में नहीं कर सका। पारा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इसमें जम्मू-कश्मीर के लिए एक सबक है। क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को कहा कि केंद्र ने छठी अनुसूची के बजाय अनुच्छेद 371 के तहत संवैधानिक सुरक्षा उपायों और लद्दाख के लिए एक विधायी निकाय की पेशकश की है जबकि इस बात पर जोर दिया गया है कि चर्चा अभी भी चल रही है और कोई अंतिम समझौता नहीं हुआ है। कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने कहा कि सरकार ने अनुच्छेद 371ए और 371जी की तर्ज पर लद्दाख के लिए सुरक्षा उपायों का प्रस्ताव दिया था और जिला परिषदों की शक्तियों को सीमित करने के बजाय पूरे क्षेत्र के लिए एक शासन संरचना पर सैद्धांतिक रूप से सहमति व्यक्त की थी।

शिमला में पर्यटकों की भारी भीड़, पुलिस ने यातायात प्रबंधन के लिए किए व्यापक इंतजाम

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

गर्मियों के पर्यटन सीजन में शिमला पहुंच रहे भारी संख्या में पर्यटकों के कारण शहर में वाहनों का दबाव बढ़ गया है। पिछले तीन दिनों में सोलन-शिमला के बीच 70 हजार से अधिक वाहनों की आवाजाही दर्ज की गई है। पर्यटकों की इस भारी आमद को देखते हुए जिला शिमला पुलिस ने यातायात व्यवस्था संभालने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। ट्रैफिक को सुचारू बनाए रखने के लिए पूरे शिमला शहर को पांच सेक्टरों में बांटा गया है। इन सेक्टरों की निगरानी पांच एनजीओ-1 रैंक के अधिकारियों को सौंपी गई है, जिससे अलग-अलग इलाकों में ट्रैफिक की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा सके और जरूरत पड़ने पर तुरंत फैसले लिए जा सकें।

शहर में बढ़ते ट्रैफिक दबाव के बीच अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया है। इसके साथ ही ट्रैफिक राइडर्स की संख्या बढ़ाई गई है, ताकि

जाम या किसी अन्य स्थिति में तुरंत मौके पर पहुंचकर यातायात को नियंत्रित किया जा सके। पुलिस ने ट्रैफिक वॉलंटियर्स को भी इस अभियान से जोड़ा है और आगे और स्वयंसेवकों को शामिल करने की प्रक्रिया जारी है। शिमला पुलिस ने शहर में ट्रैफिक की निगरानी के लिए इंटरसेप्टर वाहन भी तैनात किया है। यह वाहन शहर के अलग-अलग हिस्सों में लगातार घूमकर यातायात व्यवस्था पर नजर रख रहा है और जरूरत पड़ने पर तत्काल कार्रवाई में मदद कर रहा है। ऊपरी शिमला की ओर जाने वाले पर्यटक वाहनों को शोघी से मेहली बाईपास मार्ग की तरफ डायवर्ट किया जा रहा है।

कांगड़ा मंदिर बाजार में चेन स्नैचिंग मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

पुलिस थाना कांगड़ा के अंतर्गत मंदिर बाजार क्षेत्र में एक बुजुर्ग महिला के गले से अज्ञात मोटरसाइकिल सवारों द्वारा सोने की चेन झपट कर फरार हुए दो आरोपियों को पुलिस ने चार दिनों के बाद गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों में राहुल उम्र 24 साल, हरियाणा के महेंद्रगढ़ और सनी कुमार उम्र 28 साल राजस्थान के जयपुर से है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को कांगड़ा पुलिस थाना लाया है जहां इनके विरुद्ध आगामी कार्रवाई जारी है।

गौरतलब है कि बीते 20 मई को सुबह के समय मोटरसाइकिल सवार इन दोनों आरोपियों ने मंदिर बाजार सड़क किनारे पैदल चल रही एक बुजुर्ग महिला के गले से सोने की चेन झपट कर फरार हो गए थे। उक्त मामले के संबंध में पुलिस थाना कांगड़ा में मामला दर्ज किया गया था। कांगड़ा पुलिस टीम ने तकनीकी जांच एवं गहन पूछताछ के आधार पर पता लगाया कि दोनों आरोपी बाहरी राज्यों से संबंध रखते हैं तथा कबाड़ का कार्य करते हैं। जांच के दौरान यह भी जानकारी मिली कि दोनों आरोपी वर्तमान में हरियाणा के महेंद्रगढ़ क्षेत्र में हैं। आरोपियों के संबंध में पुख्ता सूचना प्राप्त होते ही पुलिस टीम ने त्वरित करवाई करते हुए ल आरोपियों को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्होंने छीनी गई सोने की चेन को हरियाणा जाते समय किरतपुर (पंजाब) स्थित एक आभूषण विक्रेता को बेच दिया था। इसके उपरांत पुलिस टीम ने किरतपुर स्थित एक सुनार की दुकान से छीनी गई सोने की चेन को बरामद किया। साथ ही दुकान मालिक महेश वर्मा को भी मामले में संलिप्त पाए जाने पर मामले में शामिल किया गया है। दोनों आरोपियों को आज न्यायालय में पेश किया गया जहां से उन्हें पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है।

राहत

26 मई से शुरू होगी बस सेवा

दिल्ली से लेह तक फिर दौड़ेगी एचआरटीसी बस

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति में लंबे सर्दियों के मौसम और भारी बर्फबारी के बाद अब दिल्ली से लेह जाने वाले यात्रियों के लिए राहत भरी खबर आई है। हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) 26 मई से दिल्ली-केलांग-लेह बस सेवा फिर से शुरू करने जा रहा है। यह बस सेवा सर्दियों के दौरान बर्फबारी और मार्ग बंद होने के कारण बंद कर दी गई थी।

एचआरटीसी केलांग के क्षेत्रीय प्रबंधक अंशित शर्मा ने बताया कि जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, लाहौल-स्पीति द्वारा केलांग-लेह मार्ग को सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही के लिए खोल दिया गया है। इसके बाद सभी जरूरी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं और अब एचआरटीसी ने बस सेवा दोबारा शुरू करने का फैसला लिया है। यह बस

सेवा राष्ट्रीय राजमार्ग-03 से होकर गुजरेगी और रास्ते में कई प्रमुख पर्यटन स्थलों को जोड़ेगी। यात्रा के दौरान बस जिस्पा, दारचा, जिंगजिंग बार, बारालाचा ला, भरतपुर, सरचू, गाटा लूप्स, नकी ला पास, तंगलंग ला, रुम्तसे और उपशी जैसे इलाकों से होकर लेह पहुंचेगी। हर साल गर्मियों के मौसम में यह रूट देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहता है। एचआरटीसी के मुताबिक दिल्ली से लेह तक की कुल दूरी करीब 990 किलोमीटर है और इस यात्रा का किराया 1839 रुपये तय किया गया है। यात्रियों की सुविधा के लिए ऑनलाइन बुकिंग की व्यवस्था भी एचआरटीसी के पोर्टल पर उपलब्ध करवाई गई है। निर्धारित समय के अनुसार बस दिल्ली से दोपहर 12 बजकर 10 मिनट पर रवाना होगी। इसके बाद बस अंबाला कैंट शाम 3 बजकर 50 मिनट, चंडीगढ़ शाम 6 बजकर 20 मिनट, मंडी रात 10 बजकर 55 मिनट, कुल्लू रात 1 बजकर 30 मिनट और मनाली रात 2 बजकर 30 मिनट पहुंचेगी। अगली सुबह 5 बजकर 30 मिनट पर बस केलांग पहुंचेगी और इसके बाद अगले दिन शाम 7 बजे लेह पहुंचेगी। वापसी यात्रा में बस लेह से सुबह 3 बजकर 30 मिनट पर रवाना होगी और शाम 4 बजकर 30 मिनट पर केलांग पहुंचेगी।

क्षेत्रीय प्रबंधक अंशित शर्मा ने बताया कि एचआरटीसी केलांग ने चंडीगढ़ बस सेवा का संचालन भी फिर से शुरू कर दिया है। यह बस शाम 5 बजकर 30 मिनट पर रवाना होगी। एचआरटीसी प्रबंधन ने पर्यटकों और आम लोगों से अपील की है कि यात्रा पर निकलने से पहले मौसम और मार्ग की स्थिति की जानकारी जरूर लें और निगम द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें, ताकि यात्रा सुरक्षित और सुगम बनी रहे।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
न्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

कश्यप समाज साहसी, वीर, परिश्रमी और स्वाभिमानी: नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कश्यप समाज के लिए खोला घोषणाओं का पिटारा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- इंद्री में महर्षि कश्यप के नाम से चौक का नामकरण करके स्थापित की जाएगी भव्य प्रतिमा

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा की कि कैथल में महर्षि कश्यप के नाम से धर्मशाला बनाने के लिए समाज द्वारा प्रस्ताव देने पर उचित स्थान उपलब्ध करवाया जायेगा और इंद्री में महर्षि कश्यप के नाम से चौक का नामकरण करके वहां पर महर्षि कश्यप की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इसके अलावा, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में महर्षि कश्यप के नाम से चेयर स्थापित करने हेतु उचित फंड उपलब्ध करवाया जाएगा।

नायब सिंह सैनी चंडीगढ़ में संत कबीर कुटीर में महर्षि कश्यप जयंती के अवसर पर आयोजित राज्य-स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महर्षि कश्यप को नमन करते हुए कहा कि महर्षि कश्यप महान परोपकारी और प्रजापालक थे। उन्होंने समाज को एक नई दिशा देने के लिए स्मृति ग्रंथ और कश्यप संहिता जैसे महान ग्रंथों की रचना की। उन्होंने कश्यप समाज के इतिहास को गौरवपूर्ण बताते हुए कहा कि इस समाज ने रामायण काल में निषाद् जैसे बलशाली राजा दिये। राजा निषाद् ने ही वनवास के समय प्रभु रामचंद्र को अपने यहां आश्रय दिया था। भक्त प्रहलाद भी इस समाज की देन हैं। दशमेश पिता गुरु गोबिन्द सिंह के पंच प्यारों में भाई हिम्मत सिंह कश्यप भी इसी समाज से थे। नायब सिंह सैनी ने कश्यप समाज को साहसी, वीर, परिश्रमी और स्वाभिमानी बताया और कहा कि आप लोगों में अपार क्षमताएं हैं। आपको अभी बहुत आगे बढ़ना है। अपनी क्षमताओं का पूरा उपयोग करके आप न केवल अपनी कौम का भला कर सकते हैं बल्कि पूरे समाज के विकास में रचनात्मक भूमिका निभा सकते है। उन्होंने समाज के लोगों से अपने बच्चों को नशा जैसी कुप्रवृति से दूर रखने की अपील की। उन्होंने देश एवं प्रदेश में विपक्ष को मुद्दाविहीन बताते हुए कहा कि वे केवल दुष्प्रचार कर रहे हैं, क्योंकि जनता ने उनको नकार दिया है। इंद्री विधानसभा क्षेत्र से विधायक रामकुमार कश्यप ने इस अवसर पर कहा कि वैसे तो कश्यप समाज महर्षि कश्यप की जयंती कैथल में विशाल समारोह के साथ मनाना चाहता था लेकिन पश्चिमी देशों में हुई जंग से बनी पैट्रोलियम पदार्थों की कमी को ध्यान में रखा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अपील पर गौर करते हुए छोटा कार्यक्रम किया गया है ताकि डीजल और पैट्रोल की बचत की जा सके।

उन्होंने ओबीसी वर्ग के लिए प्रधानमंत्री और हरियाणा के मुख्यमंत्री द्वारा किये गए कल्याणकारी कार्यों का जिक्र करते हुए उनका आभार जताया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के ओएसडी भारत भूषण भारती, कश्यप समाज के प्रधान समे सिंह, महामंत्री वीरभान आर्य, जगदीश कश्यप, प्रदीप माजरी, नीलम कश्यप के अलावा कश्यप समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस बार एक सप्ताह पहले 25 मई से शुरू होगी सूरजमुखी की खरीद : कृषि मंत्री

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- कहा ,किसानों की मांग पर लिया है सरकार ने यह फैसला
- एजेंसियों को मंडियों में इंतजाम पूरे करने के दिए निर्देश

हरियाणा के कृषि और किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि इस बार एक सप्ताह पहले कल 25 मई से सूरजमुखी की खरीद शुरू करने का निर्णय लिया है। इसकी तैयारियों के लिए खरीद एजेंसियों को पुख़्ता प्रबंध करने के निर्देश दे दिए गए हैं। राणा ने बताया कि सूरजमुखी उगाने वाले किसानों को राहत देने के मकसद से हरियाणा सरकार ने रबी मार्केटिंग सीजन 2026-27 के लिए प्राइस सपोर्ट स्कीम (ढरर) के तहत सूरजमुखी की फसल की खरीद एक हफ़्ता पहले शुरू कर दी है। यह खरीद, जो पहले 1 जून से शुरू होने वाली थी, अब पूरे राज्य की मंडियों में 25 मई से शुरू होगी।

उन्होंने बताया कि सूरजमुखी उगाने वाले किसानों की बार-बार यह मांग आ रही थी कि खरीद जल्दी शुरू की जाए, क्योंकि अगले कुछ दिनों में कटाई शुरू होने की संभावना है। किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए खरीद का शेड्यूल एक हफ़्ता पहले कर दिया गया है। उन्होंने आगे बताया कि इस फैसले से कटाई के सबसे व्यस्त समय के दौरान मंडियों में फसल की आवक बिना किसी रुकावट के सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि खरीद एजेंसियों से कहा गया है कि वे खरीद केंद्रों पर उचित बुनियादी ढांचा, फसल उठाने के इंतजाम और भुगतान की सही व्यवस्था सुनिश्चित करें। राज्य सरकार ने खरीद और मार्केटिंग से जुड़ी सभी संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिया है कि मंडियों में खरीद का काम बिना किसी रुकावट के चले, इसके लिए वे तुरंत इंतजाम करें।

जिन एजेंसियों को खरीद में तालमेल बिठाने के निर्देश दिए गए हैं, उनमें खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले विभाग, हरियाणा राज्य कृषि मार्केटिंग बोर्ड , हरियाणा राज्य वेयरहाउसिंग कॉपोरेशन, हैफेड, नाफेड और नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन शामिल हैं।

कृषि और किसान कल्याण मंत्री ने कहा कि हरियाणा देश का एकमात्र ऐसा राज्य है जो केंद्र सरकार द्वारा तय किए गए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सभी 24 फसलों की खरीद करता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार किसानों के हितों की रक्षा करने और समर्थन मूल्य पर फसलों की समय पर खरीद सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

सुपवा के छात्रों ने अपनी प्लानिंग एवं आर्किटेक्चर प्रतिभा से कराया रूबरू

सिटी दर्पण संवाददाता
रोहतक

दादा लखी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) के प्लानिंग एवं आर्किटेक्चर के छात्रों ने पढ़ाई के दौरान सीखी अपनी प्लानिंग एवं आर्किटेक्चर की प्रतिभा से ज्यूरी में पहुंचे एक्सटर्नल एक्सपर्ट्स को रूबरू कराया। छात्रों ने ज्यूरी के दौरान ऐतिहासिक संरचना व जलवायु संवेदी वास्तुकला को ध्यान में रखते हुए शहरी संरचना मॉडल प्रस्तुत किए। जिनसे उनकी शैक्षणिक व रचनात्मक सीख नजर आई और ज्यूरी सदस्यों ने इसकी सराहना भी की।

प्लानिंग एवं आर्किटेक्चर फैकेल्टी के एफसी अजयबाहू जोशी ने बताया कि बैचलर इन आर्किटेक्चर द्वितीय वर्ष के छात्रों ने ग्राफिकल प्रस्तुतियों व वास्तुकला डिजाइन के जरिए गुणवत्ता बढ़ाने पर जोर दिया। ज्यूरी सदस्य प्रमुख वास्तुकार खुर्रम अली ने छात्रों द्वारा प्रयोग वॉटरकलर रेंडरिंग, पेंसिल रंग अनुप्रयोगों और परसिपेक्टिव व्यूज के लिए, डाइनामिक पेन स्केचिंग विधियों की सराहना की। उन्होंने बताया कि बैचलर इन आर्किटेक्चर के चतुर्थ सेमेस्टर के छात्रों की बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन व मेटेरियल्स ज्यूरी लेने आर्किटेक्ट डॉ प्रभजीत सिंह सग्गा पहुंचे। उनके अनुसार इस सेमेस्टर के छात्रों का पूरा ध्यान स्टील को निर्माण सामग्री के रूप में और अधिक बढ़ाने पर रहा। छात्रों ने ट्रस, मेजानाइन फ्लोर, रोलिंग शटर व कोलेप्सिबल डोर डिजाइन आदि का प्रदर्शन किया।

बेटियां अपनी मेहनत के बल पर छू रही हैं नई ऊंचाइयां : गौतम

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि आज की बेटियां हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और अपनी मेहनत, लगन तथा क्षमता के बल पर नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बेटियां केवल शिक्षा, विज्ञान और प्रशासन तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि खेल जगत में भी उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर देश और समाज का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि खेल आज बेटियों के आत्मविश्वास, व्यक्तित्व विकास और नेतृत्व क्षमता को बढ़ाने का एक प्रभावी माध्यम बन चुका है।

खेल राज्य मंत्री रविवार को पलवल में कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने तथा युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से 14 से 18 वर्ष की लड़कियों की मैराथन को हरी झंडी दिखाने उपरांत बोल रहे थे। इस मैराथन में जिले के विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं सहित अन्य लड़कियों, युवाओं और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक और पूरे जोश के साथ भाग लिया। उन्होंने कहा कि खेल व्यक्ति को अनुशासन, टीम भावना और संघर्ष करने की प्रेरणा देते हैं। खेलों के माध्यम से युवाओं में मानसिक और शारीरिक विकास के साथ-साथ सकारात्मक सोच का भी निर्माण होता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं और मोबाइल व अन्य अनावश्यक गतिविधियों से दूरी बनाकर खेल गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लें। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और मजबूत मन के निर्माण में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है तथा युवा पीढ़ी को इसे अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए।

'भारतीय संस्कृति और महान विभूतियों का सम्मान सरकार की प्राथमिकता'

चंडीगढ़। हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने अपने आदर्श नेतृत्व, धर्म, सेवा और जनकल्याण के कार्यों से भारतीय संस्कृति को नई पहचान दी। उनके नाम पर मार्ग का नामकरण भारतीय संस्कृति, नारी शक्ति और गौरवशाली विरासत का सम्मान है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में देश और प्रदेश में महान विभूतियों के सम्मान और सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का कार्य लगातार किया जा रहा है। खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम रविवार को पलवल शहर में किठवाड़ी चौक से मैन बाजार रोड का नाम लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर देवी अहिल्याबाई होल्कर मार्ग किए जाने पर आयोजित धन्यवाद सभा में बोल रहे थे। उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों एवं सम्मानित नागरिकों का आभार भी व्यक्त किया।

संक्षिप्त-समाचार

हनुमान मंदिर 3डी-42 का 49वां वार्षिकोत्सव संपन्न

फरीदाबाद। सिद्धपीठ हनुमान मंदिर 3डी-42 का 49वां वार्षिकोत्सव एवं खाटू श्याम बाबा मूर्ति स्थापना दिवस श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत हवन यज्ञ और हनुमान चालीसा पाठ से हुई। इसके बाद नारायणी महिला मंडल एनआईटी द्वारा भजन-कीर्तन प्रस्तुत किया गया। मंदिर के प्रधान डॉ. राजेश भाटिया ने बताया कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। आरती के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर आनंद कांत भाटिया, सुरेंदर गेरा, मोहन लाल अरोड़ा, पवन माटोलिया, राव चावला, अमित कपूर, भरत कपूर सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

संस्कृति हमारे राष्ट्र की आत्मा : देशराज शर्मा

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान के महामंत्री देशराज शर्मा ने कहा कि संस्कृति राष्ट्र की आत्मा है और संगठन का मूल कार्य वैचारिक अधिष्ठान को मजबूत करना है। वह प्रांत संयोजकों की तीन दिवसीय अखिल भारतीय कार्यगोष्ठी के समापन अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि संस्कृति बोध केवल परीक्षा तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसे वन में उतारना जरूरी है। संस्थान की अध्यक्षा डॉ. ममता सचदेवा ने कहा कि अनेकता में एकता भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने संस्कृति बोध परियोजना को प्रभावी बनाने के लिए सुझाव भी दिए।

स्वस्थ वनशैली के लिए साइकिलिंग जरूरी : प्रो. सोमनाथ सचदेवा

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में फिट इंडिया मूवमेंट और खेलो इंडिया अभियान के तहत 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि साइकिलिंग स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए लाभदायक है। कार्यक्रम में शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली के दौरान फिटनेस और प्रदूषण मुक्त वातावरण को लेकर जागरूकता संदेश भी दिए गए। वहीं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ एनवायरमेंटल स्टडीज में सत्र 2026-27 के लिए बीवो-इएसएस कोर्स में दाखिले शुरू हो गए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 21 जून निर्धारित की गई है। संस्थान के निदेशक प्रो. परमेश कुमार ने बताया कि यह इंडस्ट्री-लिंक्ड डिग्री प्रोग्राम है, जिसमें विद्यार्थियों को इंटर्नशिप, फील्ड ट्रेनिंग और इंडस्ट्री एक्सपोजर दिया जाएगा। विद्यार्थियों को करीब 12 हजार रुपये प्रतिमाह स्टाइपेंड भी मिलेगा।

लंबे समय के लिए बाहर जा रहे हैं तो पुलिस को दें सूचना : एसपी

कुरुक्षेत्र। पुलिस अधीक्षक चंद्र मोहन ने लोगों से अपील की है कि यदि वे लंबे समय के लिए घर से बाहर जा रहे हैं तो इसकी सूचना नजदीकी थाना या चौकी में अवश्य दें। उन्होंने कहा कि सूचना मिलने पर संबंधित क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस गश्त बढ़ाई जाएगी। एसपी ने लोगों से मकान किराए पर देते समय पुलिस सत्यापन कराने और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तुरंत पुलिस को देने की भी अपील की।

दयानंद महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र में को दीक्षांत समारोह और पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

कुरुक्षेत्र। सुरिंदर कुमार आर्य, कुलाधिपति, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, ह रि द्वा र , अध्यक्ष,सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा और चेयरमैन, खइट ग्रुप, ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई और दीक्षांत भाषण दिया। समारोह की अध्यक्षता प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र विद्यालंकार ने की। प्रबंध समिति के विशिष्ट सदस्य, डॉ. दीनानाथ अरोड़ा (उपाध्यक्ष), आर.एस. नैन (कोषाध्यक्ष), डॉ. सूखदेव चौधरी, महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. उपासना आहुजा और कार्यक्रम समन्वयिका डॉ. उर्मिला पंघाल मंच पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक आर्य परंपरा का पालन करते हुए मंत्रोच्चारण के साथ दीप प्रज्वलन की पावन प्रक्रिया के साथ हुआ। इसके बाद शैक्षणिक गौरव और सांस्कृतिक मूल्यों का प्रतीक महाविद्यालय का कुलगीत प्रस्तुत किया गया । सभा का स्वागत करते हुए समारोह के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र विद्यालंकार ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और कहा कि पेशेवर और औद्योगिक क्षेत्रों में असाधारण सफलता प्राप्त करने के बावजूद, श्सुरेंद्र कुमार आर्य, समाज से गहराई से जुड़े हुए हैं और सादगी, विनम्रता और सेवा-आदर्शों का साक्षात रूप हैं। उन्हें एक सच्चा कर्मयोगी बताते हुए कहा कि आर्य ने एक साधारण ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने के बावजूद अपनी लगन और समर्पण के बल पर अपने पारिवारिक व्यवसाय को असाधारण ऊंचाइयों तक पहुंचाया है । साथ ही वे भारत के पूर्वोत्तर जनजातीय क्षेत्रों, देश के दूरदराज के इलाकों तथा झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले वंचित समुदायों के बीच शिक्षा का प्रकाश फैलाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं।

एमडीयू में यू पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन करने की अंतिम 7 जून तक बढ़ी

चंडीगढ़। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू), रोहतक ने विद्यार्थियों को राहत देते हुए शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न यू पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 7 जून कर दी है। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि एनईपी-2020 के तहत संचालित 4 वर्षीय अंडर ग्रेजुएट प्रोग्राम, 5 वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स और 5 वर्षीय एलएलबी प्रोग्राम में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी अब 7 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ये कोर्स विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों, संस्थानों, केंद्रों और एमडीयू-सीपास, गुरुग्राम में संचालित किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि एमडीयू में यूटीडी में चार वर्षीय पाठ्यक्रमों में बीसीए में 160 सीटें, बीए-अंग्रे में 60 सीटें, बैचलर ऑफ फाइन आट्र्स-पेंटिंग में 30 सीटें, बैचलर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉ में 60 सीटें, बैचलर ऑफ टूरिज्म एंड ट्रेवल मैनेजमेंट में 60 सीटें, बीबीए में 120 सीटें, बीबीए हॉस्पिटिलिटी एंड सर्विसेज मैनेजमेंट में 30 सीटें, बीएससी-गणित में 60 सीटें, बीएससी गणित एसएफएस में 60 सीटें, बीएससी-सांख्यिकी में 60 सीटें, बीए-इतिहास में 60 सीटें, बीए-अर्थशास्त्र में 60 सीटें, बीए-लोक प्रशासन में 60 सीटें, बीपीएचएस में 30, बीएससी-जेनेटिक्स में 30 सीटें उपलब्ध हैं।

भाजपा की नीतियों से देश संकट में जनता परेशान : कुमारी सैलजा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, सीडब्ल्यूसी सदस्य, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार की विफल नीतियों के कारण देश कई संकटों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, बिजली, पानी, पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस जैसे मुद्दों पर आम जनता परेशान है, जबकि सरकार केवल प्रचार और इवेंट मैनेजमेंट में व्यस्त है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पहले ही देश को आने वाले संकटों को लेकर आगाह किया था, लेकिन सरकार ने समस्याओं के समाधान के बजाय जनहित के मुद्दों की अनदेखी की। उन्होंने कहा कि नीट पेपर लीक जैसी घटनाएं लाखों युवाओं के भविष्य पर सीधा हमला हैं। राजस्थान के सीकर निवासी छात्र प्रदीप मेघवाल की आत्महत्या की घटना को दुखद बताते हुए उन्होंने कहा कि एक गरीब परिवार का सपना पेपर लीक माफिया ने बर्बाद कर दिया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करती है। सैलजा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार युवाओं को सुरक्षित और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था देने में पूरी तरह विफल रही है तथा शिक्षा व्यवस्था माफियाओं के कब्जे में जाती जा रही है। उन्होंने शिक्षा मंत्री से नैतिक आधार पर इस्तीफे की मांग भी की।

सांसद ने कहा कि चुनाव खत्म होते ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी शुरू हो गई, जिससे किसान, मजदूर, मध्यम वर्ग और छोटे व्यापारी प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि डीजल महंगा होने से खेती, परिवहन और रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर सीधा असर पड़ रहा है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा सहित कई राज्यों में बिजली और जल संकट गंभीर होता जा रहा है। गांवों और शहरों में लोग बिजली कटौती और पेयजल की कमी से परेशान हैं, जबकि सरकार के पास कोई ठोस योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि रसोई गैस की बढ़ती कीमतों ने गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों का बजट बिगाड़ दिया है।

गांवों में पेयजल सुविधाएं मजबूत करने के लिए पाइपलाइन परियोजनाओं का शिलान्यास

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गांवों में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए लगातार विकास कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। सुभाष सुधा ने गांव बाहरी में 83.34 लाख रुपये की लागत से 4744 मीटर नई पाइपलाइन बिछाने के कार्य का शिलान्यास किया। गांव जोगना खेड़ा में 90.15 लाख रुपये की लागत से 3507 मीटर डीआई पाइपलाइन बिछाई जाएगी। इस योजना के तहत करीब 210 नए कनेक्शन भी दिए जाएंगे। वहीं, गांव कुंवार खेड़ी में 36.79 लाख रुपये की लागत से 1461 मीटर नई पाइपलाइन बिछाने का कार्य शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के पूरा होने से ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल की बेहतर सुविधा मिलेगी और पानी की समस्या का स्थायी समाधान होगा। इस दौरान ग्रामीणों से विकास कार्यों में सहयोग की अपील भी की गई। इस मौके पर धर्मपाल सैनी, रमेश सैनी, मोनू शर्मा, नरेंद्र पंचाल, सुमित सैनी, संजीव कुमार, अमरजीत, राजीव, अशोक, मान सिंह, करम सिंह, रवि और कर्मचंद सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सुनीं समस्याएं

रोडवेज कर्मचारियों के बीच पहुंचे परिवहन मंत्री अनिल विज

चिट्ठी भेज देते, तब भी करता कार्रवाई: अनिल विज

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज शनिवार को उस समय रोडवेज कर्मचारियों के बीच पहुंच गए, जब हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन के सैकड़ों सदस्य अपनी मांगों को लेकर अंबाला छावनी स्थित उनकी कॉलोनी के बाहर एकत्र हुए। मंत्री ने कर्मचारियों की समस्याएं सुनीं और उनका ज्ञापन भी स्वीकार किया।

अनिल विज ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि यदि कर्मचारी उन्हें चिट्ठी भी भेज देते, तब भी वह उनकी मांगों पर कार्रवाई करते। उन्होंने कहा कि यूनियन पदाधिकारियों की बात सुन ली गई है और मामले को गंभीरता से लिया जाएगा।

परिवहन मंत्री ने बताया कि इस संबंध में चंडीगढ़ में विभागीय अधिकारियों से बातचीत की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि आगामी नौ जून को वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों और यूनियन पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें कर्मचारियों की मांगों के प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

इस दौरान अनिल विज ने यूनियन प्रतिनिधियों से ज्ञापन भी प्राप्त किया।

पहले भी कर्मचारियों के बीच पहुंचे थे विज गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ऑल हरियाणा पावर कॉरपोरेशन वर्कर यूनियन के हजारों सदस्य भी अपनी मांगों को लेकर अंबाला छावनी पहुंचे थे। उस समय भी मंत्री अनिल विज स्वयं प्रदर्शन स्थल पर पहुंचकर कर्मचारियों से मिले थे और उनका ज्ञापन लिया था।

पूर्व छात्र मिलन समारोह में ऊर्जा मंत्री ने साझा किए कॉलेज के दिन

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा अनिल विज ने सनातन धर्म कॉलेज, अंबाला छावनी में पूर्व छात्र मिलन समारोह 2026 में शिरकत की और पुरानी यादों को ताजा किया। इस अवसर पर अनिल विज ने कार्यक्रम के आयोजन कमेटी को अपने स्वैच्छिक कोष से दस लाख की राशि प्रदान की। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि कालेज में बिताए वो दिन, जो शिक्षा प्राप्त की होती है, जो दोस्त होते हैं, जो शिक्षक होते है, यह जो कालेज है वह सपनों का बाजार है, यहां पर जब कोई बच्चा अपना दाखिला कराने के लिए आता है तो उसके मन में कई तरह के विचार होते हैं। कोई डाक्टर, कोई इंनियर, कोई अच्छा शिक्षक बनना चाहता है। यहां पर जब बच्चा आता है तो गुरूजनों के सहयोग से कुछ लोग जो सोचकर आए होते वह बन जाते हैं और कुछ लोग नहीं बन पाते। उन्होंने अपनी पढाई के समय से लेकर राजनीती में आने के सफर को विस्तार से याद किया और अपने अनुभव साझा किये।

दिल्ली रेलमार्ग के पार वाले सभी इलाकों मच्छौंडा सब डिवीजन से जुड़ेंगे: विज

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि बिजली उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए वह कृत संकल्प है और इसी क्रम में अम्बाला छावनी में बेहतर व्यवस्था के लिए मच्छौंडा में नए मच्छौंडा सब डिवीजन की मंजूरी प्रदान कर दी गई है। विज ने कहा कि मच्छौंडा सब डिवीजन का कार्यालय जल्द खोला जाएगा और अम्बाला-दिल्ली रेलमार्ग से मच्छौंडा की तरफ के सभी क्षेत्र नए सब-डिवीजन के अधीन होंगे। नए सब डिवीजन को खोलने के लिए औपचारिकताएं पूरी कर ली गई है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि नए सब डिवीजन के बनने से दिल्ली रेलवे लाइन के दूसरी तरफ मच्छौंडा, चंद्रपुरी, सुंदरनगर, शाहपुर, शिवाला मंडी, साईं का बाग, गुलाब मंडी, दुधला मंडी, हिम्मतपुरा, पीएनटी कालोनी, गांव बाड़ा अन्य गांव एवं क्षेत्रों के हजारों उपभोक्ताओं को फायदा मिलेगा। नए मच्छौंडा सब डिवीजन स्टाफ की तैनाती होगी और इन क्षेत्रों की जनता को कई किलोमीटर दूर अम्बाला कैंट नंबर एक सब डिवीजन तक नहीं आना पड़ेगा। गौरतलब है मच्छौंडा सब डिवीजन में शामिल क्षेत्र अब तक 12 क्रास रोड स्थित सब डिवीजन नंबर एक से जुड़े हुए हैं। किसी समस्या के लिए इन क्षेत्रों के लोगों को टी रोड क्रास कर 12 क्रास रोड तक आना पड़ता था जोकि काफी दूर है।

संपादकीय

भारत-अमेरिका संबंध: नई उम्मीदों का सवेरा

अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में कभी-कभी ऐसे क्षण आते हैं जब शब्दों से अधिक उपस्थिति बोलती है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो की भारत यात्रा ऐसा ही एक क्षण है। ऐसे समय में जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक तनाव, वीजा विवाद और भू-राजनीतिक मतभेद दोनों देशों के संबंधों पर भारी पड़ रहे थे, रूबियो का नई दिल्ली आना और यह कहना कि भारत-अमेरिका संबंधों ने अपनी गति नहीं खोई है तथा व्यापार समझौता 'बहुत जल्द' हो सकता है – यह कूटनीतिक दृष्टि से एक महत्त्वपूर्ण संकेत है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और रूबियो के बीच हैदराबाद हाउस में हुई बातचीत व्यापक रही। दोनों पक्षों ने मध्य पूर्व की स्थिति, होर्मुज जलसंधि पर बढ़ते तनाव, व्यापार वार्ता, वीजा से जुड़ी चुनौतियाँ, समुद्री सुरक्षा और ऊर्जा आपूर्ति जैसे अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। यह बातचीत इस बात की पुष्टि करती है कि दोनों देश अपने संबंधों को महज रक्षा और कूटनीति के दायरे से निकालकर व्यापार, निवेश, ऊर्जा सुरक्षा और तकनीकी सहयोग की नई जमीन पर खड़ा करने के इच्छुक हैं। यह यात्रा तब हो रही है जब दोनों देशों के बीच संबंध कई मोर्चों पर तनावपूर्ण रहे हैं। अमेरिका ने भारतीय वस्तुओं पर भारी शुल्क लगाए, जिनमें रूसी कच्चे तेल की खरीद पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल था। भारत ने इस कदम को 'अनुचित, अन्यायसंगत और तर्कहीन' करार दिया। इसके अलावा अमेरिकी वीजा नीतियों से भारतीय पेशेवरों और छात्रों पर पड़ने वाले असर ने भी दोनों देशों के बीच कटुता को बढ़ाया। इंडो-पैसिफिक में अमेरिका की पाकिस्तान और चीन के प्रति बदलती नीति को लेकर भी भारत में चिंताएँ रही हैं। इन सब परिस्थितियों के बावजूद दोनों देशों ने संवाद की डोर को थामे रखा। यही इस रिश्ते की परिपक्वता का प्रमाण है। व्यापार वार्ता के पाँच दौर पहले ही पूरे हो चुके हैं और पहले चरण के द्विपक्षीय व्यापार समझौते की रूपरेखा लगभग तैयार बताई जा रही है। रूबियो ने भारत को अमेरिका का 'महत्त्वपूर्ण रणनीतिक भागीदार' बताया और कहा कि दोनों देश आतंकवाद-रोध और ऊर्जा के मुद्दों पर पूरी तरह एकमत हैं। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि भारत वैश्विक प्रभाव रखने वाले देशों में से एक है। यह शब्द कूटनीतिक शब्दावली में साधारण सौजन्य नहीं, बल्कि एक गहरी स्वीकृति हैं – इस बात की कि अमेरिका भारत को बहुध्रुवीय विश्व में एक अपरिहार्य शक्ति मानता है। क्वाड ढाँचे – जिसमें भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं – के प्रति अमेरिका की प्रतिबद्धता को रूबियो ने एक बार फिर रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में दीर्घकालिक रणनीतिक लक्ष्यों पर 'पूरी तरह संरेखित' हैं। यह बयान उन भारतीय चिंताओं को कुछ हद तक शांत करता है जो इस क्षेत्र में अमेरिका की प्राथमिकताओं में आते बदलाव को लेकर उठ रही थीं। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौता महज आर्थिक नहीं, बल्कि रणनीतिक भी है। दोनों देशों की कुल व्यापारिक हिस्सेदारी पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। ऐसे में एक ठोस और संतुलित व्यापार समझौता दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को नई ऊँचाई दे सकता है। भारत की ओर से इस समझौते में कृषि, फार्मास्यूटिकल, सूचना प्रौद्योगिकी और वस्त्र क्षेत्र में बेहतर बाजार पहुँच की अपेक्षा रही है। अमेरिका की नजरें भारत के विशाल उपभोक्ता बाजार, महत्त्वपूर्ण खनिजों तक पहुँच और आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण पर हैं – विशेष रूप से चीन पर निर्भरता घटाने के संदर्भ में। 20 अरब डॉलर के निवेश की चर्चाएँ इस यात्रा के दौरान उठी हैं, जो दर्शाती हैं कि यह रिश्ता अब केवल राजनीतिक बयानबाजी से आगे बढ़कर व्यावहारिक सहयोग की धरातल पर आ रहा है। वैश्विक ऊर्जा बाजार में उठापटक के बीच भारत की ऊर्जा नीति एक महत्त्वपूर्ण मुद्दा बनी हुई है। अमेरिका चाहता है कि भारत रूसी ऊर्जा पर अपनी निर्भरता घटाए। लेकिन भारत की दृष्टि व्यावहारिक है – ऊर्जा सुरक्षा के लिए विविध स्रोतों पर निर्भरता उसकी नीति का आधार रही है। रूबियो की यात्रा के दौरान इस मुद्दे पर भी बातचीत हुई और दोनों पक्षों ने परस्पर समझ विकसित करने की कोशिश की। यह संकेत है कि अमेरिका भारत पर दबाव डालने की बजाय बातचीत के रास्ते से आगे बढ़ने का इच्छुक है। भारतीय पेशेवरों और छात्रों के लिए अमेरिकी वीजा प्रक्रिया की जटिलताएँ दोनों देशों के जन-स्तरीय संबंधों को प्रभावित करती हैं। लाखों भारतीय अमेरिका में काम करते हैं, व्यवसाय चलाते हैं और वैज्ञानिक-तकनीकी क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं। जयशंकर ने इस मुद्दे को उठाया और रूबियो ने इस पर सकारात्मक रुख दर्शाया। एक स्वस्थ द्विपक्षीय संबंध के लिए यह जरूरी है कि लोगों के बीच का आवागमन सुगम हो। भारत और अमेरिका के संबंध केवल इन दोनों देशों तक सीमित नहीं हैं – इनका असर समूचे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र, हिंद महासागर की सुरक्षा और वैश्विक शक्ति संतुलन पर पड़ता है। चीन की बढ़ती महत्त्वाकांक्षाओं, हिंद महासागर में उसकी बढ़ती उपस्थिति और पाकिस्तान के साथ उसके गहरे होते रिश्तों के संदर्भ में भारत और अमेरिका के बीच मजबूत सहयोग न केवल दोनों देशों के हित में है, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता के लिए भी आवश्यक है। रूबियो ने मध्य पूर्व की स्थिति पर भी बातचीत की और होर्मुज जलसंधि को लेकर पिछले 48 घंटों में हुई प्रगति का उल्लेख किया। यह इस बात का प्रमाण है कि भारत को वाशिंगटन एक गंभीर वैश्विक भागीदार के रूप में देखता है, जिसे संवेदनशील अंतरराष्ट्रीय मामलों में विश्वास में लिया जाता है। रूबियो की यात्रा एक सकारात्मक मोड़ है, लेकिन दोनों देशों के बीच की कठिनाइयाँ अभी पूरी तरह हल नहीं हुई हैं। टैरिफ विवाद, ऊर्जा नीति पर मतभेद और वीजा की समस्याएँ अभी भी बनी हुई हैं। व्यापार समझौते को लेकर आशावाद स्वागतयोग्य है, लेकिन वार्ता की जटिलताएँ यह याद दिलाती हैं कि कूटनीतिक घोषणाओं और जमीनी नतीजों के बीच का फासला कम करना आसान नहीं होता। फिर भी, यह यात्रा एक महत्त्वपूर्ण संकेत देती है – कि भारत और अमेरिका दोनों इस रिश्ते को बचाने और आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दोनों लोकतंत्र हैं, दोनों के साझा मूल्य हैं और दोनों के सामने समान चुनौतियाँ हैं। इस आधार पर बना रिश्ता अस्थायी मतभेदों से टूटता नहीं – बस, उसे नियमित पोषण चाहिए। रूबियो का यह कहना कि संबंधों ने 'गति नहीं खोई है' केवल आश्वासन नहीं, बल्कि एक राजनीतिक इच्छाशक्ति की अभिव्यक्ति है। अब देखना यह है कि यह इच्छाशक्ति व्यापार समझौते की मेज पर, निवेश की धरातल पर और दोनों देशों के नागरिकों के जीवन में कितनी जल्दी साकार रूप लेती है।

मीडिया : हमको आईना दिखाना है, दिखा देते हैं

तनवीर जाफरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों संयुक्त अरब अमीरात,नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली देशों का दौरा किया। इस दौरान नॉर्वे की एक घटना ने एक बार फिर मीडिया उसके कर्तव्य व दायित्व को लेकर बहस छेड़ दी। दरअसल ओस्लो में जब मोदी, नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर के साथ जैसे ही मंच से जाने लगे उसी समय एक युवा महिला पत्रकार हेला लिंग ने मोदी को संबोधित करते हुये कुछ सवाल पूछे। हेला लिंग ने पूछा 'प्रधानमंत्री मोदी, आप दुनिया की सबसे स्वतंत्र प्रेस से सवाल क्यों नहीं लेते ? मोदी पत्रकार के सवाल का जवाब दिए बिना ही वहां से चले गए। इस घटना के फौरन बाद भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा उसी जगह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई गई जिसमें पत्रकार हेला लिंग को भी बुलाया गया। वहाँ भी हेला लिंग ने भारत के मानवाधिकार रिकॉर्ड और प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर कई तीखे सवाल पूछे, जिस पर भारतीय अधिकारियों ने भारत के लोकतांत्रिक ढांचे और विकास का हवाला देते हुए अपना पक्ष रखने का प्रयास किया।

परन्तु नॉर्वे की इस घटना पर भारतीय 'गोदी मीडिया' ने युवा साहसी महिला पत्रकार हेला लिंग को ही कटघरे में खड़ा कर दिया और उन्हें मीडिया के कर्तव्य व दायित्व बोध का पाठ पढ़ने लगा। 'गोदी मीडिया' ने महिला पत्रकार के इस तरीके को सस्ती लोकप्रियता हासिल करने की रणनीतिः करार दिया। वही भारत के ही स्वतंत्र, डिजिटल,वैकल्पिक,निष्पक्ष व सोशल मीडिया ने पत्रकार हेला की जमकर तारीफ की। इस वर्ग ने हेला लिंग के साहस की सराहना की और इसे 'सच्ची पत्रकारिता' का उदाहरण बताया तथा इस पूरी घटना को वैश्विक स्तर पर प्रेस की आजादी और लोकतंत्र में जवाबदेही से जोड़कर देखा। कुछ स्वतंत्र विचारकों और कई सोशल मीडिया पोर्टल्स ने तो इस अवसर का प्रयोग उन 'गोदी पत्रकारों' पर तंज कसने के लिए किया जो सत्ता से सवाल पूछने के बजाये सत्ता की खुशामद में लगे रहते हैं। यही वजह है कि जो सवाल भारत के शीर्ष मुख्यधारा के पत्रकारों को पूछने चाहिए थे वही सवाल एक विदेशी पत्रकार को पूछने पड़ रहे हैं।

दरअसल 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने अब तक एक भी नियमित संवाददाता सम्मेलन आयोजित नहीं किया है। अपने एक इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं बताया था कि वे पुरानी परिपाटी जहाँ नेता मीडिया के माध्यम से अपनी बात प्रसारित करते थे, के बजाय सीधे जनता के बीच जाकर काम करने और नई कार्य संस्कृति स्थापित करने पर विश्वास रखते हैं। मन की बात,सार्वजनिक रैलियां,चुनावी सभाएं, सम्पादकीय पृष्ठ के अपने आलेख,किसी कार्यक्रम स्थल पर आयोजित जन सभा आदि के माध्यम से जनता से इकतरफा संवाद करना प्रधानमंत्री का पसंदीदा तरीका है। जबकि भारत के लगभग सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों की यह नियमित परंपरा रही थी कि वे विदेश दौरों से लौटने,विमान में या देश में समय-समय पर खुली प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित किया करते थे।

सच तो यह है कि मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री रहते मीडिया से जुड़े उनके कुछ ऐसे 'कटु अनुभव' रहे हैं जिसके चलते वे अब पुनः 'साहसी ' पत्रकारों से रूबरू होकर पुनः अपनी वैसी फजीहत नहीं कराना चाहते। याद कीजिये अक्टूबर 2007 में जब नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे,उस समय वरिष्ठ पत्रकार करण थापर ने सी एन एन-आई बी एन के प्रसिद्ध शो 'डेविल्स एडवोकेट' के लिए अहमदाबाद में मोदी का इंटरव्यू लिया था। करण थापर ने मोदी से अपने पहले सवाल में ही 2002 के गुजरात दंगों को लेकर पूछा कि 'दंगों के पांच साल बाद भी उनकी छवि एक 'क्रूर शासक' की बनी हुई है, इसे सुधारने के लिए उन्होंने क्या किया' ? जब मोदी ने कहा कि जनता उन्हें अच्छे से जानती है, तो थापर ने अगला सवाल किया कि 'आप यह क्यों नहीं कह देते कि आपको दंगों में मारे गए लोगों का दुख या पछतावा है ? क्या सरकार को मुसलमानों की सुरक्षा के लिए और कदम नहीं उठाने चाहिए थे ?' इस सवाल पर मोदी पूरी तरह असहज हो गए। उन्होंने कहा कि जो मुझे कहना था, मैं उस समय कह चुका हूँ। परन्तु जब थापर ने बार-बार उसी सवाल को दोहराया, तो मोदी ने इंटरव्यू आगे बढ़ाने से मना कर दिया। 3- 4 मिनट के भीतर ही मोदी ने पानी पीने का बहाना कर अपने कुर्ते पर लगा माइक निकाला और उसे टेबल पर रख दिया। फिर उन्होंने बहुत ही शालीनता से थापर से कहा–'दोस्ती बनी रहे। आप यहाँ आए, इसके लिए धन्यवाद।' इसके बाद वे कैमरे के सामने से उठकर चले गए।

ऐसी ही दूसरी घटना वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान की है। उस समय वरिष्ठ पत्रकार विजय त्रिवेदी एन डी टी वी के लिए 'चक्रव्यूह' नामक एक शो करते थे। उन्होंने मोदी का इंटरव्यू चुनावी रैली पर जाते समय हेलीकॉप्टर यात्रा के दौरान लिया। त्रिवेदी ने भी मोदी से पूछा कि क्या गुजरात दंगों के लिए भाजपा या उन्हें (मोदी को) माफी मांगनी चाहिए ? मोदी ने इस पर कहा कि वे इस विषय पर कई इंटरव्यू में पहले ही बोल चुके हैं। लेकिन जब त्रिवेदी ने लगातार इस सवाल पर दबाव बनाया, तो मोदी का मूड बदल गया। बाद मोदी ने गुस्से में आकर सवालों के जवाब देना पूरी तरह बंद कर दिया और चुप हो गए। मोदी ने अपना ही हाथ आगे बढ़ाकर कैमरे के लेंस को बंद करवा दिया। इसके बाद का पूरा सफर दोनों ने बिना एक-दूसरे से बात किए और खिड़की से बाहर देखते हुए बिताया। हेलीकॉप्टर के उतरते ही मोदी ने विजय त्रिवेदी से कहा– 'विजय भाई, यह हमारी आखिरी मुलाकात है।'

इसके बाद मोदी अपनी जनसभा को संबोधित करने चले गए। जबकि विजय त्रिवेदी और उनकी टीम को हेलीकॉप्टर से नीचे उतार दिया गया। बाद में त्रिवेदी को संदेश मिला कि मोदी हेलीकॉप्टर लेकर वापस जा चुके हैं। त्रिवेदी और उनकी टीम को वापस लौटने के लिए वहाँ कोई गाड़ी नहीं मिली, जिसके बाद उन्हें एक ट्रैक्टर और फिर लोकल बस के द्वारा करीब 8 घंटे की यात्रा कर अपने गंतव्य तक वापस लौटना पड़ा था। यह घटनायें इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिये काफी हैं कि मोदी स्वतंत्र व निष्पक्ष मीडिया से संवाद क्यों नहीं करते। वे वास्तविक व निष्पक्ष पत्रकारों के इस सिद्धांत को बखूबी जानते हैं कि 'न स्याही के हैं दुश्मन न सफेदी के हैं दोस्त। हमको आईना दिखाना है दिखा देते हैं।

वृद्धों के दिशा-दर्शन में ही युवकों की गति उपयोगी

हृदयनारायण दीक्षित (हि.स)

'जीवन की साँझ' भी आती है। संध्या आती है प्रतिदिन। सभी प्राणी घर लौटते हैं। सूर्य अस्त होते हैं। इसी तरह 'वृद्धावस्था' जीवन की साँझ है। यह अचानक नहीं आती। धीरे-धीरे 'जीवन-ऊर्जा' घटती है। शरीर क्षीण होता है। मन और शरीर का संगीत टूटता है। मन कहता है-नाचें। गतिशील रहें। चरेवैति-चरेवैति। चलते रहें। 'गति' ऋषि-आ'न है। मन करता है कि इसी के अनुसार चलते रहें लेकिन शरीर शिथिल और लाचार होता है। तब झिलमिल तारों की आकाशगंगा के दर्शन 'आनन्द' नहीं देते। नदियाँ प्रवाहमान हैं, गतिशील हैं। उनके 'नाद' आनन्दित करते हैं। धीरे-धीरे नाद की ध्वनि मद्धिम होती है। श्रवण-शक्ति कम होती है। स्मृति भी क्षीण होती है इसलिए सभी वृद्ध तरुणाई की स्मृतियों में रस लेते हैं। वर्तमान 'भूत' होता है प्रतिपल। 'भूत-अनुभूत' है सबके भीतर। जरामरण सारभूत हैं। यह जीवन का ध्रुव और अटल सत्य है।

महाभारत के यक्ष प्रश्न और युधिष्ठिर के उत्तर सामने हैं। 'मृत्यु' सत्य है लेकिन लोग इस सत्य को स्वीकार नहीं करते। 'वृद्ध' होना भी जीवन का पीड़ादायी सत्य है। शरीर भी फल की तरह पकता है। पहले खट्टा होता है फल। फिर धीरे-धीरे रसवान होता है। मधुवान होता है। गन्धवान होता है। 'पक्षी' फलवान-मधुवान वृक्षों पर गीत गाते हैं। पूरा पका फल एक दिन टहनी-डंठल से अलग हो जाता है। ऋग्वेद के ऋषि-कवि ने त्रयम्बकदेव से स्तुति की है, 'हम त्रयम्बक रुद्र का ध्यान करते हैं। वे पोषणदाता हैं। वे पककर अलग हो जाने वाले ककड़ी-खीरा की तरह हमको मृत्यु बन्धन से अलग करें। मुक्त करें।'

वृद्धावस्था स्वाभाविक है लेकिन हिन्दू-परम्परा के अनुसार 'देवता' वृद्ध नहीं होते। देवताओं पर समय का प्रभाव नहीं पड़ता। ऋग्वेद (6.24.7) में कहते हैं, 'संवत्सर 'इन्द्र' को क्षीण नहीं कर सकते। मास भी इन्द्र को क्षीण नहीं कर सकते और दिन भी।' कालचक्र भी क्षीण-जीर्ण नहीं होता। यह अजर-अमर है। ऋग्वेद (1.16.4.11) में कहते हैं, 'सूर्य का बारह अरों वाला चक्र द्युलोक के चारों ओर घूमता है और कभी जीर्ण नहीं होता।' वृद्धावस्था दुःख देती है। इसकी कठिनाइयों से वैदिक ऋषि सजग थे। विवाह के समय 'वर' वधू से कहता है, 'तू मुझ पति के साथ वृद्धावस्था-पर्यंत साथ रहना।' (10.85.36) वृद्धावस्था कष्टदायी है। शरीर जीर्ण होता है। इन्द्र से स्तुति है, 'विद्वानों को धन दीजिए। वे वृद्धावस्था तक ऐश्वर्यशाली रहें।' सुखद जीवन और सुखद वृद्धावस्था की इच्छा वेदों में प्रकट हुई है। ऋग्वेद में स्तुति है, 'हम दीर्घजीवी रहें। कल्याणमय सुखद जीवन प्राप्त करें। वृद्धत्व सुखमय हो।' (10.37.6) वेदों में 100 शरद की जीवन-अभिलाषा है। इस अभिलाषा में स्वस्थ शरीर की इच्छा भी है। आँख, कान सहित सभी अंगों के पुष्ट रहने की भी स्तुति है। केनोपनिषद के शान्तिपाठ में कहते हैं, 'आप्यायन्तु माँगानि वाक, प्राण, चक्षु (आँखें) श्रोत्रम्। बलम् इन्द्रियाणि च सर्वाणि मेरे सभी अंग वाणी, प्राण, आँखें, कान, बल-परिपुष्ट हों।'

जीवन का अवसान सत्य है। वृद्धावस्था जीवन-अवसान की तैयारी है। वृद्ध होना शरीर का स्वभाव है। 'स्वभाव' प्राकृतिक है। शरीर निःस्सन्देह कमजोर होता है लेकिन वृद्धावस्था का अपना सौन्दर्य है। यह नई भूमिका की प्रतीक्षा है। 'मृत्यु' जीवन का अन्त है। अन्तिम सत्य है। इसके पहले वृद्धावस्था है। जीवन-ऊर्जा का अवसान है। प्रश्न अनेक हैं। क्या मृत्यु दुःख देती है या नहीं देती? यह प्रश्न अनुत्तरित है। मृत्यु का अनुभव अज्ञात है लेकिन वृद्धावस्था के कष्ट सर्वविदित हैं। हिन्दू दार्शनिकों ने 'जरा' (वृद्धावस्था) और 'मृत्यु' को दुःखदायी बताया है। बुद्ध की कथा में भी वृद्ध-दर्शन की अनुभूति है। ऋग्वेद में 100 शरद् जीवन की स्तुति है। दीर्घ जीवन पर्याप्त नहीं है। दीर्घ जीवन के साथ स्वस्थ शरीर भी जरूरी है इसलिए इस स्तुति में 'पश्येम शरदः शतं'-100 वर्ष देखने की भी इच्छा है। दीनहीन न होने की भी स्तुति है। वृद्धावस्था में दृष्टि सहित अधिकांश इन्द्रियाँ काम नहीं करतीं।

बुढ़ापे के कष्टों की ओर वैदिक समाज का ध्यान गहरा है। जीवन अमूल्य है। वृद्ध हमारे समाज का अनुभव-समृद्ध भाग हैं। उनके जीवन को कष्टरहित बनाना समाज का कर्तव्य है। हिन्दू-चिन्तन में वृद्धों की सेवा उनके पुत्रों-पौत्रों का प्रथम वरीयता वाला दायित्व है। यह राष्ट्र-राज्य का भी कर्तव्य है। राष्ट्र-राज्य सतर्क है। इस पर कानून भी है लेकिन आधुनिक समाज इस समस्या पर सजग नहीं है। वृद्ध संरक्षक-अभिभावक 'जीवन की साँझ' में दुःखी हैं।

आयुर्वेद के महत्वपूर्ण ग्रन्थ 'शारंगधर संहिता' में मनुष्य-शरीर के भाव-क्षरण का सुन्दर उल्लेख है। लिखा है कि 'प्रत्येक 10 वर्ष बाद भाव-ह्रास के लाक्षणिक परिवर्तन आते हैं। जीवन के पहले 10 वर्ष में मनमौजी बाल्यावस्था का ह्रास होता है, फिर अगले 10 वर्ष में वृद्धि का ह्रास होता है। शरीर की वृद्धि रुक जाती है। शारीरिक विकास स्थगित हो जाता है, फिर अगले 10 वर्ष में कान्ति या चेहरे की दीप्ति का ह्रास। आगे के 10 वर्ष में धारणा का ह्रास होता है। 5वें दशक में सौन्दर्य का ह्रास और छठे में दृष्टि का ह्रास बताया गया है। 7वें दशक में ऊर्जाबल का ह्रास, फिर पराक्रम और बुद्धि का ह्रास होता है।'

आधुनिक चिकित्सा-विज्ञान ने इस ह्रास को घटाया है लेकिन प्रकृति के नियम अपना काम करते ही हैं। वृद्ध होना सबकी नियति है। 'बुढ़ापा' अभिशाप नहीं है। बीमारियों की बात अलग है। वैसे वृद्धों के पास संसार के जीवन्त अनुभवों का कोष होता है। वे आदरणीय हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाले चिन्तन और निष्कर्ष निःस्सन्देह भौतिक रूप में सही होते हैं लेकिन माता-पिता व वरिष्ठों से आत्मीयता की व्याख्या वैज्ञानिक दृष्टिकोण से ही सम्भव नहीं है। वरिष्ठों से हमारे रिश्ते अव्याख्येय हैं। वैदिककाल में इन रिश्तों की अद्वितीय स्थापना है। ऋग्वेद के रचना काल से लेकर रामायण-महाभारत होते हुए आधुनिक काल तक इन रिश्तों की प्रीति-ऊष्मा एक जैसी है। इनका समाज-विज्ञान अनूठा है। वैदिक संस्कृति में माता-पिता 'देवता' हैं। दुनिया के किसी भी देश की संस्कृति व सभ्यता में अदृश्य ईश्वर या मान्य देवों से 'माता' या 'पिता' बड़े नहीं हैं लेकिन भारत में माता-पिता सुस्थापित देवों से भी बड़े हैं। आधुनिक समाज में वरिष्ठों के प्रति श्रद्धा का अभाव है।

हिन्दू परम्परा में 'माता-पिता' व 'आचार्य' देवता हैं। तैत्तिरीय उपनिषद् में कहते हैं- मातृ देवो भव, पितृ देवो भव। इस परम्परा का आदिस्रोत 'हिन्दुत्व' है। ऋग्वेद के एक मन्त्र में सभी वरिष्ठों को नमस्कार किया गया है- 'इदं नमः ऋषिभ्यः पूर्वजेभ्यः पूर्वेभ्यः पथिकृदभ्यः- ऋषियों को नमस्कार है, पूर्वजों को नमस्कार है, वरिष्ठों व मार्गदर्शकों को नमस्कार है।' (10.14.15) वरिष्ठों का सम्मान प्राचीन परम्परा है। एक मन्त्र (10.15.2) में कहते हैं, 'इदं पितृत्यों नमो, अस्त्वद्य ये पूवासों-जो वृद्ध अब जीवित नहीं हैं और जो हैं, उन सबको नमस्कार है।'

ऋग्वेद का यह नमस्कार ध्यान देने योग्य है। यह वरिष्ठों के प्रति आदर का स्थाई भाव है। ऋग्वेद की इसी परम्परा का प्रवाह महाभारत में है। कहा गया है कि, 'वह सभा, सभा नहीं है, जिसमें वृद्ध नहीं हैं, वे वृद्ध वास्तविक वृद्ध नहीं हैं, जो धर्मतत्व नहीं जानते।' रामकथा भी वृद्धों के सम्मान से युक्त है।

वृद्ध होना सौभाग्य है। शारीरिक शक्ति की क्षीणता का विचार अर्थहीन है। अनुभव का कोष महत्वपूर्ण है। वृद्धों के पास दिशा की अनुभूति होती है, युवकों के पास गति और ऊर्जा। वृद्धों के दिशा-दर्शन में ही युवकों की गति उपयोगी है। 'गति' पर्याप्त नहीं है। गति के साथ दिशा भी चाहिए। वृद्ध 'माता-पिता' मार्गदर्शक, पालक व संरक्षक होते हैं। हम सब उनका विस्तार हैं। वे न होते तो हम न होते।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

आज का राशिफल

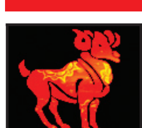

मेषः राजनीति और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को राहत मिलने के संकेत हैं। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। आर्थिक मामलों में सतर्क रहें, क्योंकि उधार से जुड़ी परिस्थितियां सामने आ सकती हैं। *(सिटी दर्पण)*

वृषभः आज का दिन आत्ममंथन और सुधार के लिए अनुकूल रहेगा। मार्केटिंग और व्यापारिक गतिविधियों से अच्छा लाभ मिलने की संभावना है। रुके हुए कार्यों में गति आएगी। जिम्मेदारियों का दबाव महसूस होगा, लेकिन आप उन्हें कुशलता से निभा पाएंगे। *(सिटी दर्पण)*

मिथुनः बुद्धिजीवियों और अनुभवी लोगों के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे। घरेलू कार्यों को प्राथमिकता देंगे। कारोबार में ग्राहकों के व्यवहार से थोड़ी निराशा हो सकती है। मानसिक तनाव का असर आपके निजी और व्यावसायिक जीवन पर दिखाई दे सकता है। *(सिटी दर्पण)*

कर्कः कार्यक्षेत्र में स्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी। कार्यशैली में बड़ा बदलाव करने का विचार बना सकते हैं। कीमती वस्तुओं की खरीदारी संभव है। दांपत्य जीवन में चल रही परेशानियां दूर होंगी। बौद्धिक और रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। *(सिटी दर्पण)*

सिंहः विदेश से नौकरी या करियर से जुड़े अवसर प्राप्त हो सकते हैं। भविष्य को लेकर नई दिशा तय करने में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी की सलाह आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी। विचारों में मतभेद होने पर भी रिश्तों को प्रभावित न होने दें। *(सिटी दर्पण)*

कन्याः युवा उद्यमियों और व्यवसाय से जुड़े लोगों को सम्मान मिल सकता है। मित्रों के साथ पुराने मतभेद समाप्त होंगे। धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों में भागीदारी बढ़ेगी। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। आय में वृद्धि के संकेत हैं। *(सिटी दर्पण)*

तुलाः आज का दिन सामान्य रहने वाला है। परिवार के साथ गंभीर विषयों पर चर्चा हो सकती है। दैनिक कार्यों को लेकर थोड़ी भागदौड़ बनी रहेगी। आसपास के लोगों के व्यवहार पर ध्यान देना जरूरी होगा। स्वास्थ्य के मामले में कब्ज और गैस जैसी समस्याएं परेशान कर सकती हैं। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिकः आज आप ऊर्जा और आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। धार्मिक गतिविधियों और सत्संग में रुचि बढ़ेगी। खानपान और सुख-सुविधाओं पर अधिक खर्च संभव है। नौकरीपेशा लोगों को वेतन वृद्धि या पदोन्नति का शुभ समाचार मिल सकता है। *(सिटी दर्पण)*

धनुः आपके सामाजिक संपर्क बढ़ेंगे और नए लोगों से परिचय होगा। परिवार के बुजुर्ग आपके विचारों का समर्थन करेंगे। प्रशासनिक और सरकारी कार्यों से जुड़े लोगों के लिए दिन अनुकूल है। विद्यार्थी उच्च शिक्षा और करियर को लेकर थोड़ी चिंता महसूस कर सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

मकरः आज अपने विचार स्पष्ट रूप से व्यक्त करने का प्रयास करें। जीवनसाथी के सहयोग और महत्व को समझेंगे। वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी। मन की अस्थिरता पर नियंत्रण रखना जरूरी है। पुराने कर्ज या उधार चुकाने के लिए समय अनुकूल है। *(सिटी दर्पण)*

कुंभः आज परिस्थितियां कुछ चुनौतीपूर्ण रह सकती हैं, इसलिए हर निर्णय सोच-समझकर लें। जीवनसाथी का स्वास्थ्य चिंता का कारण बन सकता है। पेट संबंधी समस्याएं परेशान कर सकती हैं। कुछ लोग आपके खिलाफ गलतफहमियां फैलाने की कोशिश कर सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

मीनः आज आपकी कोई बड़ी इच्छा पूरी हो सकती है। परिवार के सदस्यों का व्यवहार सहयोगपूर्ण रहेगा। अपनी उपलब्धियों और सफलता का आनंद उठाएंगे। मित्र हर परिस्थिति में आपका साथ देंगे। जीवनसाथी के प्रति प्रेम और भावनात्मक जुड़ाव बढ़ेगा। *(सिटी दर्पण)*

गंगा दशहरा : मां गंगा के अवतरण का महापर्व
स्नान-दान और पूजा से मिलता है मोक्ष का आशीर्वाद

उदय कुमार सिंह (हि.स)

भारत की सनातन संस्कृति में गंगा दशहरा का पर्व अत्यंत पवित्र, आध्यात्मिक और पुण्यदायी माना जाता है। यह पर्व हर वर्ष ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है। वर्ष 2026 में गंगा दशहरा का पावन पर्व 25 मई, सोमवार को मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यता है कि इसी दिन मां गंगा का स्वर्गलोक से पृथ्वी पर अवतरण हुआ था। यही कारण है कि इस दिन गंगा स्नान, दान-पुण्य, जप, तप और पूजा-अर्चना का विशेष महत्व माना गया है।

भारतीय संस्कृति में गंगा केवल नदी नहीं बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था, श्रद्धा और जीवन का आधार हैं। सनातन धर्म में गंगा को 'मां गंगा', 'मोक्षदायिनी' और 'पापनाशिनी' कहा गया है। मान्यता है कि गंगा जल में स्नान करने से व्यक्ति के समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। यही कारण है कि गंगा दशहरा के अवसर पर देशभर के गंगाघाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है।

गंगा दशहरा : तिथि और शुभ मुहूर्तङ्ग गंगा दशहरा : 25 मई 2026, सोमवार• दशमी तिथि प्रारंभ : 25 मई 2026 को सुबह 04:30 बजे• दशमी तिथि समाप्त : 26 मई 2026 को सुबह 05:10 बजे

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार इस वर्ष ज्येष्ठ मास में अधिक मास का विशेष संयोग बन रहा है। ऐसे में गंगा स्नान, दान-पुण्य और पूजा-पाठ का महत्व कई गुना अधिक बढ़ जाता है। धार्मिक विद्वानों के अनुसार इस दिन किए गए पुण्य कार्यों का फल विशेष रूप से शुभ और कल्याणकारी माना जाता है।

क्यों कहा जाता है 'गंगा दशहरा' 'गंगा दशहरा' शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है- 'दश' यानी दस और 'हरा' यानी नाश करना। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन गंगा स्नान करने से मनुष्य के दस प्रकार के पापों का नाश होता है। शास्त्रों में इन पापों को तीन प्रकारों में बांटा गया है-• 3 कायिक पाप- शरीर से किए गए पापङ्ग 4 वाचिक पाप- वाणी से किए गए पाप• 3 मानसिक पाप- मन और विचारों से किए गए पाप

इसी कारण इस दिन गंगा स्नान, ध्यान, जप, तप और दान का विशेष महत्व माना गया है। कहा जाता है कि गंगा दशहरा के दिन श्रद्धा से मां

गंगा की पूजा करने पर व्यक्ति के जीवन के दुख, कष्ट और नकारात्मकता दूर होती है।

मां गंगा के अवतरण की पौराणिक कथापौराणिक कथाओं के अनुसार, राजा सगर के 60 हजार पुत्र कपिल मुनि के श्राप से भस्म हो गए थे। उनके उद्धार और आत्मा की शांति के लिए राजा भागीरथ ने वर्षों तक कठोर तपस्या की। उनकी कठिन साधना से प्रसन्न होकर ब्रह्मा जी ने मां गंगा को पृथ्वी पर आने का वरदान दिया। लेकिन मां गंगा का वेग इतना प्रचंड था कि पृथ्वी उसके प्रवाह को सहन नहीं कर सकती थी। तब भगवान शिव ने पृथ्वी की रक्षा के लिए मां गंगा को अपनी जटाओं में धारण किया और उनके वेग को नियंत्रित किया। इसके बाद मां गंगा शांत रूप में पृथ्वी पर अवतरित हुई और राजा भागीरथ के पूर्वजों का उद्धार किया। इसी कारण गंगा को 'भागीरथी' नाम से भी जाना जाता है।

राजा भागीरथ की कठोर तपस्या और गंगा अवतरण की यह कथा भारतीय संस्कृति में तप, त्याग और लोक कल्याण का प्रतीक मानी जाती है। यह कथा हमें सिखाती है कि सच्ची निष्ठा, धैर्य और तपस्या से असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं।

भारतीय संस्कृति और आस्था में गंगा का स्थानभारतीय सनातन संस्कृति में गंगा केवल जलधारा नहीं बल्कि आध्यात्मिक चेतना और जीवनशक्ति का प्रतीक हैं। ऋषि-मुनियों से लेकर सामान्य जन तक, हर व्यक्ति गंगा को मां के रूप में पूजता है। गंगा के तटों पर सदियों से सभ्यता, संस्कृति, धर्म और ज्ञान का विकास हुआ है।

गंगा मनुष्य के जीवन, संस्कार और आस्था से गहराई से जुड़ी हुई हैं। जन्म से लेकर मृत्यु तक हिंदू धर्म के अधिकांश संस्कारों में गंगाजल का विशेष महत्व होता है। मान्यता है कि गंगा जल अमृत के समान पवित्र होता है और इसकी एक बूंद भी आत्मा को शुद्ध करने की क्षमता रखती है। धार्मिक मान्यता यह भी है कि गंगा स्नान से मनुष्य के पापों और संतापों का नाश होता है तथा उसे मानसिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त होती है। इसलिए गंगा दशहरा पर श्रद्धालु गंगा तटों पर स्नान कर मां गंगा का पूजन करते हैं।

गंगा दशहरा पर क्या करेंगंगा दशहरा के दिन प्रातःकाल ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करना शुभ माना जाता है। यदि संभव हो तो गंगा नदी में स्नान करें, अन्यथा घर में स्नान के जल में गंगाजल मिलाकर स्नान किया जा सकता है। इसके बाद मां गंगा की पूजा कर दीप, धूप, पुष्प, दूध और अक्षत अर्पित किए जाते हैं।

इस दिन दान-पुण्य का विशेष महत्व बताया गया है। श्रद्धालु जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र, जल, फल, छाता, सत्तू और शीतल पेय का दान करते हैं। इसके अलावा गंगा स्तोत्र, गंगा चालीसा और मंत्रों का जाप भी अत्यंत फलदायी माना गया है।

धार्मिक परंपराओं के अनुसार इस दिन पीपल, तुलसी और अन्य पवित्र वृक्षों की पूजा करना भी शुभ माना जाता है। कई श्रद्धालु गंगा तट पर दीपदान कर मां गंगा से सुख, समृद्धि और परिवार की मंगलकामना करते हैं।

गंगा दशहरा का आध्यात्मिक और सामाजिक संदेशगंगा दशहरा केवल धार्मिक पर्व नहीं बल्कि मानव जीवन को शुद्धता, सेवा, करुणा और सदाचार का संदेश देने वाला उत्सव है। मां गंगा हमें यह प्रेरणा देती हैं कि जीवन में निरंतर प्रवाह, पवित्रता और परोपकार बना रहना चाहिए।

आज के समय में गंगा केवल आस्था का विषय नहीं बल्कि पर्यावरण और जीवन संरक्षण का भी आधार हैं। गंगा और अन्य नदियों की स्वच्छता बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। गंगा दशहरा का पर्व हमें यह संदेश भी देता है कि जिस नदी को हम मां का दर्जा देते हैं, उसकी स्वच्छता और पवित्रता बनाए रखना हमारा कर्तव्य है।

धार्मिक मान्यता है कि गंगा दशहरा के दिन श्रद्धा से व्रत, स्नान और पूजा करने पर व्यक्ति के सभी मनोरथ पूर्ण होते हैं। मां गंगा की कृपा से अष्ट सिद्धियों और नव निधियों की प्राप्ति होती है तथा जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है। यही कारण है कि करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए यह पर्व आस्था, भक्ति और आत्मिक शुद्धि का महापर्व माना जाता है।

हर कृषि मोटर को मिलेगी प्रतिदिन 8 घंटे से अधिक बिजली: तरुनप्रीत सिंह सौंद

धान सीजन के लिए पीएसपीसीएल पूरी तरह तैयार

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

24 घंटे निगरानी और खराबी के तुरंत समाधान हेतु पंजाब भर में समर्पित टीमें तैनात: सौंद

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की किसानों के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराते हुए आज बिजली मंत्री स.तरुनप्रीत सिंह सौंद ने कहा कि पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) द्वारा आगामी धान बुवाई सीजन के दौरान किसानों को निर्बाध 8 घंटे बिजली सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए व्यापक और आवश्यक प्रबंध किए गए हैं।

बिजली मंत्री स.तरुनप्रीत सिंह सौंद ने कहा, मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा विभिन्न जिलों के लिए धान सीजन संबंधी जारी किए गए शेड्यूल के अनुसार 8 घंटे बिजली सप्लाई सुनिश्चित की जाएगी। यह समय-सारणी 1 जून से गुरदासपुर, पठानकोट, अमृतसर, तरनतारन, रूपनगर, एसएएस नगर, फतेहगढ़ साहिब और होशियारपुर जिलों में लागू होगी, जबकि 5 जून से फरीदकोट, बठिंडा, फिरोजपुर, श्री मुक्तसर साहिब और फाजिल्का जिलों में लागू की जाएगी। इसके अतिरिक्त 9 जून से लुधियाना, मलेरकोटला, मानसा, मोगा, पटियाला, संगरूर, बरनाला, कपूरथला, जालंधर और एसबीएस नगर जिलों में प्रतिदिन 8 घंटे से अधिक बिजली उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने आगे कहा, राज्य सरकार ने कृषि क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और धान सीजन के दौरान किसानों की सुविधा के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। तरुनप्रीत सिंह सौंद ने बताया, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार पीएसपीसीएल राज्य में कृषि हेतु जारी प्रत्येक मोटर कनेक्शन को प्रतिदिन 8 घंटे से अधिक बिजली उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करेगा, ताकि किसान बिना किसी परेशानी के धान की रोपाई सुचारू रूप से कर सकें। उन्होंने कहा, पंजाब के मेहनती किसान देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और राज्य सरकार इस महत्वपूर्ण समय के दौरान उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मंत्री ने आगे कहा, बिजली वितरण प्रणाली की निरंतर निगरानी के लिए पूरे राज्य में पीएसपीसीएल के अधिकारियों और तकनीकी स्टाफ की समर्पित टीमें तैनात की गई हैं। फील्ड अधिकारियों को 24 घंटे उपलब्ध रहने तथा किसी भी प्रकार की खराबी, ट्रांसफार्मर संबंधी समस्याओं और अन्य तकनीकी दोषों का प्राथमिकता के आधार पर तुरंत समाधान सुनिश्चित करने के विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने आगे कहा, धान रोपाई के दौरान किसानों की शिकायतों का तुरंत समाधान सुनिश्चित करने के लिए समर्पित कंट्रोल रूम तथा शिकायत निवारण तंत्र को और अधिक मजबूत किया गया है। तरुनप्रीत सिंह सौंद ने कहा, पीएसपीसीएल ने पहले ही ट्रांसमिशन लाइनों, ट्रांसफार्मरों तथा अन्य बिजली ढांचे के आवश्यक रखरखाव संबंधी कार्य पूरे कर लिए हैं ताकि मांग के इस सीजन के दौरान अनावश्यक बाधाओं से बचा जा सके।बिजली मंत्री ने आगे कहा, पंजाब सरकार राज्य में बिजली ढांचे को और मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है तथा सभी क्षेत्रों, विशेषकर कृषि क्षेत्र को आवश्यक बिजली उपलब्ध करवाना भगवंत मान सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है।

किसानों से बिजली का समझदारी से उपयोग करने और पीएसपीसीएल द्वारा जारी शेड्यूल का पालन करने की अपील करते हुए उन्होंने भरोसा दिलाया, राज्य सरकार किसान भाईचारे के हितों की रक्षा और पूरे पंजाब में धान सीजन को सफल एवं सुचारू बनाने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेगी।

'वर्ष 2026-27 में 5 लाख एकड़ क्षेत्र को धान की सीधी बुआई के दायरे में लाया जाएगा'

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से मिलेगी 1500 रुपये प्रति एकड़ वित्तीय सहायता: गुरमीत खुड्डियां

डी.एस.आर. योजना के तहत 40 करोड़ रुपये रखे गए: खुड्डियां

भूमिगत जल को बचाने और धान की टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पंजाब के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री स.गुरमीत सिंह खुड्डियां ने घोषणा की कि राज्य ने वर्ष 2026-27 के खरीफ सीजन के दौरान 5 लाख एकड़ क्षेत्र को धान की सीधी बुवाई (डी.एस.आर.) तकनीक के तहत लाने का लक्ष्य निर्धारित किया है और इस उद्देश्य के लिए 40 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान भी किया गया है।

पानी बचाने वाली डी.एस.आर. योजना के संबंध में जानकारी साझा करते हुए पंजाब के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री स.गुरमीत सिंह खुड्डियां ने बताया कि वर्ष 2025 के खरीफ सीजन के दौरान 23,410 किसानों ने धान की सीधी बुवाई तकनीक अपनाई, जिसके तहत 2,35,899 एकड़ क्षेत्र कवर किया गया। स.भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने सभी पात्र किसानों को 1,500 रुपये प्रति एकड़ की दर से उनके बैंक खातों में सीधे 35.38 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता प्रदान की। गुरमीत सिंह खुड्डियां ने कहा, भूमिगत जल को बचाने के लिए यह किसानों के नेतृत्व वाली एक क्रांतिकारी पहल है। वर्ष 2025-26 में इस योजना को किसानों से भरपूर समर्थन मिला। अब वर्ष 2026-27 के लिए 40 करोड़ रुपये की लागत से 5 लाख एकड़ क्षेत्र को धान की सीधी बुवाई के तहत लाने का लक्ष्य रखा गया है। हम बहुमूल्य भूजल को बचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

राज्य के किसानों को पानी बचाने वाली डीएसआर तकनीक अपनाने और प्रोत्साहन राशि का लाभ लेने के लिए शीघ्र पंजीकरण करवाने की अपील करते हुए कृषि मंत्री ने बताया कि इस तकनीक को अपनाने के इच्छुक किसानों के लिए ऑनलाइन डीएसआर पंजीकरण पोर्टल कार्यशील है और किसान इस योजना का अधिकतम लाभ उठाएं।

गुरमीत सिंह खुड्डियां ने कहा कि डीएसआर तकनीक खेत की जुताई और धान की पौध रोपाई की आवश्यकता को समाप्त करती है तथा सिंचाई के लिए पानी के उपयोग में 15-20 प्रतिशत तक कमी लाने के साथ-साथ मजदूरी लागत में भी उल्लेखनीय कमी करती है। उन्होंने कहा कि यह पंजाब की व्यापक रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य गिरते भूजल स्तर को रोकना और आर्थिक प्रोत्साहन के माध्यम से पर्यावरण-अनुकूल खेती को बढ़ावा देना है।

एसआईआर के तहत 11 अधिकृत दस्तावेजों से होगी मतदाताओं की मैपिंग

सिटी दर्पण संवाददाता

बरनाला

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा पंजाब में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) कार्यक्रम की घोषणा के बाद जिला निर्वाचन कार्यालय ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त हरप्रीत सिंह आईएएस ने बताया कि बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) 25 जून 2026 से 24 जुलाई 2026 तक घर-घर जाकर एन्यूमरेशन फार्म भरेंगे और आवश्यक जानकारी एकत्र करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी पात्र मतदाता अपने बीएलओ को जरूरी जानकारी और दस्तावेज उपलब्ध करवाएं। भरे हुए एन्यूमरेशन फार्म की दो प्रतियां होंगी, जिनमें से एक प्रति स्वयं सत्यापित कर बीएलओ को वापस देनी होगी, जबकि दूसरी प्रति अपने रिकॉर्ड के लिए अपने पास रखनी होगी। उपायुक्त ने बताया कि जिन मतदाताओं की मैपिंग वर्ष 2003 की मतदाता सूची से नहीं हो पाई है, उन्हें निर्वाचन आयोग द्वारा अधिकृत 11 दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज जमा करवाना होगा। चुनाव तहसीलदार राम जी लाल ने बताया कि इन दस्तावेजों में केंद्र या राज्य सरकार अथवा पीएसयू के नियमित कर्मचारियों एवं पेंशनरों को जारी पहचान पत्र या पेंशन भुगतान आदेश, एक जुलाई 1987 से पहले जारी सरकारी दस्तावेज, जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय के शैक्षणिक प्रमाण पत्र, स्थायी निवास प्रमाण पत्र, वन अधिकार प्रमाण पत्र, ओबीसी, एससी, एसटी जाति प्रमाण पत्र, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर, परिवार रजिस्टर तथा सरकार द्वारा जारी भूमि या मकान आवंटन प्रमाण पत्र शामिल हैं।

काउंटर इंटेलिजेंस ने 4 तस्करों को 28 किलो हेरोइन के साथ दबोचा

पकड़े गए आरोपियों को सीमा पार बैठे विदेशी हैंडलर्स ने सौंपी थी नशे की बड़ी खेप सप्लाई करने की जिम्मेदारी: डीजीपी गौरव यादव

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़/फिरोजपुर

पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए जारी अभियान के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) फिरोजपुर ने चार आरोपियों को 28.12 किलोग्राम हेरोइन और 9.5 लाख रुपये की ड्रग मनी सहित गिरफ्तार कर सीमा पार से संचालित नशा तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। यह जानकारी आज यहां पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान बगीचा सिंह और भूपिंदर सिंह निवासी गांव बोगी वाला, गुरु हर सहाय; साजन निवासी गांव अराइयां वाला; तथा छिंदरपाल सिंह उर्फ रिंकू निवासी लखा सिंह वाला, फिरोजपुर के रूप में हुई है। हेरोइन की खेप बरामद करने के अलावा पुलिस टीम ने आरोपियों की हुंडई क्रेटा कार भी जब्त कर ली है, जिसका इस्तेमाल वे नशा तस्करी के लिए कर रहे थे।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि इस मॉड्यूल के विदेशी तस्करों और हैंडलरों से संबंध थे, जिन्होंने कथित तौर पर गिरफ्तार आरोपियों को भारतीय क्षेत्र के भीतर नशीले पदार्थों की खेप प्राप्त कर उसे आगे वितरित करने का काम सौंपा था।

डीजीपी ने कहा कि इस मामले में आगे और पीछे के लिंक का पता लगाने के लिए आगे जांच की जा रही है ताकि सीमा पार से संचालित पूरे नशा तस्करी नेटवर्क का सफाया किया जा सके।

एआईजी सीआई फिरोजपुर गुरसेवक सिंह ने बताया कि पुलिस को संदिग्ध बगीचा सिंह, भूपिंदर सिंह, साजन और छिंदर पाल उर्फ रिंकू द्वारा कुछ दिन पहले सीमा पार से हेरोइन की खेप प्राप्त किए जाने संबंधी विश्वसनीय सूचना मिली थी। जानकारी में आगे पता चला कि अपने हैंडलरों के निर्देशों पर उक्त संदिग्ध यह खेप आगे किसी अन्य पक्ष को पहुंचाने जा रहे हैं। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने गुरु हर सहाय क्षेत्र में आरोपियों को घेर लिया और उनके कब्जे से 28.12 किलोग्राम हेरोइन तथा 9.5 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद कर ली।

एआईजी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों को उनके हैंडलरों द्वारा मोटी रकम देने का वादा किया गया था। उन्होंने आगे कहा कि जांच आगे बढ़ने के साथ आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां तथा बरामदगी होने की संभावना है। इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21, 25 और 29 के तहत थाना एसएसओसी फाजिल्का में एफआईआर नंबर 13 दिनांक 23.05.2026 दर्ज की गई है।

गैंगस्टरां ते वार का 124वां दिन

पंजाब पुलिस ने 529 स्थानों पर की छापेमारी, 269 गिरफ्तार

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

पुलिस टीमों ने 100 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की, 16 को पूछताछ के बाद रिहा किया गया

लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से गैंगस्टरों के बारे में रिपोर्ट कर सकते हैं

राज्य में चल रहे निर्णायक अभियान 'गैंगस्टरां ते वार' के 124वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के साथियों के चिन्हित और मैप किए गए 529 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि 'गैंगस्टरां ते वार' पंजाब को गैंगस्टर-मुक्त राज्य बनाने के लिए छेड़ी गई निर्णायक लड़ाई है, जिसे 20 जनवरी 2026 को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा शुरू किया गया था। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें पूरे राज्य में विशेष अभियान चला रही हैं। उन्होंने बताया कि 124वें दिन पुलिस टीमों ने दो हथियारों सहित 269 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिससे अभियान शुरू होने के बाद कुल गिरफ्तारियों की संख्या 31,699 हो गई है।

इसके अलावा 100 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई, जबकि 16 व्यक्तियों को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीमों ने 11 भगोड़े अपराधियों (पीओ) को भी गिरफ्तार किया। लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में गुप्त रूप से जानकारी दे सकते हैं तथा अपराध और आपराधिक गतिविधियों संबंधी सूचना भी साझा कर सकते हैं। इस दौरान पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपनी मुहिम 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' को 449वें दिन भी जारी रखते हुए आज 72 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 30.6 किलो हेरोइन, 271 नशीली गोलियां/कैप्सूल तथा 4200 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। इसके साथ ही केवल 449 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 65,417 हो गई है। नशा मुक्ति अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने आज 13 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास उपचार करवाने के लिए प्रेरित किया।

नगर निगम और कौंसिल चुनाव के लिए विवेकशील सोनी पुलिस ऑब्जर्वर नियुक्त

बरनाला। पंजाब राज्य चुनाव आयोग द्वारा घोषित नगर निगम और कौंसिल चुनाव 2026 को स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से नियुक्त पुलिस ऑब्जर्वर विवेकशील सोनी आईपीएस ने शनिवार को बरनाला जिले का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने जिले में सुरक्षा व्यवस्था, कानून-व्यवस्था की स्थिति और चुनाव संबंधी पुलिस प्रबंधों का विस्तृत जायजा लिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहम्मद सरफराज आलम ने पुलिस ऑब्जर्वर को जिले के संवेदनशील और अति संवेदनशील क्षेत्रों, मतदान केंद्रों की सुरक्षा, नाकाबंदी, फ्लैग मार्च, रात्रि गश्त, अंतरराज्यीय एवं अंतरजिला चेकिंग, शरारती तत्वों की निगरानी तथा गैंगस्टरों और आपराधिक तत्वों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई की जानकारी दी। इसके साथ ही चुनावों के दौरान शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैयार की गई समग्र कार्ययोजना से भी अवगत कराया गया।

पंजाब में जनगणना कार्य में नगर निगम बरनाला सबसे आगे

100 प्रतिशत हाउस लिस्टिंग ब्लॉकों में शुरू हुई जनगणना गतिविधियां

सिटी दर्पण संवाददाता

बरनाला

नगर निगम बरनाला ने जनगणना 2027 के पहले चरण में पंजाब भर में अग्रणी स्थान हासिल किया है। नगर निगम क्षेत्र के सभी हाउस लिस्टिंग ब्लॉकों में जनगणना गतिविधियां शुरू कर दी गई हैं।

उपायुक्त एवं प्रधान जनगणना अधिकारी हरप्रीत सिंह आईएएस ने गणनाकताओं और पर्यवेक्षकों को उनकी मेहनत और समर्पण के लिए बधाई दी। उन्होंने विश्वास जताया कि बरनाला जिला और नगर निगम आगे भी राज्य में अग्रणी भूमिका निभाते हुए इस राष्ट्रीय अभियान को सफलतापूर्वक पूरा करेंगे। उपायुक्त ने बताया कि नगर निगम बरनाला ने सभी 172 हाउस लिस्टिंग ब्लॉकों में हाउस लिस्टिंग कार्य शुरू कर 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया है। वहीं जिला स्तर पर 800 हाउस लिस्टिंग ब्लॉकों में से केवल एक ब्लॉक में कार्य शुरू होना बाकी है। 19 ब्लॉकों में कार्य पूरा हो चुका है, जबकि शेष 780 ब्लॉकों में काम सुचारू रूप से जारी है। उन्होंने फील्ड स्टाफ के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि बेहतर प्रदर्शन करने वाले गणनाकताओं को जिला स्तर पर सम्मानित किया जा रहा है। आने वाले दिनों में पर्यवेक्षकों को भी सम्मानित किया जाएगा। जनगणना का पहला चरण 15 मई 2026 से शुरू हुआ है, जो 13 जून 2026 तक चलेगा। जिले में 1200 से अधिक गणनाकर्ता और पर्यवेक्षकों की टीमें कार्य में जुटी हुई हैं। उपायुक्त ने कहा कि यह बरनाला के लिए गर्व की बात है। फील्ड टीमों की ऊर्जा और प्रतिबद्धता जिले की मजबूत प्रशासनिक कार्यशैली को दशार्ती है।

पंजाब में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमराई : राजा वड़िंग

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने राज्य की आम आदमी पार्टी सरकार पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने में विफल रहने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अराजकता का माहौल है और सरकार सत्ता में बने रहने का नैतिक अधिकार खो चुकी है। राजा वड़िंग ने कहा कि अब समय आ गया है कि सरकार या तो प्रभावी ढंग से काम करना शुरू करे या फिर इस्तीफा देकर सत्ता छोड़ दे। उन्होंने कहा कि जितनी जल्दी यह निर्णय लिया जाएगा, प्रदेश के लिए उतना ही बेहतर होगा।

उन्होंने कपूरथला जेल में हुई तोड़फोड़ और आगजनी की घटना तथा अमृतसर में एक सहायक सब इंस्पेक्टर (एएसआई) की हत्या को राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था का प्रमाण बताया। वड़िंग ने कहा कि अपराधी और गैंगस्टर बेखौफ होकर घूम रहे हैं तथा उन्हें कानून का कोई डर नहीं रह गया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उच्च सुरक्षा वाली जेल के भीतर इस प्रकार की हिंसा और आगजनी होना दशार्ता है कि सरकार का नियंत्रण जेलों के अंदर भी नहीं रह गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कैदियों ने बिना किसी रोक-टोक के हिंसा की, जिससे जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े होते हैं। अमृतसर में ड्यूटी पर जाते समय एएसआई की हत्या पर प्रतिक्रिया देते हुए वड़िंग ने कहा कि जब पुलिसकर्मी ही सुरक्षित नहीं हैं, तब आम नागरिकों की सुरक्षा का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है।

पंजाब सरकार ने पंजाब में नगर निकाय आम चुनावों के मद्देनजर 26 मई को सामान्य अवकाश घोषित किया

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट, 1881 के तहत 26 मई, 2026 (मंगलवार) को पूरे पंजाब राज्य में सामान्य अवकाश घोषित किया है। यह निर्णय 26 मई 2026 को होने वाले नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पंचायतों के आम चुनावों में मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से लिया गया है। यह अवकाश चंडीगढ़ स्थित पंजाब सरकार के सभी कार्यालयों, बोर्डों, निगमों तथा शैक्षणिक संस्थानों पर भी लागू होगा।

विधायक डॉ अजय गुप्ता ने वॉल्ड सिटी की गलियों का निर्माण कार्य शुरू करवाया

वॉल्ड सिटी में विकास कार्य तेजी से जारी रहेंगे : विधायक डॉ अजय गुप्ता

सिटी दर्पण संवाददाता

अमृतसर

केंद्रीय विधानसभा क्षेत्र से विधायक डॉ अजय गुप्ता ने आज वॉल्ड सिटी की गलियों का निर्माण कार्य शुरू करवाया। विधायक डॉ अजय गुप्ता ने कहा कि वॉल्ड सिटी में विकास कार्य तेजी से जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि शहर का व्यापारिक केंद्र कटड़ा जयमल सिंह, शास्त्री मार्केट, गुरु बाजार के व्यापारियों की मांग पर सड़कों और गलियों का निर्माण कार्य शुरू करवाया गया है।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के कन्वीनर अरविंद केजरीवाल जी और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान जी को केंद्रीय विधानसभा क्षेत्र से जुड़े किसी भी विकास के प्रोजेक्ट के बारे में बताया जाता है तो उस विकास के प्रोजेक्ट को मंजूरी मिल जाती है। इसके लिए फंड भी जारी हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा अमृतसर शहर की वॉल्ड सिटी को पवित्र शहर का दर्जा मिलने पर वॉल्ड सिटी में पहले से ही करोड़ रुपयो के विकास कार्य चल रहे हैं।

विधायक डॉ गुप्ता ने कहा कि आने वाले दिनों में रंगला पंजाब विकास प्रोजेक्ट के तहत वॉल्ड सिटी में लगभग 5 करोड़ रुपयो के विकास कार्यों को मंजूरी दी जा रही है। टेंडर प्रक्रिया के बाद इन विकास कार्यों को भी शुरू करवा दिया जाएगा।उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण सचखंड श्री दरबार साहिब की ओर जाने वाली 4 रेडियल रोड और कैरो मार्केट आधुनिक पार्किंग स्टैंड का विकास कार्य तेजी से चल रहा है। उन्होंने कहा कि यह दोनो प्रोजेक्ट इसी साल अक्टूबर महीने तक पूरे हो जाएंगे।कैरो मार्केट पार्किंग स्टैंड प्रोजेक्ट का कार्य पूरा होने पर लोगों को लाभ मिलेगा और ट्रैफिक समस्या से भी निजात मिलेगी। इस अवसर पर पार्षद जरनैल सिंह ढोट, व्यापारिक एसोसिएशन के पदाधिकारी और क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद थे।

बयान

विधायक ने कहा, मोहाली नगर निगम चुनाव में महिलाएं बड़ी संख्या में

आम आदमी पार्टी की सरकार है लोगों की सरकार : कुलवंत सिंह

सिटी दर्पण संवाददाता

मोहाली

आज महिलाएं पढ़ाई के साथ-साथ हर फील्ड में आगे बढ़ रही हैं, चाहे वह स्पोर्ट्स हो या कोई और फील्ड, और लड़कों से आगे नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर अपना, अपने परिवार का और अपने पंजाब का नाम रोशन कर रही हैं, विधायक कुलवंत सिंह ने रिपोर्टर्स से बात करते हुए कहा। उन्होंने कहा कि मोहाली नगर निगम चुनाव में कुल 50 वार्ड में से 50 प्रतिशत महिलाओं के लिए रिजर्व होने के चलते 25 वार्ड में महिलाएं चुनाव लड़ रही हैं, जबकि तीन से पांच और महिलाएं जीतकर आगे आएंगी और मेरा मानना है कि मोहाली निगम हाउस में 30 महिला पार्षद और 20 पुरुष पार्षद होंगे और इससे साफ है कि आज महिलाएं हर फील्ड में तरक्की कर रही हैं, जो बहुत अच्छी बात है।

यह बात विधायक कुलवंत सिंह ने आज रिपोर्टर्स से बात करते हुए कही। विधायक कुलवंत सिंह मोहाली नगर निगम चुनाव को लेकर अलग-अलग वार्ड में हुई चुनावी रैलियों को संबोधित कर रहे थे।इन वार्डों में वार्ड नंबर -40 से नंबरदार हरसंगत सिंह सुहाना की पत्नी कमलजीत कौर, वार्ड नंबर- 37 से सुखवीर सिंह की पत्नी कुलदीप कौर, वार्ड नंबर 50 से हरपाल सिंह बराड़, वार्ड नंबर 49 से सरपंच सतनाम सिंह की पत्नी कुलविंदर कौर शामिल हैं। विधायक कुलवंत सिंह ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की सोच पंजाब के प्रति हितैषी सोच है, जिसके चलते विधानसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के द्वारा जो वादे किए थे और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने राज्य के लोगों को जो गारंटी दी थी, उसे पूरा किया जा चुका है और इससे भी आगे बढ़कर, खेलों के मामले में खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए नकद पुरस्कार दिए जा रहे हैं। पंजाब में बड़े पैमाने पर खेलों का माहौल बनाने के लिए करीब 3000 खेल मैदान बनाए जा रहे हैं। जिन पर बड़े पैमाने पर काम चल रहा है।

विधायक कुलवंत सिंह ने कहा कि खिलाड़ियों को खेलने के लिए जरूरी सामान दिया जा रहा है और खेलों के लिए सही माहौल भी तैयार किया जा रहा है। विधायक कुलवंत सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार आम लोगों की सरकार है और आम लोगों की भलाई के लिए बड़े पैमाने पर स्कीमें लागू की जा रही हैं। सरकार बनते ही सबसे पहले पंजाब में बिजली माफ की गई और इसके साथ ही शिक्षा क्रांति के तहत पंजाब के स्कूलों को जरूरी सामान दिया गया। और स्कूल ऑफ एमिनेंस बनाए गए, सरकारी स्कूलों में मॉडर्न लैब, एल.ई.डी. और कंप्यूटर भी दिए गए हैं, यहाँ तक कि सरकारी स्कूलों के लिए सिक्योरिटी गार्ड का भी इंतजाम किया गया है। आज हालत यह है कि पंजाब के लोग अपने बच्चों का एडमिशन प्राइवेट स्कूलों के बजाय सरकारी स्कूलों में करवाना पसंद कर रहे हैं और सरकारी स्कूलों में पहले के मुकाबले एडमिशन लगातार बढ़ रहा है।

इस मौके पर आम आदमी पार्टी के सीनियर नेता - कुलदीप सिंह समाना, गुरपाल सिंह ग्रेवाल, हरपाल सिंह बराड़, अमरजीत सिंह सिद्धू, सुरिंदर सिंह रोड़ा, रूपिंदर सिंह रूपा, जगदीश सिंह गिल, बलदेव सिंह गिल, बलविंदर सिंह, प्रेम सिंह, मेजर सिंह, प्रेस सिंह नंबरदार, सरबजीत सिंह, भूपिंदर सिंह सोहल, लाभ सिंह, परमजीत सिंह मावी, शरणजीत कौर बालक प्रेसिडेंट, तरलोचन सिंह मटोर, दलजीत कौर कुक्की, भीखी औलाख प्रेसिडेंट रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन, अकबिंदर सिंह गोसल, बलजीत सिंह विक्की, रीटा बालोंगी, राम कुमार रवि, सरबजीत कौर पंच, समिंदर कंग पंच, गिरी नाथ झा, रंजीत सैनी भी मौजूद थे।

रूस ने यूक्रेन के बालाक्लिया में चर्च को निशाना बनाया, चर्च में लगी आग

रूसी सेना ने बालाक्लिआ के मध्य भाग पर भी किया हमला, तीन लोग घायल

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
कीव (यूक्रेन)

यूक्रेन के अधिकारियों ने दावा किया है कि रूस की सेना ने शनिवार रात पूर्वी यूक्रेन के शहर बालाक्लिया पर दूसरी बार हमला किया। ड्रोन से किए इस हमले में इवेंजेलिकल चर्च (लाइट ऑफ द गॉस्पेल चर्च) को निशाना बनाया गया। इससे चर्च में आग लग गई। हमले के बाद आग की लपटें लगभग 1,300 वर्ग मीटर के इलाके में फैल गईं। हमले में चर्च के अलावा एक अपार्टमेंट बिल्डिंग और कुछ घरों को नुकसान पहुँचा।

कीव पोस्ट अखबार के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि हमले में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। बालाक्लिआ यूक्रेन के उत्तर-पूर्वी खार्किव क्षेत्र में स्थित है। यह क्षेत्रीय राजधानी खार्किव के दक्षिण-पूर्व में और उन इलाकों के पास है जहां आक्रमण की शुरूआत के बाद से कई बार रूसी हमले हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले शनिवार सुबह लगभग 11:35 बजे रूसी सेना ने बालाक्लिआ के मध्य भाग पर भी हमला किया। इस हमले में तीन लोग घायल हो गए। कीव पोस्ट का दावा है कि इस युद्ध में रूस ने पूरे यूक्रेन में नागरिक बुनियादी ढांचे, आवासीय क्षेत्रों और धार्मिक इमारतों को बार-बार निशाना बनाया है। हालांकि मॉस्को जानबूझकर नागरिकों पर हमला करने से इनकार करता है।

यूक्रेन के ड्रोन हमले के बाद रूस ने कीव पर मिसाइलें दागीं

कीव (यूक्रेन)। रूस के कब्जे वाले पूर्वी यूक्रेन में हुए ड्रोन हमलों के बाद स्थानीय समयानुसार रविवार तड़के रूस ने राजधानी कीव पर बड़ा हवाई हमला किया। रूस ने चार स्थानों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इस हमले में कम से कम पांच लोग घायल हो गए। हमले में एक रिहायशी इमारत हिल गई। कीव के बीचों-बीच बने एक भूमिगत मेट्रो स्टेशन में दर्जनों लोगों ने शरण ली है। अमेरिका के सीबीएस न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, कीव शहर के सैन्य प्रशासन के प्रमुख तिमुर तकाचेंको ने टेलीग्राम पर लिखा, राजधानी पर बड़े पैमाने पर बैलिस्टिक मिसाइल हमला हुआ है। हमले में पांच लोग घायल हुए हैं। उनमें से एक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभी कम से कम चार जगहों पर हमले की सूचना है। शेवचेनकीव्स्की,

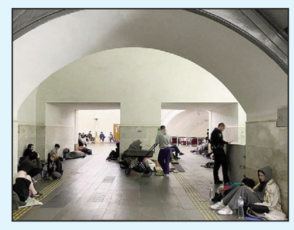

निप्रोव्स्की और पोडिल्स्की जिले में आग लग गई है। रिहायशी इमारतों को नुकसान पहुंचा है। बैलिस्टिक मिसाइल का खतरा अभी भी बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि यूक्रेन के अधिकारियों और अमेरिकी दूतावास ने पहले ही राजधानी पर एक बड़े हमले की चेतावनी दी थी। कीव के अधिकारियों का कहना है कि पोडिल्स्की जिले में मेडिकल टीमों को बुलाया गया है। यहां एक जगह मलबा गिरा है। इस हमले से शेवचेनकीव्स्की में एक रिहायशी इमारत के पास आग भी लग गई है। रूस के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा था कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को निश्चित रूप से कड़ी सजा दी जाएगी।

राष्ट्रपति ट्रंप की ईरान पर वार्ता के दौरान व्हाइट हाउस के पास गोलीबारी

- सीक्रेट सर्विस ने संदिग्ध को मार गिराया

एजेंसी (हि.स.)
वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास व्हाइट हाउस के पास शनिवार शाम हुई गोलीबारी से पूरा इलाका दहल गया। बताया गया है कि घटना के समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान समझौते पर कुछ लोगों से बातचीत कर रहे थे। गोलीबारी के बाद सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स ने समूचा इलाका घेर लिया। सुरक्षा के लिए से कुछ समय के लिए व्हाइट हाउस को बंद कर दिया गया।

अनहोनी की आशंका के मद्देनजर व्हाइट हाउस को कवर करने वाले मीडिया कर्मियों को तत्काल ब्रीफिंग रूम में जाने का आदेश दिया गया। पता चला है कि गोलीबारी में दो लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि सीक्रेट सर्विस एजेंट्स की गोलीबारी में घायल एक संदिग्ध ने कुछ देर बाद दम तोड़ दिया। सीबीएस न्यूज, एबीसी न्यूज और सीएनएन चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, व्हाइट हाउस के बाहर सीक्रेट

फोटोः हि.स.

सर्विस के चेकपॉइंट के अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी के बाद घायल संदिग्ध को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। गोलीबारी एक राहगीर भी घायल हो गया। सीक्रेट सर्विस के किसी भी एजेंट को कोई नुकसान नहीं हुआ। सीक्रेट सर्विस के प्रवक्ता ने बताया कि घटना के समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस में ही थे। जांच अधिकारियों के अनुसार, मारे गए संदिग्ध की पहचान 21 वर्षीय नासिर बेस्ट के रूप में हुई है।

बेस्ट का जुलाई 2025 में भी सीक्रेट सर्विस के साथ आमना-सामना हो चुका है। तब उसने व्हाइट हाउस में घुसने की कोशिश की थी। उसे गिरफ्तार कर मनोरोग वार्ड में भेज दिया गया था। यह गोलीबारी व्हाइट हाउस के बाहर 17वीं स्ट्रीट और पेंसिल्वेनिया एवेन्यू एनडब्ल्यू पर आइजनहावर एग्जीक्यूटिव ऑफिस बिल्डिंग के पास हुई। इस दौरान लगभग 15 से 30 गोलियां चलाई गईं।

व्हाइट हाउस में मौजूद पत्रकारों के अनुसार उन्हें पूर्वी समयानुसार करीब 6 बजे व्हाइट हाउस परिसर की तरफ से गोली चलने जैसी आवाज सुनाई दी। इसके बाद सीक्रेट सर्विस एजेंट्स उन्हें अंदर ले गए। लगभग एक घंटे तक व्हाइट हाउस बंद रहा।

ट्रंप ने कहा-होर्मुज खुलेगा, समझौता जल्द

वाशिंगटन/तेहरान, 24 मई (हि.स.)। पश्चिम एशिया और होर्मुज जलडमरू मध्य पर तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, पाकिस्तान, जॉर्डन, मिस्र, तुर्किये और बहरीन के नेताओं और अधिकारियों के साथ फोन पर बातचीत की। इसके बाद उन्होंने घोषणा की ईरान होर्मुज जलडमरू मध्य को खोलने पर सहमत हो गया है। होर्मुज जल्द खुलेगा। अमेरिका और ईरान के बीच होने वाले शांति समझौते का मध्यस्थ देश अंतिम मसौदा तैयार कर रहे हैं। यह काम पूरा होने के बाद शांति समझौते की घोषणा की जाएगी।

इबोला पर केंद्र सरकार का देशवासियों को परामर्श, विदेश यात्रा करने से बचें

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने इबोला प्रभावित देशों में बदलती स्थिति को देखते हुए और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की सिफारिशों के अनुरूप सभी भारतीय नागरिकों को अगली सूचना तक कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान की गैर-जरूरी यात्रा से बचने की सलाह दी है। कांगो, युगांडा और उसकी सीमा से लगे दक्षिण सूडान और अन्य देशों में बीमारी फैलने सबसे अधिक खतरा है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह परामर्श जारी किया है। परामर्श के अनुसार भारतीय नागरिक जो वर्तमान में इन देशों में रह रहे हैं या यात्रा कर रहे हैं, उन्हें सलाह दी जाती है कि वे स्थानीय अधिकारियों द्वारा जारी सार्वजनिक स्वास्थ्य दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करें और अतिरिक्त सावधानी बरतें। डब्ल्यूएचओ की आपातकालीन समिति ने 22 मई को आगमन के प्रवेश बिंदुओं पर बीमारी की निगरानी को

फोटोः हि.स.

मजबूत करने के लिए कुछ अस्थायी सिफारिशें जारी कीं। इन सिफारिशों में बुंडिबुग्यो वायरस पाए जाने वाले क्षेत्रों की यात्रा न करने की भी सलाह दी गई है। भारत में बुंडिबुग्यो वायरस स्ट्रेन के कारण होने वाली इबोला बीमारी का अबतक कोई भी मामला सामने नहीं आया है। इबोला रोग एक वायरल हेमोरेजिक बुखार है, जो इबोला वायरस के 'बुंडीबुग्यो' स्ट्रेन के संक्रमण के कारण होता है। यह एक गंभीर बीमारी है, जिसमें मृत्यु दर काफी अधिक है। वर्तमान में बुंडीबुग्यो स्ट्रेन के कारण होने वाले इबोला रोग की रोकथाम या उपचार के लिए किसी भी टीके या विशिष्ट उपचार को मंजूरी नहीं दी गई है।

पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान में सात दिन से लापता जापानी पर्वतारोही का शव मिला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तरी गिलगित-बाल्टिस्तान इलाके में सात दिन से लापता जापान के बुजुर्ग पर्वतारोही का शव मिल गया है। एक स्थानीय पर्वतारोहण क्लब के स्वयंसेवकों के सहयोग से चलाए बचाव अभियान के दौरान जापान के पर्वतारोही का शव खोजने में सफलता मिली। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार 64 वर्षीय योसुके अकिबा गिलगित-बाल्टिस्तान के स्कार्दू जिले में मसरूर रॉक व्यू पॉइंट पर गए थे। यह जगह समुद्र तल से 3,700 मीटर से ज्यादा की ऊंचाई पर है। इस स्थान सिंधु नदी और आसपास के पहाड़ों के मनमोहक नजारे दिखाई देते हैं। रेस्क्यू 1122 सेवा के प्रवक्ता गुलाम रसूल ने मीडिया को बताया कि अकिबा का शव चट्टान के पास हुसैनबाद इलाके में एक गहरी दरार में मिला। वह वहां बिना किसी स्थानीय टूरिस्ट गाइड के मदद से गए थे। रसूल ने बताया कि शव को रस्सियों और खास उपकरणों की मदद से बाहर निकाला गया और अब उसे नीचे स्कार्दू लाया जा रहा है। सदपारा पर्वतारोहण क्लब के स्वयंसेवकों ने भी इस अभियान में हिस्सा लिया। क्लब के चेयरमैन गुलाम मुहम्मद सदपारा ने बताया कि क्लब के चार अनुभवी पर्वतारोहियों ने रेस्क्यू 1122 के साथ मिलकर इस अभियान में हिस्सा लिया।

बारामूला में आतंकवादियों के ठिकाने से भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद

एजेंसी (हि.स.)
बारामूला

उत्तरी कश्मीर में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। बारामूला जिले के नीलसर कंडी इलाके में संयुक्त अभियान के दौरान आतंकवादियों के संदिग्ध ठिकाने से भारी मात्रा में विस्फोटक गोला-बारूद बरामद किया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर बारामूला पुलिस, 52 राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ ने इलाके में संयुक्त अभियान चलाया। इस दौरान दौरान सुरक्षाबलों ने 14 राउंड ओजी-7वी रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) और 9 राउंड पीजी-7पी रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) बरामद किए। इस बरामदगी से एक संभावित खतरे को टाला गया है और यह उत्तरी कश्मीर में चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियानों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

वरिष्ठ अधिकारियों ने संयुक्त बलों के समन्वित प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के अभियान क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने में पुलिस, सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच मजबूत तालमेल को दशार्ते हैं।

फोटोः हि.स.

बंगाल के फलता में पोस्टल बैलेट की गिनती पूरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले की फलता विधानसभा सीट पर हुए पुनर्मतदान की मतगणना रविवार सुबह शुरू हो गई। शुरूआती रुझानों में भारतीय जनता पार्टी ने बड़ी बढ़त बना ली है। पोस्टल बैलेट की गिनती पूरी होने के बाद भाजपा उम्मीदवार स्पष्ट रूप से आगे चल रहे हैं, जबकि तृणमूल कांग्रेस की ओर से अब तक कोई काउंटिंग एजेंट मतगणना केंद्र नहीं पहुंचा है। फलता सीट पर 21 मई को पुनर्मतदान कराया गया था। मतगणना डायमंड हार्बर महिला विश्वविद्यालय में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हो रही है। यहां 19 टेबलों पर 21 राउंड में मतों की गिनती की जा रही है। सुरक्षा के लिए केंद्रीय बलों के जवानों की तैनाती की गई है। इस सीट से भाजपा ने अधिवक्ता देवांशु पांडे को उम्मीदवार बनाया है। वहीं माकपा ने शंभु कुड़मी और कांग्रेस ने अब्दुल रज्जाक मोल्ला को मैदान में उतारा है। तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जहांगीर खान ने मतदान से पहले ही चुनावी मुकाबले से हटने की घोषणा कर चुके हैं। इसके बाद से ही सीट पर भाजपा की स्थिति मजबूत मानी जा रही थी। राज्य विधानसभा चुनाव में भाजपा पहले ही 207 सीटों पर जीत दर्ज कर चुकी है। फलता सीट पर जीत मिलने पर पार्टी का आंकड़ा 208 तक पहुंच जाएगा। शुरूआती रुझानों ने भाजपा खेमे का उत्साह बढ़ा दिया है।

राहुल गांधी के एक साल में सरकार गिरने वाले बयान पर भाजपा हमलावर

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के अगले एक वर्ष में मोदी सरकार गिरने वाले बयान पर भारतीय जनता पार्टी हमलावर है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने राहुल गांधी के बयान को देश में अराजकता फैलाने की साजिश बताया। पीयूष गोयल ने कहा कि राहुल गांधी का यह बयान देश के खिलाफ कांग्रेस और विपक्षी दलों के तथाकथित टूलकिट एजेंडे की ओर इशारा करता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीके से भाजपा को पराजित नहीं कर पा रही है, इसलिए अब देश में अस्थिरता और अराजकता फैलाने की कोशिश की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश की जनता के दिलों से हटाना संभव नहीं है और जनता कांग्रेस की राजनीति को भलीभांति समझती है। भाजपा नेता सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि राहुल गांधी को समझना चाहिए कि यह

लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार है। प्रधानमंत्री मोदी देश की प्रगति के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं और राहुल गांधी पहले भी कई बड़े दावे कर चुके हैं, लेकिन उनका कोई असर नहीं हुआ। शाहनवाज ने कहा कि इस प्रकार की भाषा देशहित में नहीं है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि कुछ नेता विदेशी ताकतों के इशारे पर काम करते हुए देश के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहे हैं। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने अपनी विचारधारा और पहचान से समझौता कर लिया है। केंद्रीय मंत्री सुकांता मजूमदार ने राहुल गांधी के बयान को महत्वहीन बताते हुए कहा कि राहुल गांधी कब क्या बोलेंगे, यह उनकी पार्टी के लोगों को भी नहीं पता होता।

दर्पण विशेष

धरती पर मां गंगा के अवतरण का पावन दिन 'गंगा दशहरा'

हिंदू धर्म में गंगा दशहरा को एक अत्यंत पवित्र और श्रद्धा से मनाया जाने वाला पर्व माना जाता है। यह दिन मां गंगा के धरती पर अवतरण का प्रतीक है, जिसे आध्यात्मिक शुद्धि और पापों से मुक्ति का अवसर माना जाता है। हर वर्ष ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाए जाने वाले इस पर्व पर गंगा स्नान और दान का विशेष महत्व होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करने और दान-पुण्य करने से व्यक्ति को अनेक प्रकार के पापों से मुक्ति मिलती है और जीवन में पुण्य फल की प्राप्ति होती है।

सुख-समृद्धि और पापों से मुक्ति दिलाते हैं ये उपाय

गंगा स्नान या गंगाजल से स्नान करेंः गंगा दशहरा के दिन गंगा नदी में स्नान करना अत्यंत शुभ माना गया है। यदि गंगा स्नान संभव न हो तो स्नान के बाद गंगाजल से शरीर पर छींटे लगाएं। मान्यता है कि इससे दस प्रकार के पापों से मुक्ति मिलती है और मानसिक शांति प्राप्त होती है। ॐ नमो गंगायै नमः मंत्र का जाप करें- इस दिन माँ गंगा मैया के मंत्रों का जाप करने से विशेष पुण्य मिलता है। श्रद्धापूर्वक ॐ नमो गंगायै नमः मंत्र का 108 बार जाप करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। दस दीपक जलाकर माँ गंगा की आरती करें- गंगा दशहरा पर दस दीपक जलाने का विशेष महत्व बताया गया है। शाम के समय माँ गंगा का स्मरण करते हुए दीपदान और आरती करने से जीवन में सुख और सौभाग्य की वृद्धि होती है। जरूरतमंदों को जल और शरबत का दान करें- ज्येष्ठ माह में भीषण गर्मी रहती है, इसलिए इस दिन जल, शरबत, फल और पंखे का दान करना अत्यंत पुण्यकारी माना गया है। धार्मिक मान्यता है कि इससे व्यक्ति को अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। पीपल के वृक्ष में जल अर्पित करें- गंगा दशहरा के दिन पीपल के वृक्ष में जल चढ़ाकर भगवान विष्णु का स्मरण करें। मान्यता है कि इससे पितृ दोष और आर्थिक परेशानियां दूर होती हैं। घर में गंगाजल का छिड़काव करें- इस दिन पूरे घर में गंगाजल का छिड़काव करना शुभ माना गया है। ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और घर में सुख-शांति बनी रहती है। भगवान शिव का अभिषेक करें- माँ गंगा भगवान शिव की जटाओं से पृथ्वी पर आई थीं, इसलिए गंगा दशहरा पर शिवलिंग पर गंगाजल अर्पित करना विशेष फलदायी माना गया है। इससे भगवान शिव और माँ गंगा दोनों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। दस प्रकार की वस्तुओं का दान करें- स्कंद पुराण के अनुसार इस दिन दस प्रकार के फल, पुष्प, मिठाई या अनाज का दान करना शुभ माना गया है। इससे जीवन में समृद्धि और सौभाग्य बढ़ता है। गीता या विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें- गंगा दशहरा पर भगवान विष्णु की आराधना भी विशेष फलदायी मानी गई है। इस दिन गीता पाठ या विष्णु सहस्रनाम का पाठ करने से मानसिक शांति और आध्यात्मिक बल मिलता है। गौ सेवा और अन्न दान करें- धार्मिक मान्यता है कि गंगा दशहरा के दिन गाय को हरा चारा खिलाने और गरीबों को भोजन कराने से माँ गंगा प्रसन्न होती हैं। इससे घर में सुख-समृद्धि और धन-धान्य की वृद्धि होती है।

गंगा दशहरा का महत्व

गंगा दशहरा के दिन स्नान को अत्यंत पवित्र और फलदायी माना गया है। इस अवसर पर दशविध स्नान का विशेष महत्व बताया गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन गंगा नदी में स्नान करने से व्यक्ति के सभी प्रकार के पापों का नाश हो जाता है। इसमें शरीर से किए गए तीन प्रकार के पाप, वाणी से जुड़े चार प्रकार के पाप और मन से किए गए तीन प्रकार के पाप शामिल माने जाते हैं। इस तरह गंगा दशहरा का स्नान आत्मशुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का एक महत्वपूर्ण माध्यम माना गया है।

गंगा दशहरा पर दान

गंगा दशहरा के दिन दान का विशेष महत्व बताया गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस पावन अवसर पर जल, अन्न, फल, वस्त्र और पूजा सामग्री का दान करना अत्यंत शुभ माना जाता है। इसके साथ ही घी, नमक, तेल, शक्कर और स्वर्ण जैसी वस्तुओं का दान करने की भी परंपरा है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन श्रद्धा और क्षमता के अनुसार किया गया दान पुण्य फल को बढ़ाता है और जीवन में सुख-समृद्धि लाता है।

गंगा दशहरा पर क्या करें

दान का महत्वः इस दिन 'दस' की संख्या का बड़ा महत्व है। यदि संभव हो तो 10 ब्राह्मणों को या 10 जरूरतमंदों को अन्न, जल, मटका, सत्तू, पंखा या वस्त्र दान करें। दीपदानः शाम के समय किसी भी नदी, तालाब या घर के मंदिर में मां गंगा के निमित्त 10 दीपक अवश्य जलाएं। पर्यावरण का संकल्पः मां गंगा को स्वच्छ रखना हमारा परम कर्तव्य है। इस दिन संकल्प लें कि हम जल स्रोतों को दूषित नहीं करेंगे और प्रकृति का सम्मान करेंगे। गंगा दशहरा केवल एक तिथि नहीं, बल्कि अपनी भूलों को सुधारने और नए सात्विक जीवन की शुरूआत करने का एक दिव्य अवसर है। इस वर्ष ज्येष्ठ शुक्ल दशमी को श्रद्धापूर्वक दशविधि स्नान करें, अपने सारे संतापों को मां गंगा के चरणों में अर्पित कर दें और सुखी, समृद्ध एवं रोगमुक्त जीवन का आशीर्वाद पाएं।

गंगा स्नान के दौरान करें इन पवित्र मंत्रों का जाप

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गंगा दशहरा के दिन गंगा स्नान करते समय मंत्रों का जाप करना बेहद शुभ माना जाता है। श्रद्धा और भक्ति के साथ मंत्रों का उच्चारण करने से मां गंगा की विशेष कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। मान्यता है कि स्नान के समय गंगा लहरी का पाठ करने से पुण्य फल की प्राप्ति होती है। इसके अलावा भक्त नीचे दिए गए मंत्र का जाप भी कर सकते हैं-

नमामि गंगे तव पाद पंकजम्,
सुरासुरैः वंदित दिव्य रूपम्।
भुक्तिं च मुक्तिं च ददासि नित्यं,
भावानुसारेण सदा नराणाम्॥

मनोकामना पूर्ति के लिए करें इस मंत्र का जाप

गंगा स्नान के बाद रुद्राक्ष की माला के साथ इस मंत्र का जाप करना भी अत्यंत शुभ माना गया है-

ॐ नमः शिवायै नारायण्यै दशहरायै गंगायै नमः

ऐसी मान्यता है कि श्रद्धा भाव से इस मंत्र का जाप करने पर भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और मां गंगा का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

ॐ गंगायै नमः, ॐ त्रिवेण्यै नमः, ॐ भूदायै नमः, ॐ भीष्ममात्रे नमः, ॐ शुभायै नमः, ॐ भाग्यदायिन्यै नमः, ॐ भागीरत्यै नमः

महाफलदायी है 'दशविधि स्नान'

गंगा दशहरा के दिन 'दशविधि-स्नान' का सबसे अधिक महत्व बताया गया है। शास्त्रों में उल्लेख है कि इस दिन जो भी श्रद्धालु पूर्ण निष्ठा के साथ दस विशेष चरणों या द्रव्यों से स्नान करता है, उसे अश्वमेध यज्ञ के समान परम फल की प्राप्ति होती है। 'दशविधि-स्नान' का अर्थ है शास्त्रों द्वारा निर्देशित दस पवित्र और औषधीय वस्तुओं के माध्यम से शरीर और आत्मा का शुद्धिकरण करना। यदि आप गंगा तट पर नहीं जा पा रहे हैं, तो घर पर ही सामान्य जल में गंगाजल मिलाकर इन दस द्रव्यों का उपयोग कर सकते हैं। आइए जानते हैं वे दस प्रकार कौन-से हैं जो दशविधि स्नान के अंतर्गत आते हैंः

गोमूत्र से स्नानः पंचगव्य में से एक गोमूत्र को परम पवित्र और नकारात्मक ऊर्जा को नष्ट करने वाला माना गया है। इसके आंशिक उपयोग से शरीर की आंतरिक और बाह्य अशुद्धियां दूर होती हैं।

गोमय (गाय के गोबर) से स्नानः गोमय को साक्षात लक्ष्मी का वास माना गया है। वैज्ञानिक दृष्टि से भी गाय के गोबर में अद्भुत एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं। इसके लेपन से त्वचा शुद्ध और कांतिमय होती है।

गौदुग्ध (गाय के दूध) से स्नानः गाय का कच्चा दूध सात्विकता का प्रतीक है। इससे स्नान या तिलक करने से मन शांत होता है और कुंडली में चंद्रमा मजबूत होता है।

गौदधि (गाय के दही) से स्नानः दही से शरीर का मार्जन (लेपन) करने से आरोग्य की प्राप्ति होती है। यह जीवन में सुख और समृद्धि का संचार करता है।

गौघृत (गाय के घी) से स्नानः गाय का शुद्ध घी आयु और बल को बढ़ाने वाला है। इसके स्पर्श और आंशिक लेपन से शरीर को तेज और ओज मिलता है।

कुशोदक से स्नानः कुश (एक पवित्र घास) को जल में डालकर बनाए गए जल को 'कुशोदक' कहते हैं। कुश में ब्रह्मांडीय ऊर्जा को सोखने की अद्भुत क्षमता होती है। इस जल से स्नान करने से मानसिक तनाव दूर होता है।

भस्म से स्नानः यज्ञ या हवन की पवित्र अग्नि से निकली भस्म (विभूति) का लेपन साक्षात शिवत्व की प्राप्ति कराता है। यह मनुष्य को वैराग्य, ज्ञान और अहंकार से मुक्ति की याद दिलाता है।

मृत्तिका (पवित्र मिट्टी) से स्नानः तुलसी के पौधे की मिट्टी, नदी की मिट्टी या चंदन की मिट्टी का लेपन कर स्नान करने से शरीर सीधे प्रकृति (पृथ्वी तत्व) से जुड़ता है। यह त्वचा के विकारों को दूर करता है।

मधु (शहद) से स्नानः शहद का लेपन जीवन में मधुरता और आकर्षण लेकर आता है। इसे पंचामृत में भी महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है।

पवित्र जल (गंगाजल) से स्नान : अंत में, मां गंगा के शुद्ध, निर्मल और दिव्य जल से पूरे शरीर को सराबोर करना। यह आत्मा को परमात्मा से जोड़ने की अंतिम और सर्वोच्च स्थिति है।

कैसे करें दशविधि स्नान

कई लोगों के मन में यह सवाल उठता है कि इन दस चीजों से स्नान कैसे किया जाए? इसकी बेहद सरल विधि शास्त्रों में बताई गई है- सामर्थ्य अनुसार लेपनः इन दसों सामग्रियों को बाल्टी भरकर पानी में मिलाने की आवश्यकता नहीं है। साधक को स्नान की शुरूआत में इन वस्तुओं को क्रमशः अपने मस्तक, कंठ, हृदय या पूरे शरीर पर बहुत थोड़ी मात्रा में लेपन या तिलक के रूप में लगाना चाहिए। मंत्र जापः प्रत्येक द्रव्य को लगाते समय मन में मां गंगा या भगवान शिव का ध्यान करें। पूर्णताः सभी नौ द्रव्यों के क्रमिक लेपन के बाद, अंत में पवित्र गंगाजल युक्त शुद्ध जल से पूरी तरह स्नान कर लें। इस प्रकार आपका 'दशविधि-स्नान' पूर्ण हो जाता है।

राष्ट्रमंडल खेलों के लिए ओलंपिक स्तर का ढांचा तैयार हो रहा : मांडविया

केंद्रीय खेल मंत्री ने कहा, राष्ट्रमंडल खेलों के लिए आधुनिक खेल सुविधाओं का तेजी से विकास किया जा रहा

एजेंसी (हि.स.)

अहमदाबाद

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा है कि वर्ष 2030 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अहमदाबाद में ओलंपिक स्तर का खेल बुनियादी ढांचा तैयार किया जा रहा है। उन्होंने भरोसा जताया कि भारतीय खिलाड़ी भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर पदक जीतकर देश का नाम रोशन करेंगे।

राष्ट्रमंडल खेल दिवस के अवसर पर साबरमती रिवरफ्रंट पर आयोजित 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में मांडविया ने कहा कि यह अभियान फिट इंडिया का संदेश देने के साथ युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। उन्होंने कहा, आज संडे ऑन साइकिल का 75वां सत्र है और राष्ट्रमंडल खेल दिवस के मौके पर अहमदाबाद में इसका मुख्य आयोजन किया गया है। बड़ी संख्या में युवाओं ने इसमें भाग लेकर फिट इंडिया अभियान को मजबूत किया है।अहमदाबाद वर्ष 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा। इससे पहले भारत ने 2010 में दिल्ली में इन खेलों का आयोजन किया था। भारत ने अहमदाबाद में ही 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति को आशय पत्र भी सौंपा है। मांडविया ने कहा कि राष्ट्रमंडल खेलों के लिए आधुनिक खेल सुविधाओं का तेजी से विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी भी कड़ी मेहनत कर रहे हैं ताकि राष्ट्रमंडल खेलों और ओलंपिक में देश के लिए पदक जीत सकें। अहमदाबाद के नारनपुरा में 825 करोड़ रुपये की लागत से बने वीर सावरकर खेल परिसर का उद्घाटन पिछले वर्ष हो चुका है। वहीं नरेंद्र मोदी स्टेडियम के आसपास 335 एकड़ में

सरदार वल्लभभाई पटेल खेल एंक्लेव विकसित किया जा रहा है। यहां एक्वाटिक्स, टेनिस, एथलेटिक्स और निशानेबाजी जैसी स्पधाओं के लिए सुविधाएं तैयार की जा रही हैं। निर्माण कार्य 2028-29 तक पूरा होने की संभावना है। मांडविया ने साइकिलिंग को फिट इंडिया अभियान का अहम हिस्सा बताते हुए लोगों से इसे अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि साइकिलिंग स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होने के साथ प्रदूषण कम करने और तेल बचाने में भी मददगार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए देशवासियों का फिट रहना जरूरी है और साइकिलिंग इसका प्रभावी माध्यम बन सकती है। कार्यक्रम में गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी ने कहा कि फिट इंडिया केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि जनभागीदारी का आंदोलन है। उन्होंने लोगों से इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। इस अवसर पर राष्ट्रमंडल खेलों की थीम पर आधारित फोटो प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया गया। इसमें पिछले 12 वर्षों में भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धियों, खेलो इंडिया मिशन और खेल उपकरण निर्माण से जुड़ी पहलों को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम में ओलंपिक पदक विजेता गगन नारंग, भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष आदिले सुमरिवाला, हॉकी खिलाड़ी गुरजीत कौर, रजनी ई, सोनिका टी, निशानेबाज अंजुम मोद्गिल, अंकुर मित्तल, बैडमिंटन खिलाड़ी तृप्ति मुरगुंडे और अभिनेता आयुष्मान खुराना समेत कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं।

पंत की कप्तानी पर बोले टॉम मूडी एलएसजी में बदलाव के दिए संकेत

एजेंसी (हि.स.)

लखनऊ

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के ग्लोबल डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट टॉम मूडी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के सीजन में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद फ्रेंचाइजी में बड़े बदलाव के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा है कि यह सीजन हमारे लिए मुश्किल रहा। हम इस पर समय लेकर विचार करेंगे।

फोटोः हि.स.

एलएसजी के लिए आईपीएल 2026 का सीजन बेहद निराशाजनक रहा है। ऋषभ पंत की कप्तानी में इस सीजन टीम ने 14 लीग मैच में केवल 4 मैच ही जीते, जबकि 10 मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा है। टीम ने अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर रहकर अपना सफर समाप्त किया। टीम के कप्तान ऋषभ पंत का भी प्रदर्शन इस सीजन बेहद साधारण रहा। कप्तानी में भी वह कमाल नहीं कर पाए। पंत इस सीजन में कुल 13 पारियों में 28.36 की औसत से 312 रन ही बना पाए। पंजाब किंग्स के खिलाफ आखिरी मैच में भी वह बल्ले से कमाल नहीं दिखा पाए। पंजाब किंग्स से हार के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में टॉम मूडी ने कहा कि कप्तानी के नजरिए से देखें तो पंत के लिए यह चुनौतीपूर्ण रहा है और परिणाम भी यही दिखाते हैं। आपको यह भी सोचना जरूरी है कि क्या कप्तानी का दबाव उनकी बल्लेबाजी में भी दिखाई दे रहा है। मुझे पता है कि यह सीजन हमारे लिए मुश्किल रहा लेकिन हम इस पर समय लेकर सोचेंगे। हर पहलू पर विचार करेंगे लेकिन यह साफ है कि हम अपनी उम्मीदों या अपने तय मानकों पर खरे नहीं उतर पाए हैं। उन्होंने कहा कि जब फ्रेंचाइजी के नेतृत्व की बात आती है तो हम भविष्य में गंभीरता से विचार करेंगे। हर विभाग की तरह, जब आप किसी सीजन की समीक्षा करते हैं तो कई फैसले लेने पड़ते हैं। फिलहाल ऐसा लग रहा है कि हमें रीसेट पर विचार करना होगा। मूडी ने कहा कि मुझे लगता है कि इस निराशाजनक सीजन के लिए हम सभी जिम्मेदार हैं। यह किसी एक खिलाड़ी पर उंगली उठाने का समय नहीं है। हम सभी जवाबदेही लेते हैं और अभी किसी एक विभाग को दोष देने का समय नहीं है।

हमें शांत दिमाग से इस पूरे सीजन पर विचार करने की जरूरत है लेकिन कुछ चीजें ऐसी हैं जिन्हें सुधारना होगा और उन पर काम किया जाएगा। ऋषभ पंत को एलएसजी ने 2024 की नीलामी में 27 करोड़ की बड़ी रकम देकर अपने साथ जोड़ा था और फ्रेंचाइजी ने उन्हें टीम का कप्तान बना दिया था। हालांकि एसएसजी के लिए दो सीजन में उनका प्रदर्शन साधारण रहा है। उन्होंने दो सीजन में कुल 581 रन बनाए हैं। इसके अलावा ऋषभ पंत की कप्तानी में एलएसजी ने 28 मैच में सिर्फ 10 जीत दर्ज कीं और 18 मुकाबले गंवाए।

राष्ट्रमंडल खेलों के लिए रोहित राजपाल भारत दल के नेता नियुक्त

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

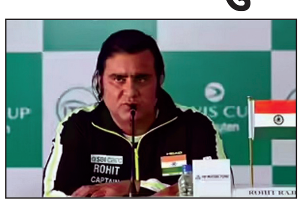

डेविस कप टीम के कप्तान रह चुके रोहित राजपाल को ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारतीय दल का शेफ डी मिशन नियुक्त किया गया है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के सूत्रों ने रविवार को इसकी जानकारी दी। 23 जुलाई से दो अगस्त तक आयोजित होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में रवि बेंगानी उप दल नेता की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं, वंदना राव और राहुल स्वामी भारतीय दल के साथ जनरल टीम मैनेजर के रूप में जाएंगे। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा भी शीर्ष प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होंगी। उनके साथ आईओए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रघुराम अय्यर और विग्नेश वेंगालिल उज्ज्वल भी ग्लासगो जाएंगे। रोहित राजपाल भारतीय ओलंपिक संघ की कार्यकारी समिति के सदस्य और अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) के उपाध्यक्ष हैं। वह लंबे समय तक भारत की डेविस कप टीम की कप्तानी कर चुके हैं और खेल प्रशासन में भी सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। आईओए से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि राजपाल की नियुक्ति को संघ ने सुरक्षित और प्रभावी विकल्प माना है। सूत्र के अनुसार, विभिन्न खेल महासंघों के साथ उनके बेहतर संबंध और प्रशासनिक अनुभव को चयन में अहम माना गया। सूत्र ने कहा कि राजपाल खिलाड़ियों की जरूरतों और महासंघों की कार्यप्रणाली को अच्छी तरह समझते हैं, जिससे वह इस जिम्मेदारी को प्रभावी ढंग से निभा सकेंगे। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में कुछ पूर्व दिग्गज खिलाड़ियों को विशेष अतिथि के रूप में भी शामिल किया गया है।

आईपीएल में विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता पर बेहतर तालमेल जरूरी : मोहित बर्मन

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

पंजाब किंग्स के सह मालिक मोहित बर्मन ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता को संवेदनशील मुद्दा बताते हुए कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई), विदेशी क्रिकेट बोर्ड और अन्य हितधारकों को इस दिशा में बेहतर समन्वय बनाना होगा। बर्मन ने कहा कि जब किसी खिलाड़ी का चयन आईपीएल नीलामी में होता है, तब उसकी उपलब्धता को लेकर स्पष्ट स्थिति होनी चाहिए ताकि फ्रेंचाइजी अपनी रणनीति सही ढंग से तैयार कर सके।

बीसीसीआई ने नीलामी में खरीदे जाने के बाद आईपीएल से नाम वापस लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों पर दो साल का प्रतिबंध लगाया हुआ है। हालांकि चोटिल खिलाड़ियों को इसमें छूट दी जाती है। इसके बावजूद

विदेशी खिलाड़ियों, खासकर स्टार खिलाड़ियों की उपलब्धता लगातार चुनौती बनी हुई है।

इस सत्र में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने टूर्नामेंट के दूसरे चरण में खेलने की अनुमति दी। तब तक उनकी टीम दिल्ली कैपिटल्स प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी थी। वहीं ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोट के कारण शुरूआत से अपनी-अपनी टीमों के लिए उपलब्ध नहीं रहे।

बर्मन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कार्यक्रम काफी व्यस्त रहता है और खिलाड़ियों की अपने राष्ट्रीय बोर्ड के प्रति भी जिम्मेदारियां होती हैं। ऐसे में सभी पक्षों के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रशंसक टूर्नामेंट की शुरूआत से ही स्टार खिलाड़ियों को मैदान पर देखना चाहते हैं। इसलिए टकराव के बजाय सहयोग की भावना से समाधान निकालना होगा। पंजाब किंग्स में 48 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले बर्मन ने कहा कि आदर्श स्थिति यही होगी कि खिलाड़ी पहले दिन से उपलब्ध रहें, लेकिन यदि क्रिकेट बोर्डों के बीच पहले से कुछ तय है तो फ्रेंचाइजी के पास ज्यादा विकल्प नहीं बचते।

लेला मरयम कप में प्रणवी संयुक्त 17वें और दीक्षा 20वें स्थान पर रहीं

रबात। भारत की प्रणवी उर्स लेला मरयम कप गोल्फ टूर्नामेंट के अंतिम दौर में पिछड़कर संयुक्त 17वें स्थान पर खिसक गईं, जबकि दीक्षा डागर संयुक्त 20वें स्थान पर रहीं। प्रणवी ने प्रतियोगिता में 70, 71 और 74 के कार्ड खेले और कुल चार अंडर का स्कोर बनाया। वहीं दीक्षा डागर ने 75, 70 और 71 के स्कोर के साथ कुल तीन अंडर पूरा किया। प्रणवी ने टूर्नामेंट की शानदार शुरूआत की थी और पहले दौर के बाद संयुक्त दूसरे स्थान पर थीं। दूसरे दौर के बाद भी वह शीर्ष-10 में बनी हुई थीं, लेकिन अंतिम दौर में एक ओवर 74 का स्कोर उनके लिए नुकसानदायक साबित हुआ। भारत की अवनि प्रशांत और हिताषी बक्शी कट हासिल करने में सफल नहीं हो सकीं। कनाडा की 17 वर्षीय अन्ना हुआंग ने अंतिम दौर में सात अंडर 66 का शानदार कार्ड खेलकर खिताब अपने नाम किया। उन्होंने कुल 14 अंडर स्कोर के साथ एक शॉट की बढ़त से जीत दर्ज की।

एफआईजी वर्ल्ड चैलेंज कप में प्रणति नायक को रजत

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

भारतीय जिमनास्ट प्रणति नायक ने ताशकंद में आयोजित एफआईजी वर्ल्ड चैलेंज कप 2026 में महिला वॉल्ट स्पर्धा का रजत पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। ओडिशा की 31 वर्षीय प्रणति ने शनिवार को फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने दो वॉल्ट में क्रमशः 12.950 और 12.700 अंक हासिल किए। कुल 13.025 अंक के साथ उन्होंने दूसरा स्थान प्राप्त किया। वियतनाम की थी क्विन्ह न्हु गुयेन ने 13.375 अंक लेकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि उज्बेकिस्तान की शाखिनाबोनू यूसुफोवा 12.950 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। भारत की प्रोतिस्था सामंता ने भी प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और 12.850 अंक के साथ छठा स्थान हासिल किया। पदक जीतने के बाद प्रणति ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि पिछले कुछ महीने उनके लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहे, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। उन्होंने कहा कि यह पदक धैर्य, दृढ़ता और विश्वास का परिणाम है।

टी20 विश्व कप की तैयारी में न्यूजीलैंड को मिली मजबूती, इंग्लैंड के खिलाफ डिवाइन ने दिखाया दम

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम ने कैंटरबरी में खेले गए दूसरे टी20 मैच में इंग्लैंड को 14 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में बराबर कर ली। न्यूजीलैंड की इस जीत में दिग्गज खिलाड़ी सोफी डिवाइन ने निर्णायक भूमिका निभाई। 36 वर्षीय स्टार खिलाड़ी ने 57 गेंदों में 87 रन बनाए, जो इंग्लैंड के खिलाफ उनका अब तक का सर्वोच्च स्कोर था।

फोटोः हि.स.

आईसीसी के अनुसार पहले टी20 मैच में सात विकेट से हार के बाद मिली यह जीत महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए न्यूजीलैंड की तैयारियों को बढ़ावा देगी। यह टूर्नामेंट इंग्लैंड में खेला जा रहा है। ऐसे में यह जीत टीम को अतिरिक्त आत्मविश्वास प्रदान करेगी। वहीं, डिवाइन का फॉर्म में होना महत्वपूर्ण रहेगा, क्योंकि न्यूजीलैंड की इस दिग्गज खिलाड़ी ने विश्व कप खत्म होने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। वह अपने करियर के अंत में दूसरा टी20 विश्व कप खिताब जीतना चाहेंगी।

दूसरे टी20 मुकाबले में डिवाइन ने मैडी ग्रीन (56 रन नाबाद) के साथ 159 रनों की साझेदारी करके न्यूजीलैंड को पांच विकेट पर 170 रन तक पहुंचाया। इसके जवाब में इंग्लैंड महिला टीम निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 156 रन ही बना सकी और मुकाबला 14 रनों से हार गई।

दोनों टीमों के बीच तीसरा टी20 मैच 25 मई को खेला जाएगा। वहीं महिला टी20 विश्व कप की बात करें तो इसकी शुरूआत 12 जून से हो रही है। न्यूजीलैंड 13 जून को साउथेम्प्टन में अपने पहले मुकाबले में वेस्टइंडीज से भिड़ेगी।

ईरान ने विश्व कप के लिए अपना आधार शिविर अमेरिका से मैक्सिको किया स्थानांतरित

एजेंसी (हि.स.)

फीनिक्स

ईरान फुटबॉल महासंघ ने विश्व कप के लिए अपनी टीम का आधार शिविर अमेरिका से मैक्सिको स्थानांतरित करने का फैसला किया है। महासंघ के अध्यक्ष मेहदी ताज ने शनिवार को बताया कि फीफा ने इस बदलाव को मंजूरी दे दी है। हालांकि फीफा की ओर से अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

ईरान की टीम को एरिजोना के टक्सन स्थित कीनो स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में अभ्यास शिविर लगाना था, लेकिन मध्य पूर्व में जारी युद्ध और सुरक्षा संबंधी चिंताओं के चलते शिविर को दूसरी जगह ले जाने पर विचार किया जा रहा था। महासंघ के अनुसार अब टीम मैक्सिको के तिजुआना शहर में ठहरेगी, जो सैन डिएगो के दक्षिण में स्थित है। इस वर्ष फुटबॉल विश्व कप 11 जून से 19 जुलाई तक आयोजित होगा। टूर्नामेंट की संयुक्त मेजबानी अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको कर रहे हैं। मेहदी ताज ने कहा कि विश्व कप में हिस्सा लेने वाले सभी देशों को अपने आधार शिविर के लिए फीफा से मंजूरी लेनी होती है। उन्होंने बताया कि इस्तांबुल में फीफा और विश्व कप अधिकारियों के साथ हुई बैठक के बाद ईरान का अनुरोध स्वीकार कर लिया गया। ईरान विश्व कप में अपना पहला मुकाबला 15 जून को कैलिफोर्निया के इंग्लेवुड में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद 21 जून को उसी मैदान पर उसका सामना बेल्जियम से होगा। ग्रुप चरण के अपने अंतिम मैच में ईरान की टीम 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ उतरेगी।

नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में गुकेश और प्रज्ञानानंदा पर रहेंगी नजरें

एजेंसी (हि.स.)

ओस्लो

विश्व चैंपियन डी गुकेश सोमवार से शुरू हो रहे प्रतिष्ठित नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे। इस प्रतियोगिता में उनका लक्ष्य विश्व चैंपियनशिप में खिताब बचाने के अभियान से पहले लय हासिल करना होगा। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन की मौजूदगी वाले इस टूर्नामेंट में भारत को गुकेश और आर प्रज्ञानानंदा से बड़ी उम्मीदें होंगी। भारतीय खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में खिताब के लंबे इंतजार को खत्म करने की कोशिश करेंगे।

ओपन और महिला वर्ग में दुनिया के छह-छह शीर्ष खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। भारत की ओर से ओपन वर्ग में गुकेश और प्रज्ञानानंदा खेलेंगे, जबकि महिला वर्ग में कोनेरू हंपी और विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख चुनौती पेश करेंगी। ओपन वर्ग में कार्लसन के अलावा फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा, जर्मनी के विन्सेंट कीमर और अमेरिका के वेस्ली सो जैसे दिग्गज खिलाड़ियों की मौजूदगी भारतीय खिलाड़ियों के लिए चुनौती को और कठिन बनाएगी। महिला वर्ग में पांच बार की विश्व चैंपियन जू वेनजुन, गत चैंपियन अन्ना मुजिचुक, विश्व ब्लिट्ज चैंपियन बिबिसारा असाउबायेवा और चीन की झू जिनर भी खिताब की दौड़ में शामिल हैं। गुकेश इस टूर्नामेंट में काफी उम्मीदों के साथ उतर रहे हैं। उन्हें ऐसे खिलाड़ी के रूप में देखा जा रहा है जो नॉर्वे शतरंज में कार्लसन के दबदबे को चुनौती दे सकते हैं। कार्लसन इस प्रतियोगिता के सात बार के चैंपियन रह चुके हैं। हालांकि मौजूदा सत्र में गुकेश का प्रदर्शन मिश्रित रहा है। वह इस प्रतियोगिता को साल के आखिर में जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ होने वाले विश्व चैंपियनशिप मुकाबले की तैयारी के तौर पर भी देख रहे हैं। विश्व रैंकिंग में फिलहाल 19वें स्थान पर काबिज गुकेश हाल ही में पोलैंड में हुए ग्रैंड चेस टूर के सुपर रेपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट में छठे स्थान पर रहे थे।

वहीं प्रज्ञानानंदा हाल में बुखारेस्ट में संपन्न सुपरबेट चेस क्लासिक में शानदार प्रदर्शन के बाद बेहतर लय में नजर आ रहे हैं। उन्होंने कीमर, वेस्ली सो और फिरोजा जैसे शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ कड़े मुकाबले खेले थे।

हैरी केन की हैट्रिक से बायर्न म्यूनिख ने जीता जर्मन कप

एजेंसी (हि.स.)

बर्लिन

स्टार स्ट्राइकर हैरी केन की शानदार हैट्रिक की बदौलत बायर्न म्यूनिख ने मौजूदा चैंपियन स्टटगार्ट को 3-0 से हराकर जर्मन कप फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही बायर्न ने इस सत्र में घरेलू प्रतियोगिताओं का डबल पूरा कर लिया।दूसरे हाफ में केन के तीन गोलों ने बायर्न के प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह भर दिया। मैच के दौरान दोनों टीमों के समर्थकों ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी किए जाने के विरोध में जर्मन फुटबॉल महासंघ (डीएफबी) के खिलाफ नारेबाजी भी की। केन ने 55वें मिनट में माइकल ओलिस के क्रॉस पर शानदार हेडर लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। गोल के बाद बायर्न समर्थकों ने आतिशबाजी शुरू कर दी, जिससे मैदान पर धुआं फैल गया और कुछ देर के लिए खेल रोकना पड़ा। इंग्लैंड के कप्तान केन ने 80वें मिनट में दूसरा गोल दागा। इसके बाद इंजरी टाइम में पेनल्टी को गोल में बदलकर उन्होंने अपनी हैट्रिक पूरी की। बायर्न म्यूनिख इससे पहले इस सत्र में बुंडेसलिगा का खिताब भी जीत चुका है।

आईपीएल **मैदान पर आपा खोना मानवीय स्वभावः पूर्व कप्तान**

खिलाड़ी आदर्श बनने की कोशिश करते हैं, लेकिन हर बार कसौटी पर खरा उतरना आसान नहीं: गावस्कर

एजेंसी (हि.स.)

मुंबई

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने कहा है कि हर खिलाड़ी सफलता हासिल करने के साथ खुद को आदर्श के रूप में स्थापित करना चाहता है, लेकिन इंसान होने के कारण कई बार वह अपेक्षित मानकों पर पूरी तरह खरा नहीं उतर पाता।

गावस्कर ने आईपीएल के मौजूदा सत्र की किसी विशेष घटना का उल्लेख किए बिना कहा कि सोशल मीडिया के दौर में अब छोटी से छोटी बात भी बहुत तेजी से सार्वजनिक हो जाती है।

उन्होंने रविवार को 'मिडविकेट स्टोरीज' के लॉन्च कार्यक्रम में कहा, भावनाओं में बहकर कई बार चीजें हो जाती हैं। ऐसा नहीं है कि खिलाड़ी युवाओं को गलत संदेश देना चाहते हैं। कोई भी व्यक्ति कभी-कभी अपना आपा खो सकता है। गावस्कर ने कहा कि खिलाड़ियों को बचपन से ऐसी सीख मिलती है कि वे खुद को एक अच्छे आदर्श के रूप में पेश करें। हालांकि, हर व्यक्ति इंसान है और कभी-कभी उस स्तर पर खरा उतरने में असफल हो सकता है। उन्होंने कहा कि पहले के दौर में ऐसी घटनाएं सीमित दायरे में रह जाती थीं, लेकिन अब सोशल मीडिया के कारण हर बात तुरंत लोगों तक पहुंच जाती है। पूर्व कप्तान ने अपने खेल के दिनों को याद करते हुए बताया कि उस समय टेस्ट मैचों के दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच काफी मेलजोल होता था। उन्होंने कहा कि जिस टीम की बल्लेबाजी होती थी, उसके खिलाड़ी विपक्षी टीम के ड्रेसिंग रूम में पानी की बोतलें पहुंचाते थे। उन्होंने बताया कि दिन का खेल समाप्त होने के बाद खिलाड़ी एक-दूसरे के साथ बैठकर बातचीत करते थे। इस दौरान सिर्फ मैच ही नहीं, बल्कि स्थानीय खानपान, घूमने की जगहों और फिल्मों पर भी चर्चा होती थी। गावस्कर ने आईपीएल के मौजूदा माहौल की सराहना करते हुए कहा कि आज भी मैच खत्म होने के बाद खिलाड़ी आपस में मिलते हैं और बातचीत करते हैं। उनके अनुसार हाथ मिलाने और सम्मान दिखाने की यह परंपरा खेल भावना को मजबूत करती है। पूर्व भारतीय कप्तान ने क्रिकेट के बदलते स्वरूप के बावजूद खेल भावना के बचे रहने पर खुशी जताई। उन्होंने आईपीएल के मौजूदा माहौल की सराहना करते हुए कहा कि आज भले ही मैदान पर कितनी भी प्रतिस्पर्धा क्यों न हो, लेकिन मैच खत्म होने के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ी आपस में मिलते हैं, हंसते-मुस्कुराते हैं और एक-दूसरे से बातचीत करते हैं।

अर्जुन के धैर्य और मेहनत पर गर्व : सचिन तेंदुलकर

एजेंसी (हि.स.)

लखनऊ

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की ओर से पदार्पण करने वाले अपने बेटे अर्जुन तेंदुलकर की जमकर सराहना की है। उन्होंने अर्जुन के धैर्य, मेहनत और सकारात्मक सोच की प्रशंसा की। एलएसजी ने अर्जुन को पूरे सत्र में अंतिम लीग मैच तक मौका नहीं दिया था। इस दौरान वह नेट्स और अभ्यास मैचों में लगातार मेहनत करते रहे। पंजाब किंग्स के खिलाफ उन्हें आखिरकार पदार्पण का अवसर मिला।

मैच के बाद सचिन तेंदुलकर ने सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा करते हुए लिखा, शाबाश अर्जुन। पूरे सत्र में जिस तरह तुमने खुद को संभाला, उस पर मुझे गर्व है। तुमने अपनी क्षमता पर विश्वास बनाए रखा, धैर्य रखा और चुपचाप मेहनत करते रहे। उन्होंने आगे कहा, क्रिकेट केवल कौशल ही नहीं, बल्कि धैर्य की भी परीक्षा लेता है और आज तुमने दोनों का शानदार परिचय दिया। हमेशा जमीन से जुड़े रहना और खेल के प्रति अपना प्यार बनाए रखना। अर्जुन ने अपने पहले ओवर में प्रभावशाली गेंदबाजी की।

अंगदान केवल चिकित्सा का विषय नहीं बल्कि एक बड़ा सामाजिक आंदोलन : प्रो. लाल

पीजीआईएमईआर में 33वें इंटरनेशनल पब्लिक हेल्थ मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन

20 देशों के 43 स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लिया हिस्सा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर) के रीजनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (रोट्टो) नॉर्थ ने 33वें इंटरनेशनल पब्लिक हेल्थ मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम (आईपीएचएमडीपी) में शामिल अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के लिए अंगदान जागरूकता एवं संवेदनशीलता सत्र का आयोजन किया। यह कार्यक्रम स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, पीजीआईएमईआर के सहयोग से आयोजित किया गया।

विदेश मंत्रालय की भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) योजना के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में 20 देशों के 43 क्लीनिकल और पब्लिक हेल्थ विशेषज्ञ शामिल हुए। यह कार्यक्रम अपने 10 वर्ष पूरे होने के अवसर पर विशेष रूप से आयोजित किया गया। पिछले एक दशक में इस पहल के तहत 97 देशों के करीब 1700 स्वास्थ्य विशेषज्ञों और सार्वजनिक स्वास्थ्य नेताओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

सत्र के दौरान प्रतिनिधियों को अंग एवं ऊतक दान, मृतक अंग प्रत्यारोपण, प्रत्यारोपण से जुड़े नैतिक और कानूनी पहलुओं, शोक परामर्श, सामुदायिक भागीदारी और स्थायी अंगदान प्रणाली विकसित करने संबंधी जानकारी दी गई। रोट्टो नॉर्थ ने उत्तर भारत में अंगदान जागरूकता बढ़ाने के लिए चलाए जा रहे विभिन्न अभियानों और पहलों को भी प्रस्तुत किया। इसमें जनसंपर्क

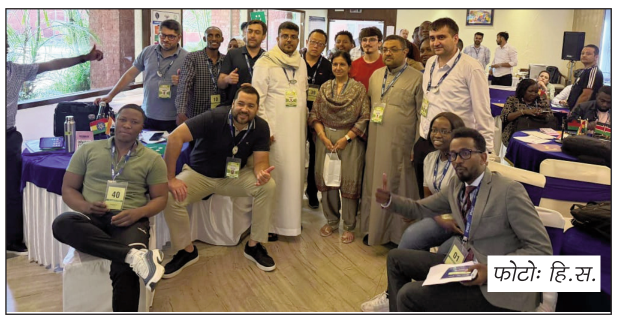

फोटोः हि.स.

अभियान, शैक्षणिक कार्यशालाएं, शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों के साथ सहयोग, मीडिया जागरूकता, अस्पताल समन्वय और स्वास्थ्यकर्मियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल रहे। पीजीआईएमईआर के निदेशक प्रो. विवेक लाल ने कहा कि अंगदान केवल चिकित्सा से जुड़ा विषय नहीं, बल्कि एक सामाजिक आंदोलन है, जिसके लिए निरंतर जागरूकता, नैतिकता और अंतरराष्ट्रीय सहयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम भारत के सफल प्रत्यारोपण मॉडल और जनसहभागिता को वैश्विक मंच पर साझा करने का अवसर प्रदान करते हैं। रोट्टो नॉर्थ के नोडल अधिकारी डॉ. विजय टाडिया ने कहा कि अंगदान मानवता की सबसे महान सेवाओं में से एक है और मृतक अंगदान कार्यक्रमों को मजबूत करने में जागरूकता की भूमिका सबसे अहम है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सहभागिता के माध्यम से भारत की श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को साझा करने के साथ-साथ वैश्विक अनुभवों से सीखने का अवसर मिलता है।

रोट्टो नॉर्थ की कंसल्टेंट (आईईसी/मीडिया) सार्यु डी. मद्रा ने कहा कि अंगों की मांग और उपलब्धता के बीच अंतर को कम करने के लिए प्रभावी संवाद और सतत जनजागरूकता बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि युवाओं, शैक्षणिक संस्थानों और समुदायों को जोड़कर पारदर्शी संवाद स्थापित करना अंगदान को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण माध्यम है। अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने पीजीआईएमईआर और रोट्टो नॉर्थ की समुदाय आधारित और व्यवस्थित कार्यप्रणाली की सराहना की तथा इसे वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के लिए उपयोगी पहल बताया।

कल राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज, मोरनी में होगा रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन

उपायुक्त सतपाल शर्मा सुनेंगे ग्रामीणों की समस्याएं, मौके पर करेंगे समाधान

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

घर द्वार पर ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान हेतु हरियाणा सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम के अंतर्गत 26 मई मंगलवार को राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज, मोरनी के परिसर में रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ग्रामीणों की समस्याएं/मांगों की सुनवाई करेंगे तथा उनका समाधान करेंगे।

कार्यक्रम के दौरान खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, स्वास्थ्य, डीआरडीए, कृषि, बागवानी, पशुपालन, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी, बिजली और अन्य विभागों सहित जिला समाज कल्याण अधिकारी और जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, एलडीएम पंचकूला द्वारा सूचना एवं सेवा स्टॉल लगाए जाएंगे। इन स्टॉलों के माध्यम से अधिकारी एवं कर्मचारी ग्रामीणों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देंगे तथा पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ प्रदान करेंगे। रात्रि ठहराव के सफल आयोजन हेतु संबंधित विभागों को कार्यक्रम स्थल पर सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

विकास एवं पंचायत मंत्री आज करेंगे जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षताः उपायुक्त

पंचकूला। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार कल 25 मई को दोपहर 12:00 बजे सेक्टर-1 स्थित लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस संबंध में जानकारी देते हुए उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने बताया कि समिति के गैर सरकारी सदस्यों के साथ साथ जिला व पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों पर की गई कार्यवाही की समीक्षा करने के साथ साथ उनके समयबद्ध निपटान के लिए मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये जाएँगे। उन्होंने कहा कि जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति का अपना एक महत्व होता है क्योंकि कई महत्वपूर्ण सुझाव इस बैठक के माध्यम से प्राप्त होते है, जिनसे लोकहित कार्यो को प्रभावी ढंग से पूरा करने में सहायता मिलती है।

जीरकपुर में 17वां रक्तदान शिविर आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
जीरकपुर

रक्तदान अभियानों की लड़ी को आगे बढ़ाते हुए आज संत निरंकारी सत्संग भवन,ब्रांच जीरकपुर में ₹संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन ₹के मार्गदर्शन में 17वें रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान कुल 206 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस शिविर मे जी एमसीएच, सेक्टर-32, चंडीगढ़ की टीम ने अपने अनुभवी डॉक्टरों एवं स्टाफ के सहयोग से रक्त संग्रहण की प्रक्रिया सम्पन्न की। शिविर में श्रद्धालुओं एवं सेवादल के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए निःस्वार्थ सेवा की भावना का परिचय दिया। शिविर का उद्घाटन करते हुए चंडीगढ़ जोन के जोनल इंचार्ज आदरणीय ओ.पी. निरंकारी जी ने उपस्थित स्वैच्छिक रक्तदाताओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि संत निरंकारी मिशन का संदेश – 'मानव को मानव हो प्यारा एक-दूजे का बने सहारा' – केवल शब्द नहीं, बल्कि हृदय से अपनाई जाने वाली जीवनशैली है। उन्होंने इस आयोजन को मात्र एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रेम, सद्भावना एवं निःस्वार्थ सेवा का जीवंत उदाहरण बताया। इस अवसर पर जीरकपुर शाखा के मुखी सुरिंदर कुमार जी ने कहा कि युगप्रवर्तक बाबा गुरबचन सिंह जी ने भक्तों को सत्य, सरलता एवं सद्भावना के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी तथा युवाओं को नशामुक्त जीवन अपनाकर समाज सेवा की ओर अग्रसर होने का संदेश दिया।

एसडी कॉलेज ने उद्योग जगत से मिलाया हाथ

इंटर्नशिप सहयोग के लिए हुए एमओयू

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

उद्योग जगत और शिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग को मजबूत बनाने तथा विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में इंडस्ट्री पार्टनर्स, गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) एवं पूर्व विद्यार्थियों (एल्युमनाई) के साथ इंटर्नशिप सहयोग हेतु एमओयू हस्ताक्षर समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में कई गणमान्य अतिथियों, प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट जगत से जुड़े प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों, सफल पूर्व विद्यार्थियों, कॉलेज के फैकल्टी मेंबर्स तथा जीजीडीएसडी कॉलेज सोसायटी के सदस्यों की

गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर जीजीडीएसडी कॉलेज सोसायटी के वित्त सचिव जतिंदर भाटिया, महासचिव डॉ.पीके बजाज तथा सोसायटी के सदस्य डॉ.गुरमीत सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

समारोह में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर चंडीगढ़ पॉवर डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड (सीपीडीएल) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बृजेश कुमार तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर सीपीडीएल के हेड 'मन रिसोर्सेज एवं एडमिनिस्ट्रेशन संदीप राय मौजूद थे। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित संस्थाओं के साथ औपचारिक रूप से एमओयू पर हस्ताक्षर करना रहा। ये एमओयू सूचना प्रौद्योगिकी, इन्क्यूबेशन, स्वास्थ्य सेवाएं, मीडिया, सामाजिक विकास, इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी सर्विसेज तथा उद्यमिता जैसे विविध क्षेत्रों से जुड़े संगठनों के साथ किए गए।

जिन संस्थाओं के साथ एमओयू हस्ताक्षर किए गए उनमें इनोवेशन मिशन पंजाब, मोहाली, आईबीएम ऑल सॉफ्ट चैनल पार्टनर, सनफोकस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, ग्राजिट्टी इंटरएक्टिव, अटल इन्क्यूबेशन सेंटर झ इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस एसोसिएशन; ग्लोबल एप्लेरीज (इंडिया), द चंडीगढ़ बाइट्स एंड सोशल वॉच, वेबिला इंटरनेट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, एरीना इन्फो सॉल्यूशंस झ टैली, एससीएल लाइफसाइंसेज लिमिटेड, साईटेक मेडिकेयर प्राइवेट लिमिटेड, हिमाचल प्रदेश, एम/एस विन्सवन आईपी, सप्त सिंधु कल्चरल हेरिटेज फोरम, सर्वप्रेम फाउंडेशन, युवसत्ता, रोजाना स्पोक्समैन/डेली पोस्ट तथा रोटरैक्ट इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3080 प्रमुख रूप से शामिल रहे। समारोह के दौरान पूर्व विद्यार्थियों द्वारा संचालित संस्थाओं के साथ भी मौके पर एमओयू हस्ताक्षर किए गए। इनमें आनंद सभरवाल एंड एसोसिएट्स, बर्कले इंश्योरेंस मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड, बर्कले मोटर्स लिमिटेड तथा एकांत एसोसिएट्स प्रमुख रूप से शामिल रहे।

संक्षिप्त-समाचार

भवन विद्यालय के पूर्व छात्र संगठन 'बॉस' को मिला नया नेतृत्व, दीपक गर्ग बने अध्यक्ष

चंडीगढ़। भवन विद्यालय, सेक्टर-27 के पूर्व छात्रों के संगठन भवंस ओल्ड स्टूडेंट्स सोसाइटी (बॉस) में नेतृत्व परिवर्तन समारोह आयोजित किया गया। विद्यालय के कॉन्फ्रेंस रूम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान दीपक गर्ग ने नए अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला, जबकि निवर्तमान अध्यक्ष केशव गर्ग ने पदभार सौंपा। समारोह में भवन विद्यालय की डायरेक्टर एजुकेशन-कम-सीनियर प्रिंसिपल विनीता अरोड़ा, जूनियर विंग की प्रिंसिपल कुनिका शर्मा और वाइस प्रिंसिपल सुपर्णा बंसल विशेष रूप से मौजूद रहीं। अपने विदाई संबोधन में केशव गर्ग ने कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग के लिए सभी सदस्यों और स्कूल प्रशासन का आभार जताया। वहीं, नए अध्यक्ष दीपक गर्ग ने पूर्व छात्रों की भागीदारी बढ़ाने, स्कूल के साथ संबंध मजबूत करने और सामाजिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई। इस दौरान नई कार्यकारिणी की भी घोषणा की गई। इसमें अभिषेक लुबाना, अर्श और अंशुल को उपाध्यक्ष, नितिश को सचिव, आदिल को कोषाध्यक्ष बनाया गया। वहीं, सौरभ आचार्य और सिद्धार्थ बंसल को पीआर एवं स्पॉन्सरशिप हेड की जिम्मेदारी दी गई। कार्यक्रम समन्वयक के रूप में तनुश्री, गोविंद, युवराज और अगमप्रीत कौर को शामिल किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न बैचों के पूर्व छात्र शामिल हुए और नई टीम को शुभकामनाएं दीं। इससे पहले बॉस की ओर से भवन विद्यालय, न्यू चंडीगढ़ में थैलेसीमिक चैरिटेबल ट्रस्ट, पीजीआई के सहयोग से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में अभिभावकों, पूर्व छात्रों, स्वयंसेवकों और समर्थकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान कुल 67 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। शिविर का आयोजन शिक्षा निदेशक एवं वरिष्ठ प्रधानाचार्या विनीता अरोड़ा और भवन विद्यालय न्यू चंडीगढ़ की प्रधानाचार्या इंदरप्रीत कौर के मार्गदर्शन में किया गया। आयोजकों ने बताया कि दोनों के सहयोग और प्रोत्साहन से यह सामाजिक पहल सफल रही।

हिमाचल महासभा की कार्यकारिणी का पुनर्गठन, भविष्य की योजनाओं पर मंथन

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में हिमाचल प्रदेश के लोगों के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं कल्याणकारी हितों के लिए कार्यरत संस्था हिमाचल महासभा की महत्वपूर्ण बैठक सेक्टर 23 स्थित मुनि जी मंदिर में आयोजित की गई। बैठक में महासभा की कार्यकारिणी में व्यापक फेरबदल एवं पुनर्गठन करते हुए नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक की अध्यक्षता कार्यकारी अध्यक्ष रमेश सहोड़ ने की। इस अवसर पर महासचिव (प्रशासन) शिविंदर मंधोत्रा ने पुनर्गठित टीम का परिचय करवाया तथा सभी पदाधिकारियों को सौंपे गए नए पदों, भूमिकाओं एवं जिम्मेदारियों की विस्तार से जानकारी दी। सभा को संबोधित करते हुए रमेश सहोड़ ने महासभा के भविष्य की योजनाओं और लक्ष्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि संस्था आने वाले समय में कल्याणकारी योजनाओं के विस्तार, हिमाचली सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण तथा सामुदायिक सहयोग नेटवर्क को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में कार्य करेगी। उन्होंने सभी सदस्यों से एकजुट होकर समाजहित में कार्य करने का आ'ान किया। बैठक में नवनियुक्त कार्यकारिणी सदस्यों ने महासभा के उद्देश्यों को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने और संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

चंडीगढ़ साहित्य अकादमी की ओर से साहित्यकार सम्मानित

साहित्य, भाषा और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्यरत चण्डीगढ़ साहित्य अकादमी का प्रयास सराहनीय : प्रोफेसर रतन सिंह

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

चंडीगढ़ साहित्य अकादमी (सीएसए) की ओर से रानी लक्ष्मी बाई ऑडिटोरियम, सेक्टर-38 में वर्ष 2024 में पुरस्कृत लेखकों एवं साहित्यकारों को सम्मानित करने हेतु भव्य पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर रतन सिंह, वाइस चांसलर, जगत गुरु नानक देव पंजाब स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. माधव कौशिक ने की।

फोटोः हि.स.

कार्यक्रम के आरंभ में चंडीगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. मनमोहन सिंह ने सभी अतिथियों एवं साहित्यकारों का स्वागत करते हुए कहा कि चंडीगढ़ साहित्य अकादमी साहित्य, भाषा और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्यरत है। उन्होंने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण होता है और लेखक अपनी लेखनी के माध्यम से समाज को नई दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने पुरस्कृत रचनाकारों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी सृजनात्मकता नई पीढ़ी को साहित्य से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि चंडीगढ़ के साहित्यकारों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है और अकादमी भविष्य में भी साहित्यिक गतिविधियों के माध्यम से रचनाकारों को प्रोत्साहित करती रहेगी।

मुख्य अतिथि प्रो. रतन सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि साहित्य समाज की आत्मा है, जो व्यक्ति को संवेदनशीलता, संस्कार और मानवीय मूल्यों से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि सशक्त साहित्य समाज को सही दिशा देने और सामाजिक चेतना जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने आगे कहा कि लेखक और कवि अपनी लेखनी के माध्यम से समय की वास्तविकताओं को उजागर करते हैं तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने युवाओं से साहित्य के साथ जुड़ने का आ'ान करते हुए कहा कि पुस्तकों और विचारों से जुड़ा समाज ही सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और जागरूक बन सकता है।

राष्ट्रीय साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. माधव कौशिक ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में साहित्य के प्रति लोगों की रुचि निरंतर बढ़ रही है, जो समाज के लिए एक सकारात्मक संकेत है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी कविता, कहानी, लेखन और पुस्तकों के माध्यम से अपनी संवेदनाओं को अभिव्यक्त कर रही है तथा साहित्य को नए आयाम दे रही है। उन्होंने कहा कि साहित्य केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को मानवीय मूल्यों, संवेदनशीलता और विचारशीलता से जोड़ने वाली शक्ति है। डिजिटल युग में भी पुस्तकों और साहित्यिक आयोजनों के प्रति लोगों का बढ़ता आकर्षण इस बात का प्रमाण है कि साहित्य की प्रासंगिकता सदैव बनी रहेगी।

सीएससीए ने बच्चों को प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों बारे जागरूक किया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

चंडीगढ़ सीनियर सिटीजन एसोसिएशन (सीएससीए) अपने 'वनिता' कार्यक्रम के तहत महिलाओं, लड़कियों और समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए काम करती है। संस्था की सचिव (परियोजनाएं) सुश्री लिली सूद ने सीएससीए के अध्यक्ष एससी अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्रीमती लवलीन कौर, वित्त सचिव वीके गर्ग व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती गर्ग, और सचिव (वेलफेयर) व रेखा शर्मा के मार्गदर्शन में चंडीगढ़ के शास्त्री नगर के झुग्गी-झोपड़ी वाले इलाके में स्थित 'कच्ची सड़क' फाउंडेशन का दौरा किया। यह फाउंडेशन इस क्षेत्र के 3 से 16 वर्ष की आयु के बच्चों को सार्थक शिक्षा प्रदान करता है।

इस आयु वर्ग के 100 से अधिक बच्चों को प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया, जो न केवल मानव जीवन बल्कि जानवरों और सबसे महत्वपूर्ण रूप से पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है। बच्चों को प्लास्टिक उत्पादों से हटकर अधिक पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों को अपनाने और इस संबंध में लोगों की मानसिकता बदलने में उनकी भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। सीनियर मैनेजर नेहा के साथ-साथ मुस्कान और रिया के उचित सहयोग से यह कार्यक्रम सफल रहा। इस अवसर पर सीएससीए ने सभी बच्चों को स्टील के टिफिन बांटे। बच्चों ने इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और वे अपने दैनिक जीवन में बदलाव करने और प्लास्टिक-मुक्त दुनिया के आंदोलन में मदद करने के लिए उत्साहित दिखे।

कार्यक्रम कमांडर कमल सिसौदिया ने 'संडे ऑन साइकिल' अभियान को दिखाई हरी झंडी

महिला कमांडर ने 30 किलोमीटर से अधिक साइकिल चलाई

पेश किया नारी शक्ति और फिटनेस का अनूठा उदाहरण

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), 13वीं बटालियन की कमांडेंट सुश्री कमल सिसोदिया के नेतृत्व में भारत सरकार के 'फिट इंडिया मूवमेंट' के अंतर्गत 'संडे ऑन साइकिल' अभियान के 75वें संस्करण का आयोजन बड़े उत्साह से किया गया। इस कार्यक्रम में अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों, जवानों एवं उनके परिवारजनों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

इस अवसर पर कमांडेंट कमल सिसोदिया ने 'संडे ऑन साइकिल' अभियान के अंतर्गत आयोजित साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा स्वयं जवानों का नेतृत्व करते हुए रैली में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने 30 किलोमीटर से अधिक साइकिल चलाकर नेतृत्व, अनुशासन एवं फिटनेस के प्रति समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया।

उनकी सक्रिय भागीदारी ने नारी शक्ति का एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया तथा यह संदेश दिया कि शारीरिक फिटनेस पुरुषों एवं महिलाओं झ दोनों के लिए समान रूप से आवश्यक है। उनके उत्साह एवं नेतृत्व ने जवानों को फिटनेस को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य जागरूकता, नियमित व्यायाम, फिटनेस तथा पर्यावरण संरक्षण से संबंधित सकारात्मक संदेश दिए गए। साइकिल रैली के माध्यम से प्रतिभागियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने एवं प्रदूषण मुक्त एवं पर्यावरण अनुकूल वातावरण के निर्माण हेतु

फोटोः हि.स.

प्रेरित किया गया। इस अवसर पर कमांडेंट श्रीमती कमल सिसोदिया ने कहा कि 13वीं बटालियन के कार्मिकों द्वारा प्रदर्शित उत्साह, अनुशासन एवं सक्रिय सहभागिता यह सिद्ध करती है कि सीआरपीएफ केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए समर्पित बल ही नहीं, बल्कि स्वस्थ, अनुशासित एवं सामाजिक रूप से जिम्मेदार जीवनशैली का भी प्रतीक है। उन्होंने जवानों को भविष्य में भी फिटनेस एवं जनकल्याण से जुड़े अभियानों में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अभियान का सभी प्रतिभागियों एवं उपस्थित लोगों पर अत्यंत सकारात्मक प्रभाव पड़ा। इससे जवानों में शारीरिक क्षमता, मानसिक उत्साह, आत्मविश्वास एवं टीम भावना को बढ़ावा मिला। कमांडेंट श्रीमती कमल सिसोदिया द्वारा बटालियन में फिटनेस एवं खेल गतिविधियों पर विशेष बल दिए जाने के परिणामस्वरूप बटालियन समय-समय पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में पदक एवं विजयी स्थान प्राप्त करती रही है, जो जवानों की उच्च शारीरिक क्षमता एवं मनोबल को दर्शाता है। कार्यक्रम का समापन सफलतापूर्वक हुआ तथा सभी प्रतिभागियों ने साइकिलिंग जैसी पर्यावरण अनुकूल गतिविधियों को अपनाने एवं पर्यावरण संरक्षण तथा प्रदूषण नियंत्रण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। जवानों ने नियमित शारीरिक गतिविधियों एवं फिटनेस को अपने दैनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने की भी शपथ ली।

ब्रिटिश हाई कमीशन ने युवाओं और ग्रामीणों को वीजा धोखाधड़ी के प्रति किया जागरूक

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

वीजा धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों के प्रति जागरूकता फैलाने और यूनाइटेड किंगडम की सुरक्षित एवं वैध यात्रा व्यवस्था को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ब्रिटिश हाई कमीशन ने गवर्नमेंट इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (आईटीआई), लोपोके, अमृतसर में 'वीजा फ्रॉड से बचें' अभियान के तहत एक सामुदायिक संपर्क कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं, विद्यार्थियों और ग्रामीणों को वीजा धोखाधड़ी तथा अनियमित प्रवासन से जुड़े जोखिमों के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम में ब्रिटिश डिप्टी हाई कमिश्नर चंडीगढ़ Alba Smeriglio मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस अवसर पर ब्रिटिश हाई कमीशन के सीनियर एडवाइजर रजिंदर एस नगरकोटी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि किस प्रकार

धोखेबाज लोगों को विदेश भेजने के नाम पर झूठे वादों, फर्जी दस्तावेजों और भ्रामक जानकारी के जरिए ठगते हैं। उन्होंने अवैध प्रवासन के गंभीर परिणामों तथा केवल प्रमाणित और वैध वीजा प्रक्रियाओं का पालन करने के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान युवाओं को सलाह दी गई कि वे यात्रा और प्रवासन से जुड़ी किसी भी जानकारी के लिए केवल आधिकारिक और विश्वसनीय स्रोतों पर ही भरोसा करें। प्रिंसिपल जतिंदर हंस और उनकी टीम ने ब्रिटिश हाई कमीशन की टीम का स्वागत किया तथा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए उनका धन्यवाद किया। टीम ने ब्रिटिश हाई कमीशन द्वारा शुरू किए गए विशेष व्हाट्सऐप चैटबॉट की जानकारी भी साझा की, जो अंग्रेजी, हिंदी और पंजाबी भाषाओं में यूनाइटेड किंगडम यात्रा से संबंधित प्रमाणित मार्गदर्शन प्रदान करता है। यह चैटबॉट लोगों को धोखाधड़ी के तरीकों की पहचान करने और वैध यात्रा मार्गों की जानकारी प्राप्त करने में मदद करता है। इसके अतिरिक्त, नागरिक व्हाट्सऐप हेल्पलाइन +91 70652 51380 के माध्यम से वीजा प्रक्रिया, धोखाधड़ी से बचाव और सुरक्षित प्रवासन संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।